टाटा स्मारक केंद्र

वार्षिक रिपोर्ट 2022–23

स्थानीय का वैश्विक समन्वयन

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 24 अगस्त, 2022 को होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), न्यू चंडीगढ़ का उद्घाटन किया गया। चित्र में: डॉ. आरए बडवे, निदेशक टीएमसी, डॉ. आशीष गुलिया, निदेशक एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़ के साथ।

स्वीकेयर, स्वीडन की सीईओ सुश्री मारिया हेलिंग की नवंबर 2022 में टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई की यात्रा के दौरान उनके के साथ टीएमसी के निदेशक डॉ. आरए बडवे।

वार्षिक रिपोट
2022–2023

टाटा स्मारक केंद्र

(परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का एक सहायता अनुदान प्राप्त संस्थान)

- टाटा स्मारक अस्पताल, मुंबई
- कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र, नवी मुंबई
- कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र, नवी मुंबई
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, विशाखापट्टनम
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल, संगरूर
- महामना पंडित मदन मोहन मालविया कैंसर केंद्र, वाराणसी
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल, वाराणसी
- डॉ. भुबनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान, गुवहाटी
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, न्यू चंडीगढ़

भारत भर में टीएमसी–डीएई कैंसर केंद्र और अस्पताल

निदेशक, टीएमसी; डॉ.आर.ए. बड़वे

निदेशक अकादमिक, टीएमसीडॉ. एस.डी. बनावली,

उप निदेशक अकादमिक, टीएमसी; डॉ.एस.एस. लसकर

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, टीएमसी, श्री.ए.एन. साठे

मुख्य अभियंता, टीएमसी; श्री. जी.एस. धनोआ

मुख्य मुख्य सुरक्षा अधिकारी, टीएमसी; श्री जॉनसन ल्यूकोस

संयुक्त नियंत्रक (वित्त एवं लेखा), टीएमसी श्री सूर्यकांत मोहपात्रा

आंतरिक वित्त सलाहकार, टीएमसी; सुश्री मीरा

***उपरोक्त दिए गए कार्मिकों के अतिरिक्त, केवल टीएमएच, एक्टरेक और सीसीई के स्थाई मेडिकल स्टाफ टीएमसी से सीधे जुड़े हैं।**

टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच), मुंबई

निदेशक, डॉ. सी.एस.प्रमेश
उप निदेशक, डॉ. एस.वी.श्रीखंडे

कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक), नवी मुंबई

निदेशक, डॉ. सुदीप गुप्ता
उप निदेशक, कैंसर अनुसंधान संस्थान, डॉ. प्रसन्नावेंकटरमन
उप निदेशक, कैंसर अनुसंधान केंद्र, डॉ.नवीन खत्री

कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई), नवी मुंबई

निदेशक, डॉ. राजेश दीक्षति
उप निदेशक, डॉ. पंकज चतुर्वेदी

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), विशाखापत्तनम

निदेशक, डॉ. उमेश एम. महंतशेट्टी
प्रभारी अधिकारी,डॉ. डीसी चौकर (टीएमएच)

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), न्यू चंडीगढ़ और होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), संगरूर

उप निदेशक, डॉ. आशीष गुलिया
प्रभारी अधिकारी, डॉ. पीएस पई (टीएमएच)

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेंटर (एमपीएमएमसीसी), वाराणसी

निदेशक, डॉ. सत्यजीत प्रधान,
उप निदेशक, डॉ. दुर्गतोष पांडे
डीन, शैक्षणिकी(एमपीएमएमसीसी और एचबीसीएच),
डॉ. शशिकांत सीयूपाटणे
प्रभारी अधिकारी,डॉ. पंकज चतुर्वेदी (सीसीई)

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), वाराणसी

निदेशक, डॉ. सत्यजीत प्रधान
उप निदेशक, डॉ. बालकृष्ण मिश्रा
प्रभारी अधिकारी, डॉ. पंकज चतुर्वेदी (सीसीई)

होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (एचबीसीएचआरसी), मुजफ्फरपुर

प्रभारी अधिकारी, डॉ. पंकज चतुर्वेदी (सीसीई)

डॉ. भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई), गुवाहाटी

निदेशक, डॉ. अमल सीच. कटकी
प्रभारी अधिकारी, डॉ सरबानी घोष-लसकर (टीएमएच)

शासी परिषद

अध्यक्ष

श्री कमलेश नीलकांत व्यास
अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग,
एवं सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग,
भारत सरकार

सदस्यगण, पदेन

श्री संजय कुमार
संयुक्त सचिव प्रशासन एवं लेखा,
परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

डॉ. आर.ए.बड़वे
निदेशक, टाटा स्मारक केंद्र,
मुंबई

सहयोजित सदस्य

श्रीमती ऋचा बागला
संयुक्त सचिव(वित्त),
परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

डॉ. स्नेहलता देशमुख
पूर्व उपकुलपति,
मुंबई विश्वविद्यालय

सदस्य

डॉ.एन.के. गांगुली
पूर्व महानिदेशक,
भारतीय वैद्यकीय अनुसंधान परिषद,
नई दिल्ली

श्री जयंत कुमार बनथिया
पूर्व-मुख्य सचिव,
महाराष्ट्र सरकार

श्री आर ए माशेलकर
सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट,
मुंबई

श्री विजय सिंह
उपाध्यक्ष, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट,
मुंबई

श्री एन श्रीनाथ
सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट,
मुंबई

स्थायी आमंत्रितगण

डॉ. एस. डी. बनावली
निदेशक, अकादमिक, टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी), मुंबई

डॉ. सी. एस. प्रमेश
निदेशक, टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच), मुंबई

डॉ. सुदीप गुप्ता
निदेशक, कैंसर के उपचार,अनुसंधान एवं शिक्षण का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक), नवी मुंबई

डॉ. राजेश दीक्षति
निदेशक, कैंसर एपिडेमियोलॉजी केंद्र (सीसीई), नवी मुंबई

डॉ. सत्यजीत प्रधान
निदेशक, महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी) एवं
होमी भाभा कैंसर अस्पताल(एचबीसीएच), वाराणसी

डॉ. अमल च. कटकी
निदेशक, डॉ.बी.बरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआय), गुवहाटी

डॉ. उमेश. एम. महंतशेट्टी
निदेशक, होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), विशाखपट्टनम

सचिव

श्री. ए. एन. साठे
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी,
टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई

टाटा स्मारक केंद्र
का
मिशन एवं विजन

मिशन

सेवा, शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के अपने मोटो के द्वारा सभी को बृहत कैंसर देखभाल प्रदान करना टाटा स्मारक केंद्र का मिशन है।

विजन

यह देश का प्रीमियर कैंसर केंद्र है और कैंसर की देखभाल के लिए राष्ट्रीय पालिसी और स्ट्राटेजी तैयार करने के लिए हम निम्न प्रकार से नेतृत्व प्रदान करेंगे :

- ऑनकोलोजी के एविडेंसबेस्डप्रेक्टीस के द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं को प्रोत्साहित करना।
- छात्र, प्रशिक्षार्थी, व्यावसायिक, कार्मिक और जनता को कैंसर संबंधी शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्दता।
- ऐसे अनुसंधान पर जोर देना जो देश की जरूरतों के अनुसार वहन करने योग्य, नव परिवर्तन युक्त और संगत हो।

विषय–सूची

भारत भर में टीएमसी-डीएई कैंसर केंद्र और अस्पताल ii

शासी परिषद iv

टीएमसी का मिशन और विजन vi

टीएमसी निदेशक का संदेश 1

प्रगतियाँ

निधि 5

घटनाएं 7

संक्षिप्तीकरण

सारांश 13

विशिष्टताएँ 24

वैज्ञानिक प्रणाली

क्लिनिकल रिसर्च सचिवालय 29

अनुसंधान प्रशासनिक परिषद 37

शैक्षणिकी

शैक्षणिकी निदेशक का संदेश 43

शैक्षणिकी 45

विश्वविद्यालय की डिग्रिया 49

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी)

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) 51

वित्तीय लेखा–परीक्षा

लेखा-विवरण 57

की गई कार्रवाई रिपोर्ट 83

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट 87

वित्त, सरलीकृत 90

निदेशक, टीएमसी का संदेश

वर्ष 2022 टाटा स्मारक अस्पताल के लिए एक सपने के साकार होने का प्रतीक है, वह सपना जो कैंसर के लिए ऐसे किफायती समाधानके लिए देखा गया था,जिसे आसानी से खोजा और आसानी से क्रियान्वित किया जा सके। वह सपना जो इस संस्थान का विजन था, और इसे पहली बार 1941 में सर रोजर लुमले और बाद में साठ के दशक की शुरुआत में भारत की तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री राजकुमारी अमृत कौर द्वारा घोषित किया गया था और फिर इसे टाटा स्मारक केंद्र की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य डॉ. वलियाथन (1996-2009) द्वारा एकमात्र अधूरे सपने के रूप में परिभाषित किया गया था। इस वर्ष टीएमसी से चार प्रैक्टिस परिवर्तन परिणाम निकले और उन्हें वैश्विक महत्व की तीन प्रमुख बैठकों ESMO, ESTRO और SABCS में प्रस्तुत किया गया।

टीएमसी द्वारा आयोजित एक बड़े यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (RCT) से ज्ञात हुआ कि सर्जरी से पहले स्तन ट्यूमर के आसपास स्थानीय एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाने से ठीक होने की दर 26% बढ़ गई। इससे वैश्विक स्तर पर सालाना 100,000 लोगों की जान बचाने की उम्मीद है (पेरिस में ESMA 2022 में डॉ. आरए बडवे द्वारा प्रस्तुत)। यह पहला अध्ययन था जिसने सर्जरी के समय की घटनाओं के महत्व को निर्णायक रूप से उजागर किया और इन घटनाओं को संशोधित करने से स्तन कैंसर के इलाज की दर में सुधार हो सकता है। इससे स्तन कैंसर से मेटास्टेस को रोकने के अवसर का पेरी-ऑपरेटिव विकल्प खुल जाता है और अन्य ठोस ट्यूमरों में भी इसकी संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं।

दूसरे अध्ययन में अत्यधिक घातक रूप के स्तन कैंसर में ठीक होने की दर और प्रतिक्रिया में सुधार करने के लिए एक सस्ती और आम तौर पर उपलब्ध दवा, कार्बोप्लाटिन का उपयोग किया गया (डॉ सुदीप गुप्ता द्वारा सैन एंटोनियो में SABCS 2022 में प्रस्तुत)। अध्ययन से पता चला कि मौतों में 26% की कमी आई है और युवा महिलाओं में मौतों में यह कमी लगभग 39% थी। इसे स्तन कैंसर के इस सबसे घातक उपसमूह में विश्व स्तर पर लागू किए जाने पर हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है।

तीसरे शोध अध्ययन और पहले बड़े यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण से पता चला कि योग ने स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में जीवन की गुणवत्ता और ठीक होने की दर में वृद्धि की: अध्ययन में जीवन की गुणवत्ता में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सुधार के साथ रोग-मुक्त जीवन रक्षा (DFS) में 15% सापेक्ष सुधार और मृत्यु में 14% की कमी पाई गई। (सैन एंटोनियो में SABCS 2022 में डॉ. नीता नायर द्वारा प्रस्तुत)।

हमारे प्रिय प्रधानमंत्री ने अगस्त 2022 में न्यू चंडीगढ़ में टीएमसी के होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र को राष्ट्र को समर्पित किया, जो पूरे भारत में कैंसर केंद्रों का समूह बनाने वाले 9 केंद्रों में से 8वां उप केंद्र है। पंजाब में यह केंद्र हब एंड स्पोक मॉडल को प्रदर्शित करता है, जिसे संसदीय समिति को प्रस्तावित किया गया था और जो केंद्र और राज्य सरकारों के बीच उत्कृष्ट सहयोग को दर्शाता है। भुवनेश्वर में कैंसर देखभाल केंद्र की योजना बनाने, निर्माण करने और संचालन के लिए नाइसरऔर ओडिशा सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। टाटा ट्रस्ट और टाटा संस 250 करोड़ रुपये की लागत से अस्पताल बनाने के लिए उदारतापूर्वक आगे आए। नाइसरऔर ओडिशा सरकार ने परियोजना के लिए बहुत तेजी से लगभग 50 एकड़ भूमि हस्तांतरित की।

इस वर्ष की गतिविधियों में रोगी देखभाल का बोलबाला रहा। टीएमसी ने भारत में अपने सभी केंद्रों पर 130,000 मरीजों की देखभाल का आंकड़ा पार कर लिया है और टीएमसी द्वारा प्रदान की जाने वाली ऑनलाइन सेकंड ओपिनियन सेवा नव्या, अपनी स्थापना के बाद से 100,000 के आंकड़े तक पहुंच गई है।

टीएमसी में छात्रों की वार्षिक संख्या बढ़ कर 1200 से अधिक हो गई है, तथा यह कैंसर देखभाल के लिए मानव संसाधन तैयार करने वाला विश्व स्तर पर सबसे बड़ा केंद्र बन गया है, जो न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया भर के लिए बहुत आवश्यक है। सामान्य कैंसर के लिए सुपर-स्पेशलिस्ट बनाने और प्रक्रियाओं (जैसे एनजीएस, नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग, सूक्ष्म-पर्यावरण आदि) में विशेषज्ञता वाले अनुसंधान बुनियादी ढांचे प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि प्रयोगशाला और क्लीनिक की पारस्परिक क्रिया पर एक विकर्ण विधि की सुविधा हो प्राप्त हो सके। इसका उद्देश्य क्लिनिक में न्यूनीकरणवादी दृष्टिकोण में तथा प्रयोगशाला में एकीकरणीय दृष्टिकोण में सामंजस्य स्थापित करना होगा। रोगी की अपेक्षाओं और दिए गए उपचार के बीच के अंतर को भरने के लिए, नेविगेटर के रूप में एक नया कार्य बल बनाया गया। उन्होंने क्लिनिक में रोगी की संतुष्टि में सुधार, जांच के लिए समय कम करने, उपचार शुरू करने और उपचार के अनुपालन में बड़ी सफलता का प्रदर्शन किया है। यह कार्यबल भारत भर के सभी टीएमसी केंद्रों और कुछ निजी केंद्रों के लिए बनाया गया है। हमने इंडोनेशिया से नेविगेटर प्रशिक्षण शुरू किया और इसे 15 अफ्रीकी देशों को प्रदान किया, जिसे 2023 में शामिल किया जाएगा।

डॉ. आर ए बडवे

प्रगति

- निधि
- घटनाएं

निधि

अप्रैल, 2012 से मार्च, 2023 तक स्वीकृत पूंजीगत परियोजनाओं, जारी अनुदान और किए गए व्यय का विवरण।

(सभी आंकड़े लाख रुपये में)

नाम	मंजूर की गई लागत	मार्च, 2023 तक जारी अनुदान	मार्च, 2023 तक किया गया कुल व्यय
पूर्ण की गई परियोजनाएं			
महिला एवं बाल कैंसर विंग	3800	3734	3731.89
राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड मेजर नोड का उन्नयन	7200	7200	7200.01
नैदानिकी एवं सेवाओं हेतु प्रगत सुविधाएं	29,755	29,755	29,725.14
कैंसर अनुसंधान एवं नाभिकीय चिकित्सा हेतु प्रगत सुविधाएं	24,960	22,180	22,179.43
वाराणसी, उत्तर प्रदेश में कैंसर अस्पताल की स्थापना	72,030	71,669.93	71,631.81
हैड्रॉन बीम थेरेपी के लिए राष्ट्रीय सुविधा	46,800	46,121	46,122.15
स्वदेशी प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचा विकास - रेडियोलॉजिकल अनुसंधान इकाई (आरआरयू)	2400	2400	2400.05
आंध्र प्रदेश में कैंसर अस्पताल की स्थापना	55,678	50,380.17	50,380.29
धर्मशाला और डॉक्टर आवासीय परिसर	8000	5814	7111.18
कुल पूर्ण परियोजनाए	**250,623.00**	**239,254.10**	**240,481.95**
टाटा स्मारक अस्पताल, मुंबई, महाराष्ट्र			
पंजाब में कैंसर अस्पताल की स्थापना	66,374	42,686.85	42,523.10
हैइन्स कैंपस, परेल, मुंबई में टीएमएच के अस्पताल भवन का निर्माण	80,000	600	567.35
स्वदेशी व्यापक उपचार योजना प्रणाली का विकास	800	500	445.38
बिहार के मुजफ्फरपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र की स्थापना	19,815	5812	5777.09
नवीनीकरण/नवीनीकरण कार्य एवं पुराने उपकरणों के प्रतिस्थापन और नवीनतम मशीनों एवं उपकरणों की खरीद के साथ सुदृढ़ीकरण	19,162	430	442.88
सहायक भवन एवं नवीनीकरण/नवीनीकरण/रेट्रोफिटिंग कार्य	13,185	133.12	102.67
टीएमएच की मौजूदा इमारतों का बुनियादी ढांचा विकास	3658	100	180.18
टीएमएच, मुंबई में चिकित्सा उपकरणों का विस्तार और उनयन	45,087	285	255.24
टीएमएच में सूचना प्रौद्योगिकी उनयन	3533	440	437.82
मुलुंड में स्टाफ क्वार्टरों का पुनर्विकास	37,013	-	-
कुल परियोजनाए – टीएमएच	**288,627.00**	**50,836.97**	**50,731.71**

नाम	मंजूर की गई लागत	मार्च, 2023 तक जारी अनुदान	मार्च, 2023 तक किया गया कुल व्यय
एक्ट्रेक खारघर, नवी मुंबई, महाराष्ट्र			
गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) ग्रेड सुविधा की स्थापना	3500	310	178.04
कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान केंद्र जैव सूचना विज्ञान और क्रॉस स्टॉक लैब	3500	410	434.07
महिलाओं एवं बच्चों तथा हेमटोलिम्फोइड यूनिट के लिए उपकरण	6000	1980	2047.20
क्षमता निर्माण एवं नवीन अत्काधुनिकअनुसंधान गतिविधिकों का विकास	5655	125	74.25
कैंसर में बुनियादी और ट्रांसलेशनल संबंधी अनुसंधान	7868	620	594.12
एक्ट्रेक में उपकरणों का संवर्द्धन एवं उन्नयन	27,501	105	104.93
एक्ट्रेक में सामान्य अवसंरचना	5857	785	828.90
एक्ट्रेक में उपकरणों और फिक्स्चर की मरम्मत और रखरखाव	3250	265.22	238.73
एक्ट्रेकमें सूचना प्रौद्योगिकी उन्नयन	1800	524	525.11
एक्ट्रेकमें पशु इमेजिंग	5355	1495	1502.09
एक्ट्रेकपरिसर, खारघर में नए आवासीय छात्रावास भवन (जी +17) स्टैंड-अलोन आरसीसी संरचना का निर्माण	8627	31	0.30
उत्तर और उत्तर-पूर्व भारत में महिलाओं में सामान्य कैंसर को नियंत्रित करने के लिए कार्यक्रम	4999	710	733
एक्ट्रेक में मल्टी लेवल कार पार्किंग	4976	-	-
कुल परियोजनाएं –एक्ट्रेक	**88,888**	**7360.22**	**7260.74**
कुल	**628,138.00**	**297,451.29**	**298,474.41**

पूंजीगत बजट (2022-2023) के लिए पऊवि से प्राप्त अनुदान 472.90 करोड़ रुपये था और आवर्ती व्यय (वेतन) के लिए 670.22 करोड़ रुपये था।

पूंजीगत मदों के लिए, 2023-2024 के लिए स्वीकृत बजट 700.50 करोड़ रुपये था। स्वीकृत आवर्ती (वेतन) व्यय बजट 640.55 करोड़ रुपये था।

इसके अलावा, महिला एवं बाल कल्याण कोष के लिए सामान्य अनुदान के रूप में 2022-23 के लिए 25 करोड़ रुपये प्राप्त हुए और 2023-24 के लिए भी इतनी ही राशि स्वीकृत की गई।

घटनाएं

माह	घटना	स्थान
जनवरी 2022	अनुसंधान सचिवालय और डीएई-क्लिनिकल ट्रायल सेंटर (सीआरएस और डीएई-सीटीसी) की स्थापना (1997) की रजत जयंती	टीएमसी-पऊवि
	कोविड प्रतिबंध जारी रहे (3 मार्च, 2022 के बाद हटा दिए गए)। अस्पताल के कई कर्मचारी और मरीज़ कोविड संक्रमण से पीड़ित थे	टीएमसी
	टीएमएच द्वारा 10 जनवरी 2022 से अपने कर्मचारियों के लिए बूस्टर कोविशील्ड टीकाकरण शुरू किया गया	टीएमएच
	उद्यमिता की भावना का जश्न मनाने और भारतीय स्टार्टअप की उपलब्धियों को बढ़ावा देने के लिए भारत के कोविड टीकाकरण की पहली वर्षगांठ (16 जनवरी, 2021) को 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' के रूप में मनाया गया।	पऊवि
	68 वर्ष पुराने परमाणु ऊर्जा विभाग ने पुस्तकों और कॉमिक्स की दुनिया में एक नई प्रकाशन परियोजना शुरू की, जिसे "न्यू एमिनेंट साइंटिस्ट सीरीज़" कहा जाता है, इसका लक्ष्य छात्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि जगाना है।	
फरवरी 2022	टीएमएच के निदेशक डॉ. सीएस प्रमेश को ग्लोबल कैंसर रिसर्च द्वारा "रेचल पियरलाइन ग्लोबल कैंसर अवार्ड-2022" प्राप्त हुआ।	टीएमएच
	टीएमएच के निदेशक डॉ. सीएस प्रमेश को इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल रिसर्च द्वारा क्लिनिकल रिसर्च (अकादमिक) के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया।	
	भारत-इज़राइल मित्रता के 30 वर्ष पूरे होने पर इज़राइल सरकार द्वारा रेडियोडायग्नोसिस विभाग को दान की गई क्रायोएब्लेशन मशीन, "ICE CURE" का उद्घाटन 16 फरवरी को मुंबई में इज़राइल के महावाणिज्य दूत श्री कोब्बी शोशानी ने भारत में इज़राइल के राजदूत श्री नाओर गिलोन उपस्थिति में किया; कार्यक्रम में महाराष्ट्र के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेश टोपे; निदेशक टीएमसीडॉ. आरए बडवे; एवं टीएमएच के निदेशक डॉ. सीएस प्रमेश उपस्थित थे।	
	महाराष्ट्र राज्य के रायगढ़ जिले के खोपोली में 18 फरवरी से प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी सर्विसेज का पहला स्क्रीनिंग कैंप।	एक्ट्रेक/ टीएमएच
	ImPaCCT फाउंडेशन ने टीएमएच, वाराणसी (5.5 करोड़) और गुवाहाटी (1.5 करोड़) में 18 वर्ष से कम उम्र के बाल कैंसर रोगियों के लिए पिछले 2 वर्षों में 75 करोड़ रुपये एकत्र किए।	टीएमसी
	20वें टीएमसी साक्ष्य-आधारित चिकित्सा (EBM) सम्मेलन के विषयों में शामिल हैं: ट्रैक 1: पुनर्निर्माण और कैंसर देखभाल "कैंसर के साथ और उससे परे गुणवत्तापूर्ण जीवन जीना" ट्रैक 2: "मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी - वर्तमान प्रैक्टिस और अंतराल को पाटना!" ट्रैक 3: फेफड़े के कैंसर का समसामयिक प्रबंधन : आशा से वास्तविकता	

माह	घटना	स्थान
	टीएमसी नैदानिक अनुसंधान सचिवालयके 25 वर्ष' को चिह्नित करने के लिए, "ऑन्कोलॉजी में अन्वेषक-आरंभिक अनुसंधान" पर मुख्य भाषण प्रोफेसर इयान टैनॉक, मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एमेरिटस प्रोफेसर, प्रिंसेस मार्गरेट कैंसर सेंटर, टोरंटो, कनाडा द्वारा दिया गया; और निदेशक टीएमसी, प्रोफेसर राजेंद्र बडवे द्वारा "टाटा स्मारक अस्पताल में नैदानिक अनुसंधान सचिवालय - 25 वर्ष की यात्रा" पर एक वार्ता प्रस्तुत की गई।	टीएमएच/ टीएमसी
	"असामान्य ट्यूमर के लिए बहुराष्ट्रीय परीक्षणों के संचालन में चुनौतियां" प्रोफेसर उटा डर्कसेन, बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजिस्ट, डुइसबर्ग-एसेन विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा अस्पताल दिवस भाषण दिया गया।	
अप्रैल 2022	स्वदेशी रूप से निर्मित फ्यूज्ड डिपोजिशन मॉडलिंग (FDM) 3डीप्रिंटर का उद्घाटन डॉ. आरए बडवे, निदेशक टीएमसी और डॉ. सुदीप गुप्ता, निदेशक एक्ट्रेक द्वारा किया गया।	एक्ट्रेक/ टीएमसी
	बीबीसीआई के निदेशक डॉ. अमल चंद्र कटकी द्वारा संपादित पुस्तक "ट्रिपल 'सी' इन कैंसर" का विमोचन 7 अप्रैल को असम के महामहिम राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखजी द्वारा किया गया। असम के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री समीर कुमार सिन्हा और श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, असम के कुलपति डॉ. ध्रुब ज्योति बोरा विशिष्ट अतिथि थे। यह पुस्तक आम जनता को कैंसर की रोकथाम, शीघ्र जांच और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के बारे में शिक्षित करने के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में प्रकाशित की गई थी।	बीबीसीआई
	न्यूज़वीक और स्टेटिस्टा द्वारा टीएमएच को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विशिष्ट ऑन्कोलॉजी अस्पताल में से एक के रूप में चुना गया।	टीएमएच
मई 2022	एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़ की बाह्य रोगी सेवाएं 3 मई, 2022 से निदेशक टीएमसी, डॉ. आरए बडवे द्वारा शुरू की गई।	एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़
	साइंस एंड सोसाइटी ओरेशन 2022 एक्ट्रेक में बीएआरसी डीएई-होमी भाभा के चेयर प्रोफेसर, पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता डॉ. आर. चिदंबरम द्वारा दिया गया।	एक्ट्रेक
	एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़ में पहली रेडियोथेरेपी सुविधाएं 1 मई से शुरू की गईं।	एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़
	ग्लोबल कैंसर कंसोर्टियम ने 'एचपीवी टीकाकरण को बढ़ाने के लिए समुदाय-आधारित बाल चिकित्सा क्लीनिकों के साथ साझेदारी' विषय पर पामेला हल की एक वार्ता आयोजित की।	टीएमसी
	भारत के उत्तर-पूर्व में पहली लाइसेंस प्राप्त एफेरेसिस सुविधा18 मई से शुरू की गई।	बीबीसीआई
जून 2022	सुश्री मीरा को टीएमसी के लिए आंतरिक वित्त सलाहकार (आईएफए) के रूप में नियुक्त किया गया।	टीएमसी
	पहली होमी भाभा वार्षिक कैंसर कांग्रेस 11-12 जून को आयोजित हुई; "व्यापक कैंसर देखभाल-चुनौतियाँ और अवसर"।	एचबीसीएचआरसी, विजाग
जुलाई 2022	रेडियोडायग्नोसिस विभाग के प्रमुख डॉ. सुयश कुलकर्णी को डॉक्टर्स दिवस पर समाज की उत्कृष्ट सेवा के लिए नाना पालकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।	टीएमएच

माह	घटना	स्थान
जुलाई 2022	एक्ट्रेक पुस्तकालय ने डॉ. इंद्रा द्विवेदी, पूर्व मुख्य वैज्ञानिक, पेटेंट इनोवेटिव प्रोटेक्शन यूनिट, सीएसआईआर, नई दिल्ली द्वारा "चिकित्सकों और विज्ञान समुदाय के लिए भारतीय संदर्भ में रोगी फाइलिंग" पर एक वार्ता का आयोजन किया।	एक्ट्रेक
	टीएमएच के निदेशक डॉ. सीएस प्रमेश ने पल्मोनरी मेडिसिन विभाग में एक नई रोगी सुविधा का उद्घाटन किया।	टीएमएच
	29 जुलाई को नेशनल कैंसर ग्रिड के आंध्र प्रदेश राज्य चैप्टर की स्थापना।	एचबीसीएचआरसी, विजाग/एनसीजी
अगस्त 2022	अगस्त महीने में ग्रीका कैंसर गिखड (एनसीजी) का एक दशक पूरा हुआ।	एनसीजी/टीएमसी/ पऊवि
	कोइता सेंटर फॉर डिजिटल ऑन्कोलॉजी (KCDO) और NCG के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।	एनसीजी
	16 अगस्त को नई बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का शिलान्यास।	बीबीसीआई
	24अगस्त,2022कोभारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने निदेशक टीएमसी, डॉ. आरए बडवे की उपस्थिति में एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़ का उद्घाटन किया।	एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़
सितंबर 2022	ग्लोबल कैंसर कंसोर्टियम रेडिएशन ऑन्कोलॉजी प्रशिक्षण संगोष्ठी "रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, रेडियोफार्मास्यूटिकल्स और थेरानोस्टिक्स - अवधारणाएं और प्रौद्योगिकी" पर आयोजित की गई।	टीएमसी
	डॉ. बडवे, सुदीप गुप्ता एवं अन्य द्वारा किए गए एक ऐतिहासिक अध्ययन से पता चला है कि स्तन सर्जरी से ठीक पहले लिडोकेन का इंजेक्शन लगाने से दोबारा बीमारी का खतरा (26%) और मृत्यु का जोखिम 29% कम हो जाता है। इसे पेरिस में ESMOS में प्रस्तुत किया गया।	टीएमएच/एक्ट्रेक
	16 सितंबर को एक कोबाल्ट- 60 HDR ब्रैकीथेरेपी मशीन कमिशन की गई।	बीबीसीआई
अक्टूबर 2022	बीबीसीआई के निदेशक ए.सी. कटकी द्वारा लिखित एक पुस्तक, "साइलेंट कंटेम्पलेशन.... अवेकनिंग द इनर प्रोटेगोनिस्ट" का विमोचन असम और नागालैंड के माननीय राज्यपाल प्रो.जगदीश मुखी द्वारा किया गया।	बीबीसीआई
	बीबीसीआई के निदेशक ए.सी. कटकी की पुस्तक "साइलेंट कंटेम्पलेशन....अवेकनिंग द इनर प्रोटेगोनिस्ट"14 अक्टूबर 2022 को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को भेंट की गई।	
नवंबर 2022	बीबीसीआई के निदेशक, डॉ. अमल चंद्र कटकी और देब्रता बर्मन द्वारा संपादित पुस्तक, फंडामेंट्स इन गायनोकोलॉजिकल मैलिग्नेंसी बाय स्प्रिंगर, नवंबर 2023 में जारी की गई।	बीबीसीआई
	टीएमसी के निदेशक डॉ. आरए बडवे ने 'पुरानी मेटास्टैटिक बीमारी को रोकने के लिए तीव्र पेरी-ऑपरेटिव हस्तक्षेप' विषय पर BASO वार्षिक सम्मेलन में एक ऐतिहासिक मुख्य भाषण दिया।	टीएमसी
	डॉ. आरए बडवे को हेल्थकेयर प्रैक्टिसेज में उत्कृऽता के लिए राऽ्रीय राजनेता के रूप में किम्प्रो प्लैटिनम स्टैंडर्ड 2022 (हेल्थकेयर) पुरस्कार प्रदान किया गया।	

माह	घटना	स्थान
नवंबर 2022	बीबीसीआई केवर्ष भर चलने वाले स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत बीबीसीआई के निदेशक डॉ. एसी कटकी द्वारा संपादित पुस्तक "प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिस ऑफ कॉमन कैंसर" का विमोचन बीएआरसी के निदेशक डॉ. अजीत कुमार मोहंती द्वारा किया गया।	बीबीसीआई
	21 छात्रों के पहले बैच के साथ नवंबर 2022 से एक वर्षीय 'कैंसर रोगी नेविगेशन (सीपीएन) इंडोनेशिया' प्रशिक्षण कार्यक्रम (अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम) की शुरुआत।	टीएमसी / नेविगेटर
डिसेंबर 2022	डॉ. आरए बडवे, सुदीप गुप्ता और अन्य द्वारा यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण में दिखाया गया है कि आम तौर पर उपलब्ध और सस्ती दवा, कार्बोप्लाटिन, ने खास कर युवा महिलाओं में बहुत आक्रामक प्रकार के स्तन कैंसर, जिसे ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर कहा जाता है, के इलाज की दर और उत्तरजीविता में वृद्धि की है। इस अध्ययन के नतीजे आने तक, इस बात का कोई निर्णायक प्रमाण नहीं था कि इस बीमारी के इलाज के हिस्से के रूप में इस दवा का नियमित रूप से उपयोग किया जाना चाहिए।	टीएमसी/ एक्ट्रेक
	टाटा स्मारक अस्पताल के एक नए अध्ययन के अनुसार, स्तन कैंसर के रोगियों के इलाज में योग को शामिल करना अत्यधिक फायदेमंद था, जिसमें योग के हस्तक्षेप के बाद रोग-मुक्त उत्तरजीविता में 15% और समग्र उत्तरजीविता में 14% सुधार पाया गया।	टीएमएच
	रेडियोडायग्नोसिस (टीएमएच) विभाग में नई बोन मिनरल डेंसिटोमेट्रिक सुविधा का उद्घाटन NIIF इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड के सीईओ श्री शिव राजारमन ने डॉ. आरए बडवे, निदेशक टीएमसी की उपस्थिति में किया।	
	कंट्रास्ट एन्हांस्ड डिजिटल मैमोग्राफी (CEDM) गाइडेड वैक्यूम-असिस्टेड ब्रेस्ट बायोप्सी भारत में पहली बार 30 दिसंबर, 2022 से शुरू की गई।	

संक्षिप्तिकरण

- सारांश
- विशिष्टताए

सारांश

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी), मुंबई परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के तहत एक सहायता प्राप्त संस्थान है। इस केंद्र के अधीन भारत भर में कई हब-एन-स्पोक कैंसर अस्पताल और केंद्र हैं, जैसेः मुंबई में टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच); और नवी मुंबई में कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक), कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई); विशाखापत्तनम में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी); पंजाब में होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच)-संगरूर और होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी)-न्यू चंडीगढ़; वाराणसी में होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच) और महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमएपीएमएमसीसी); और, गुवाहाटी में डॉ. भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई)। बिहार के मुज़फ़्फ़रपुर में होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (एचबीसीएसचआरसी) जो अभी आरंभ नहीं हुआ है, श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) की सुविधाओं का उपयोग करते हुए, प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी और आउट पेशेंट क्लिनिक के रूप में काम कर रहा था। भारत के सभी समर्पित कैंसर अस्पतालों में से उपरोक्त संस्थानों योगदान लगभग 20% है। टीएमसी की अधिकांश अनुसंधान गतिविधियाँ एक्ट्रेक में और कैंसर महामारी विज्ञान अध्ययन सीसीईमें की गईं।

वर्ष का मुख्य आकर्षण 24 अगस्त, 2022 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा न्यू चंडीगढ़ में होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी) का उद्घाटन था।

सभी अस्पतालों ने मरीजों को केंद्र और स्थानीय राज्य सरकार की स्वास्थ्य सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया; इसके लिए पंजाब और गुवाहाटी के अस्पतालों की सराहना की गई।

वर्ष 2022 में कोविड महामारी में कमी देखी गई जिसके परिणामस्वरूप अस्पतालों के कार्यभार में वृद्धि हुई। महामारी के दौरान, सभी अस्पतालों ने सभी रोगियों को पूर्ण कैंसर प्रबंधन प्रदान किया गया, चाहे उनकी कोविड स्थिति कुछ भी हो। हालाँकि कई कर्मचारी और कैंसर रोगी कोविड संक्रमण से पीड़ित थे, लेकिन कैंसर रोगियों में केवल आठ मौतें हुईं; सभी स्टाफ सदस्य पूरी तरह ठीक हो गए।

पूरे भारत में सभी टीएमसी अस्पतालों में बिस्तरों की कुल संख्या 1980 थी।

नए रोगियों की संख्या बढ़कर 128476 हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16% अधिक है। चिकित्सीय सेवाओं की संख्या में वृद्धि देखी गईः विकिरण चिकित्सा में 19%, डे-केयर कीमोथेरेपी में 21% और सर्जिकल प्रक्रियाओं में 56% की वृद्धि हुई। निदान सेवाओं में 23% और प्रयोगशाला जांच में 68% की वृद्धि हुई।

सभी कैंसर केंद्रों पर सामान्य एवं निजी रोगियों की श्रेणी के अनुपात 60:40 का पालन किया गया और सभी श्रेणियों के रोगियों के लिए रियायती दर पर दवा उपलब्ध कराई गईं। जांच और उपचार शुल्क भी उनके निवास स्थान के बराबर थे।

टीएमसी में कर्मचारियों की संख्या लगभग 4200 थी और पुरुष एवं महिला अनुपात 52:48 था। आरक्षित वर्ग में लगभग 22% कर्मचारी थे, जिनमें से अधिकांश अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति से थे। चौबीस (24) दिव्यांग कर्मचारी थे।

सूचना का अधिकार

वर्ष 2022 में, दो सौ उन्नीस (219) सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन दायर किए गए; जिनमें से एक सौ सत्तावन (157) आरटीआई आवेदन आवेदकों द्वारा संतोषजनक पाए गए।

पचास (50) आवेदकों ने प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) के समक्ष अपील (प्रथम अपील) प्रस्तुत की। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के सामने कुल आठ (8) मामलों की सुनवाई (द्वितीय अपील) में भाग लिया गया। बारह (12) आवेदन मूल्यांकन की प्रक्रिया में थे।

प्रगति

- एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़ 24 अगस्त, 2022 को कमिशन हुआ।
- वाराणसी में एचबीसीएच और एमपीएमएमसीसी पूरी तरह कार्यात्मक थे और अपनी इष्टतम क्षमता और कार्यक्षमता पर संचालित थे (>22000 नए मरीज़; >4000 सर्जरी; >3000 रेडियोथेरेपी; 30 अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण)
- मुजफ्फरपुर, बिहार की जनसंख्या-आधारित कैंसर रजिस्ट्री की प्रथम वर्ष की रिपोर्ट प्रकाशित की गई (मुजफ्फरपुर राज्य, भारत में कैंसर की घटना और मृत्यु दर: 2018)
- पूरे भारत में लगभग 300 केंद्रों के साथ एनसीजी सबसे बड़ा कैंसर नेटवर्क था।
- नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी) का आंध्र प्रदेश राज्य चैप्टर 29 जुलाई, 2022 को स्थापित किया गया था।
- सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी तरह की पहली सुविधा, नवी मुंबई में एक्ट्रेक में नवीनतम हैड्रॉन (प्रोटॉन) बीम थेरेपी सुविधा सितंबर 2023 तक आरंभ होने वाली है।
- एक्ट्रेकमें हेमटोलिम्फोइड महिला एवं बाल कैंसर (HWCC) भवन और रेडियोलॉजिकल रिसर्च यूनिट (RRU) की भौतिक संरचना पूरी हो गई थी और जल्द ही आरंभ होने वाली थी।
- टीएमएचहाफकिनपरिसर में नई धर्मशाला और आवासीय डॉक्टरों के क्वार्टर कार्यात्मक थे।
- टीएमएचहाफकिनपरिसर में नया प्लेटिनम जुबली ब्लॉक निर्माणाधीन था।
- टीएमसी ने टीएमसी-नव्या के माध्यम से ऑनलाइन सेवाएं प्रदान कीं जिसका लाभ 75 देशों के लगभग 100,000 रोगियों ने उठाया।
- महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खोपोली में ग्रामीण निवारक ऑन्कोलॉजी सेवाएं शुरू हुईं।

आंध्र प्रदेश

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी) 2 जून 2014 को विशाखापत्तनम के अगनमपुडी में लगभग 70 एकड़ के विशाल परिसर में शुरू किया गया।

चिकित्सा और बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी सहित निम्नलिखित बाह्य रोगी सेवाएंअर्थात स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, सिर और गर्दन ऑन्कोलॉजी, हड्डी और नरम ऊतक, विकिरण ऑन्कोलॉजी, कैथेटर क्लिनिक सेवाएं, प्रशामक देखभाल, नैदानिक सेवाएं, डे केयर सेवाएं, रोकथाम और स्क्रीनिंग, फिजियोथेरेपी, दंत चिकित्सा सेवाएं और पोषण संबंधी सेवाएं चालू और पूरी तरह कार्यात्मक थीं।

आंध्र प्रदेश राज्य की डॉ. वाईएसआर आरोग्यश्री योजना और ओडिशा राज्य के लिए बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बीएसकेवाई) सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत मरीजों के लिए रियायती सेवाएं संबंधित मूल निवासियों हेतु उपलब्ध थीं। एचबीसीएचआरसी और आंध्र प्रदेश राज्य के स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीपीआरएफ), नौसेना और डॉक यार्ड कर्मियों के लिए ऑन्कोलॉजिकल सेवाओं का विस्तार करने का प्रस्ताव चल रहा था।

नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी) का आंध्र प्रदेश राज्य चैप्टर 29 जुलाई, 2022 को एचबीसीएचआरसी में स्थापित किया गया।

वर्ष में कई सार्वजनिक और स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए जिनमें सामुदायिक जांच शिविर और तंबाकू सेवन के खिलाफ अभियान शामिल थे।

4 फरवरी, 2022 को अस्पताल स्थापना दिवस समारोह के दौरान, विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रकाश केएच, मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), विशाखापत्तनम स्टील प्लांट जनरल हॉस्पिटल ने एचबीसीएचआरसी के पूर्व निदेशक डॉ. रघुनाधराव दिगुमर्ती को उनके अथक समर्पण और एचबीसीएचआरसी की स्थापना और कमीशनिंग के लिए अंतहीन प्रयासों के लिए सम्मानित किया।

असम

डॉ. भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई) ने 18 नवंबर, 2022 को संचालन के 50 वर्ष पूरे किए। वर्ष 2022 में इसकी स्वर्ण जयंती के अवसर पर कई समारोह आयोजित किए गए।

डॉ. बी बरूआ कैंसर संस्थान लगातार दो वर्षों तक असम राज्य में अटल अमृत अभियान और पीएम-जेएवाई योजना के कार्यान्वयन में शीर्ष स्थान पर रहा। ऑन्कोलॉजी सेवाओं के लिए PM-JAY योजना के कार्यान्वयन में यह संस्थान देश में तीसरे स्थान पर है।

उत्तर पूर्व भारत में किसी सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पताल में पहली बार, 18 मई को बीबीसीआई में एक लाइसेंस प्राप्त एफेरेसिस सुविधा शुरू की गई थी। बीबीसीआई में एक नई चार-बेड वाली बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट की आधारशिला 16 अगस्त, 2022 को रखी गई थी। नया 2022 में शुरू की गई सुविधाओं में लिक्विड आधारित साइटोलॉजी, एलोजेनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट और ईजीएफआर म्यूटेशन परीक्षण सुविधा शामिल हैं।

डॉ. बी बरूआ कैंसर संस्थान में कोबाल्ट-60 आधारित एचडीआर ब्रैकीथेरेपी यूनिट का उद्घाटन 16 सितंबर, 2022 को किया गया।

बीबीसीआई के आधिकारिक प्रकाशन, एनल्स ऑफ ऑन्कोलॉजी रिसर्च एंड थेरेपी ने अब तक मार्च 2022 में एक पूरक अंक के साथ चार पूर्ण अंक प्रकाशित किए हैं। पूरक अंक में 2022 में आयोजित टाटा स्मारक अस्पताल के साक्ष्य आधारित चिकित्सा सम्मेलन के सार प्रकाशित किए गए हैं। कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में बीबीसीआई के चालीस शोध पत्रों को प्रकाशित किया गया था। तीन पाठ्यपुस्तकें भी प्रकाशित की गईं।

बीबीसीआई के निदेशक ए.सी. कटकी द्वारा लिखित एक पुस्तक, "सायलेंट कंटेम्पलेशन..अवेकनिंग द इनर प्रोटागोनिस्ट" 14 अक्टूबर 2022 को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को भेंट की गई।

बिहार

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), बिहार में मुजफ्फरपुर, भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत टीएमसी का नौवां अस्पताल था। यह फरवरी 2021 से नैदानिक देखभाल सेवाओं के लिए चालू था।

क्लिनिकल देखभाल सेवाएं श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच), मुजफ्फरपुर के सहयोग से शुरू की गईं।

ओपीडी, डे केयर, 100 बिस्तरों वाले वार्ड और प्रशासनिक कार्यालयों के संचालन के लिए मॉड्यूलर आधारित संरचना और उपकरण सीएसआर फंडिंग द्वारा प्रदान किए गए थे।

कुल 3669 मरीजों का पंजीकरण किया गया। 13500 से अधिक रोगियों को कीमोथेरेपी दी गई और 600 से अधिक मेजर सर्जरी की गईं।

अस्पताल सेवा के अलावा, बिहार राज्य के 38 जिलों में कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम चलाए गए।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र राज्य में तीन कैंसर केंद्रों में शामिल हैं; मुंबई में टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच), और नवी मुंबई में कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई)। इनमें से सीसीई में मरीजों का इलाज नहीं होता है।

टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच)

अस्पताल में नए मरीज़ों के पंजीकरण में 13% से अधिक की वृद्धि देखी गई और 10,000 से अधिक मरीज़ों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। 4000 से अधिक रोगियों द्वारा टेली-परामर्श सुविधाओं का उपयोग किया गया। सर्जिकल प्रक्रियाओं में 90इ से अधिक और विकिरण चिकित्सा में 40इ से अधिक की वृद्धि हुई। ओपीडी में मरीजों की संख्या प्रतिदिन 2200 से अधिक हो गई है।

लगभग 6000 रोगियों ने सरकारी अनुदानित स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठाया।

वर्ष की शुरुआत में कोविड के दोबारा फैलने के डर के कारण, अस्पताल दिवस समारोह स्थगित कर दिया गया और वार्षिक साक्ष्य-आधारित चिकित्सा सम्मेलन ऑनलाइन आयोजित किया गया।

हाफकिन के परिसर में नई धर्मशाला और डॉक्टरों के आवासीय क्वार्टर कार्यात्मक थे। प्लेटिनम जुबली ब्लॉक निर्माणाधीन था।

14 फरवरी को महाराष्ट्र राज्य के रायगढ़ जिले के खोपोली में निवारक ऑन्कोलॉजी के लिए ग्रामीण सेवाएं शुरू की गईं।

कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक)

नैदानिक अनुसंधान केंद्र, कैंसर अनुसंधान संस्थान एवं कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र ने नवी मुंबई के खारघर में टाटा स्मारक केंद्र के कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) का गठन किया। एक्ट्रेक के चिकित्सक और वैज्ञानिक कई बुनियादी, व्यावहारिक, ट्रांसलेशनल और नैदानिक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध थे।

शीघ्र निदान प्राप्त करने और कैंसर रोगियों उत्तरजीविता में सुधार के प्रयासों के साथ कैंसर की व्यापक समझ के लिए प्रयास किया गया।

सॉलिड ट्यूमर ब्लॉक को 2022 में कुल 270 बेड के साथ आरंभ किया गया जिसमें 40 आईसीयू और रिकवरी बेड, 72 डे-केयर बेड, 6 कैजुअल्टी बेड और 4 बीएमटी बेड शामिल थे। एक नए बाल चिकित्सा हेमटोलिम्फोइड कैंसर केंद्र के लिए शिलान्यास समारोह फरवरी में आयोजित किया गया।

एक्ट्रेक में 2022 में रोगी पंजीकरण में उल्लेखनीय और लगातार वृद्धि देखी गई। 2022 में एक्ट्रेक में कुल नए पंजीकरण 2747, टीएमएच से 21066 स्थानांतरण मामले और निदान और विशेषज्ञ राय आवश्यकताओं के लिए1330 रेफरल थे।

560 नए रोगियों द्वारा डे-केयर सेवाओं का उपयोग किया गया। 2022 में, 14 ऑपरेशन थिएटरों में 2890 (बड़ी) और 1327 (छोटी) सर्जरी की गईं। एक्ट्रेकमें नए उन्नत नैदानिक परीक्षण अर्थात माइक्रोबायोलॉजी में 1 परीक्षण, कैंसर साइटोजेनेटिक्स में 13 FISH परीक्षण, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स प्रयोगशालाओं के तहत 5 परीक्षण, और ट्रांसफ्यूजन दवा के तहत 1 परीक्षणशुरू किए गए।

कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई)

सीसीई ने कैंसर की रोकथाम/जल्दी पता लगाने के लिए भार, जीवन शैली और आनुवंशिक जोखिम कारकों की स्क्रीनिंग रणनीतियों की पहचान करने हेतु सामुदायिक स्तर पर अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया। केंद्र ने महामारी विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम और महामारी विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य में एमएससी पाठ्यक्रम संचालित किया। केंद्र ने कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों (आईआईटी, आईआईपीएस) के साथ सहयोग स्थापित किया। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए केंद्र को सात विभागों/प्रभागों में संगठित किया गया थाः निवारक ऑन्कोलॉजी, मेडिकल रिकॉर्ड और कैंसर रजिस्ट्री, अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री और कैंसर देखभाल के पैटर्न, आणविक महामारी विज्ञान और जनसंख्या आनुवंशिकी, विशेष जनसंख्या के लिए कैंसर निगरानी (सीएसएसपी), कारणों को मजबूत करने के लिए इकाई मृत्यु डेटा (यूएससीओडी), और सभी परियोजनाओं के लिए किफायती कैंसर देखभाल तक पहुंच।

पंजाब

पंजाब राज्य के दो कैंसर अस्पतालों में शामिल हैंः संगरूर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच) और न्यू चंडीगढ़ में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी)।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), संगरूरः

एचबीसीएच स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, पंजाब सरकार और टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई के बीच एक संयुक्त पहल थी। इस सुविधा को ऑन्कोलॉजी केंद्र के रूप में डिजाइन किया गया था और यह मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर राज्यों के रोगियों को सेवा प्रदान करता है। अस्पताल को 20 जनवरी, 2015 को 30 बिस्तरों वाली कैंसर देखभाल सुविधा के साथ चालू किया गया था और 12 नवंबर, 2022 को इसे 100 बिस्तरों वाली सुविधा में अपग्रेड किया गया। 2022 तक 35000 से अधिक रोगियों का इलाज किया गया था।

अस्पताल विकिरण, सर्जिकल और कीमोथेरेपी के साथ कैंसर रोगियों के इलाज के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित था। रोगी सूचना प्रणाली के पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत होने के कारण, उनके प्रबंधन के मानकीकरण से रोगियों का कीमती समय बचाया गया और साथ ही कागज के उपयोग को कम करके पर्यावरण का भी ख्याल रखा गया।

विभिन्न कार्यात्मक विभागों में एनेस्थीसिया, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, रेडियोलॉजी, नर्सिंग, ऑन्को-फिजियोथेरेपी, डायटेटिक्स और न्यूट्रिशन शामिल हैं।

सहायक विभागों में फार्मेसी और डिस्पेंसरी, सीएसएसडी, हाउसकीपिंग, सुरक्षा, मानव संसाधन विकास, प्रशासन, शैक्षणिक, लेखा, क्रय एवं भंडार, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी शामिल थे।

पिछले सात वर्षों के दौरान परिसर का क्षेत्रफल 50,000 से बढ़कर लगभग 90,000 वर्ग फुट हो गया है।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), न्यू चंडीगढ़ः

एचबीसीएचआरसी का उद्घाटन 24 अगस्त, 2022 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। कैंसर रोगियों के इलाज के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं मौजूद थीं।

दिसंबर 2022 तक अस्पताल में 1500 से अधिक नए मरीज पंजीकृत हुए। 1300 से अधिक रोगियों को कीमोथेरेपी दी गई और लगभग साठ (60) सर्जिकल प्रक्रियाएं की गईं। 300 से अधिक रोगियों को विकिरण चिकित्सा की पेशकश की गई।

उत्तर प्रदेश

वाराणसी शहर के दो कैंसर अस्पतालों में होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच) शामिल है जो मई 2018 से प्रचालनरत था और, महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी) जिसका उद्घाटन 19 फरवरी, 2019 को किया गया था। होमी भाभा कैंसर अस्पताल और महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसरकेंद्र में बिस्तरों की संख्या क्रमशः 179 और 352 थी। एमपीएमएमसीसी और एचबीसीएच ने 2022 में कोविड-19 संक्रमण को रोकने के लिए अपने प्रयास जारी रखे। दोनों अस्पतालों ने न केवल अपने कर्मचारियों बल्कि वाराणसी के स्थानीय लोगों को भी कोविड-19 टीके उपलब्ध कराए। "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाने के लिए, एमपीएमएमसीसी और एचबीसीएच में डीएई आइकॉनिक वीक का आयोजन किया गया। इस दौरान एक स्कूल जागरूकता कार्यक्रम, वाराणसी में विभिन्न संगठनों के साथ तंबाकू विरोधी अभियान, विकिरण सुरक्षा और संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम, एंटीबायोटिक के दुरुपयोग और संक्रमण नियंत्रण और व्यक्तिगत स्वच्छता की सर्वोत्तम प्रथाओं पर जन जागरूकता कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया।

वर्ष 2022 में, अस्पतालों ने 22,007 नए रोगी पंजीकरण हुए और 18756 रोगी भर्ती हुए। 12,000 से अधिक बड़ी और छोटी सर्जरी की गईं। अन्य विभागों में भी 4000 से अधिक रेडियोथेरेपी, 80,000 से अधिक कीमोथेरेपी, 60000 से अधिक रेडियोलॉजिकल जांच और 3 लाख से अधिक प्रयोगशाला जांच के साथ मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी गई। मेगा कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसमें वाराणसी जिले के बड़ागांव, सेवापुरी, हरहुआ और काशी विद्यापीठ ब्लॉकों में स्तन, मौखिक और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए 65,000 से अधिक महिलाओं की जांच की गई।

10,000 से अधिक रोगियों ने विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य रियायती योजनाओं का लाभ उठाया।

शैक्षणिक सत्र 2021-22 से रेडिएशन ऑन्कोलॉजी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में राष्ट्रीय स्तर पर अनुमति प्राप्त मेडिकल स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम शुरू किए गए। शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में मेडिकल ऑन्कोलॉजी, ऑन्को-पैथोलॉजी और एनेस्थिसियोलॉजी में समान नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए।

रोगी देखभाल, व्यावसायिक शिक्षा, नैदानिक अनुसंधान और सामुदायिक हितों में उच्च वैज्ञानिक और नैतिक मानकों को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप देने और निर्दिष्ट करने के लिए संस्थागत नैतिकता समिति (आईईसी) 2019 से कार्यात्मक थी।

नैदानिक अनुसंधान सचिवालय (सीआरएस) ने डेटा के संग्रह, रखरखाव, गुणवत्ता नियंत्रण और विश्लेषण से लेकर संस्थान और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण संभावित परीक्षणों के डिजाइन और निष्पादन तक सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश की।

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी)

एनसीजी, जो अब एक दशक पुराना हो गया है, की स्थापना 2012 में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के बीच कैंसर देखभाल में असमानताओं को कम करने और कैंसर देखभाल की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में इसकी सदस्यता बढ़कर 2022 में लगभग 300 हो गई। नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी) प्रमुख कैंसर केंद्रों का एक नेटवर्क था।

भारत भर में अनुसंधान संस्थानों का अधिदेश रोगी समूह और धर्मार्थ संस्थान कैंसर की रोकथाम, निदान और उपचार के लिए रोगी देखभाल के समान मानक स्थापित करने, ऑन्कोलॉजी में विशेष प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करने और कैंसर में सहयोगात्मक बुनियादी, ट्रांसलेशनल और नैदानिक अनुसंधान की सुविधा प्रदान करना हैं। एनसीजी ने कैंसर देखभाल के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण लागू किया, जिसमें भाग लेने वाले संस्थानों ने कैंसर रोगियों की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए विशेषज्ञता, संसाधन और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। एनसीजी ने स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण और शिक्षा भी प्रदान की, अनुसंधान किया और भारत में कैंसर नियंत्रण का समर्थन करने वाली नीतियों और पहलों का समर्थन किया।

लागत प्रभावी उपचार विकसित करने के उद्देश्य से भारत के लिए प्रासंगिक कैंसर पर सहयोगात्मक बहुकेंद्रित अनुसंधान अध्ययनों को आगे बढ़ाने के लिए एक नई एनसीजी राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान पहल का गठन किया गया था।

अगस्त 2022 में, ऑन्कोलॉजिस्ट और कैंसर रोगियों को लाभ पहुंचाने के लिए कृत्रिम मेधा आदि जैसे नए डिजिटल स्वास्थ्य उपकरण अपनाने के लिए एनसीजी और कोइटा सेंटर फॉर डिजिटल ऑन्कोलॉजी (केडीसीओ) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

एनसीजी ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के साथ भी साझेदारी की, जिसने योजना के तहत साक्ष्य-आधारित कैंसर देखभाल और तर्कसंगत टैरिफ पैकेज सुनिश्चित किया।

एनसीजी एक महत्वपूर्ण पहल थी जो भारत में लाखों लोगों के लिए कैंसर देखभाल और परिणामों में संभावित रूप से सुधार करेगी।

शैक्षणिक

पहली होमी भाभा वार्षिक कैंसर कांग्रेस (एचएसीसी-01) 11-12 जून, 2022 को 2022 की थीम "व्यापक कैंसर देखभाल- चुनौतियां और अवसरह्न के साथ एचबीसीएचआरसी, विशाखापत्तनम में आयोजित की गई थी।

एक सौ बयासी (182) छात्रों ने विभिन्न मेडिकल और ऑन्कोलॉजिकल विषयों में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की।

स्टाफ सदस्यों ने 1100 से अधिक प्रकाशनों में योगदान दिया जिसमें दस पुस्तकें और 75 से अधिक पुस्तक-अध्याय शामिल थे।

बीबीसीआई, गुवाहाटी के निदेशक डॉ. अमल चंद्र कटकी द्वारा तीन चिकित्सा पाठ्यपुस्तकों का संपादन किया गया:

- कैंसर में ट्रिपल 'C'
- स्प्रिंगर द्वारा स्त्री रोग संबंधी दुर्दमता में बुनियादी बातें
- सामान्य कैंसर के सिद्धांत और प्रैक्टिस।

बीसवां वार्षिक साक्ष्य आधारित चिकित्सा सम्मेलन कोविड की स्थिति को देखते हुए वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया। इसके विषयों में पुनर्निर्माण और कैंसर देखभाल, मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी और फेफड़ों के कैंसर का समकालीन प्रबंधन शामिल थे।

अस्पताल दिवस भाषण जर्मनी के प्रोफेसर उटा डर्कसन द्वारा "असामान्य ट्रैक के लिए बहुराष्ट्रीय परीक्षणों के संचालन में चुनौतियां" विषय पर दिया गया था। इस अवसर पर तीन ईबीएम ई-पुस्तकों का विमोचन किया गया।

टीएमसी का तीसरा अंतरराष्ट्रीय पीयर रिव्यू जनवरी 2023 से शुरू होने वाला था।

अनुसंधान

वर्ष 2022 में, नैदानिक अनुसंधान सचिवालय (CRS) ने अपनी स्वर्ण जयंती मनाई। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, टोरंटो, कनाडा के एमेरिटस प्रोफेसर प्रोफेसर इयान टैनॉक द्वारा "ऑन्कोलॉजी में अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए अनुसंधान" पर एक मुख्य भाषण दिया गया था। टीएमसी के निदेशक डॉ. आरए बडवे ने "टाटा स्मारक अस्पताल में नैदानिक सचिवालय - एक 25 साल की यात्रा" पर भाषण भी दिया।

300 से अधिक नई अनुसंधान परियोजनाएँ और 1000 से अधिक वैज्ञानिक प्रकाशन थे। दस पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित हुईं और 75 से अधिक पुस्तक अध्यायों का योगदान दिया गया।

अधिकांश प्रयोगशाला, पशु और नैदानिक अनुसंधान अध्ययन एक्ट्रेकमें आयोजित किए गए थे।

वर्ष 2022 में, चार सौ तीस (430) अनुसंधान परियोजनाएँ जारी थीं; जिनमें से एक सौ तिहत्तर (173) एचबीएनआई के स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों द्वारा लिखे गए शोध प्रबंध थे। टीएमसी ने पऊवि से उपलब्ध अनुदान के माध्यम से 50% से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की।

अभिनव मार्ग (नये अवसर)

- टीएमसी द्वारा आयोजित बिग रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल (आरसीटी) ने सिद्ध किया कि सर्जरी से पहले स्तन ट्यूमर

के आसपास स्थानीय एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाने से इलाज की दर 26इ बढ़ जाती है। इससे वैश्विक स्तर पर सालाना 100,000 लोगों की जान बचाने की उम्मीद थी (ईएसएमए 2022 में डॉ. आरए बडवे, सुदीप गुप्ता और अन्य द्वारा प्रस्तुत)

- बड़े यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण (आरसीटी) ने सिद्ध किया कि एक सस्ती और आम तौर पर उपलब्ध दवा, कार्बोप्लाटिन, स्तन कैंसर के अत्यधिक घातक रूप में इलाज की दर और प्रतिक्रिया में सुधार करती है (एसएबीसीएस 2022 में डॉ. आरए बडवे, सुदीप गुप्ता और अन्य द्वारा प्रस्तुत)
- बड़े यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण ने सिद्ध किया कि योग स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में जीवन की गुणवत्ता और इलाज की दर को बढ़ाता हैः टाटा स्मारक अस्पताल द्वारा एक नया अध्ययन, जिसमें रोग-मुक्त जीवन रक्षा (डीएफएस) में 15% और 14% सापेक्ष सुधार पाया गया। योग हस्तक्षेप के बाद समग्र जीवन रक्षा (ओएस) (नायर एनएस, एवं अन्य)
- एक्ट्रेकमें एक फ़्यूज्ड डिपोज़िशन मॉडलिंग (एफडीएम) 3D प्रिंटर स्वदेशी रूप से बनाया गया।
- नवंबर 2022 से एक वर्षीय 'कैंसर रोगी नेविगेशन (सीपीएन) इंडोनेशिया के प्रशिक्षण कार्यक्रम (अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम) की शुरुआत (21 छात्र नामांकित)।
- भारत में पहली बार, कंट्रास्ट एन्हांस्ड डिजिटल मैमोग्राफी (सीईडीएम)-निर्देशित वैक्यूम असिस्टेड-ब्रेस्ट बायोप्सी टाटा मेमोरियल अस्पताल में शुरू की गई।
- टाटा स्मारक अस्पताल में कैंसर के इलाज के लिए क्रायोएब्लेशन सुविधा शुरू की गई।
- टाटा स्मारक अस्पताल में नई बोन मिनरल डेंसिटोमेट्रिक सुविधा शुरू की गई।

पुरस्कार एवं मान्यताएँ

- क़िमप्रो प्लेटिनम स्टैंडर्ड 2022 (हेल्थकेयर) पुरस्कार 19 नवंबर को हेल्थकेयर प्रैक्टिसेज में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय राजनेता के रूप में डॉ. आरए बडवे को प्रदान किया गया।
- डॉ. सीएस प्रमेश, निदेशक टीएमएच को ग्लोबल कैंसर रिसर्च द्वारा "2022 राचेल पियरलाइन ग्लोबल कैंसर अवार्ड" प्रदान किया गया।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल रिसर्च द्वारा टीएमएच के निदेशक डॉ. सीएस प्रमेश को नैदानिक अनुसंधान (अकादमिक) के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया।
- डॉक्टर सुयश कुलकर्णी को डॉक्टर्स डे पर समाज की उत्कृष्ट सेवा के लिए नाना पालकर पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- न्यूजवीक और स्टेटिस्टा द्वारा टाटा मेमोरियल अस्पताल को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विशिष्ट ऑन्कोलॉजी अस्पताल में से एक के रूप में चुना गया।
- एक्ट्रेकके डॉ. अमित दत्त को DST-2022 द्वारा भारत के शीर्ष 75 वैज्ञानिकों में शामिल किया गया।

लेखा परीक्षा एवं रिपोर्ट

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) ने अपने लेखा परीक्षित लेखा विवरण और लेखा परीक्षक रिपोर्ट (2022-2023) प्रस्तुत की। अधिकारियों ने वार्षिक लेखा पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में किसी गंभीर अनियमितता की सूचना नहीं दी।

वर्ष 2021-22 के लिए टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) का कार्यनिष्पादन प्रस्तुत किया गया और इसे संतोषजनक पाया गया; सरकार भी इससे सहमत थी।

भविष्य की योजनाएं

1. मुख्य टीएमएच अस्पताल भवन का नवीनीकरण
2. बीबीसीआई, गुवाहाटी के परिसर के भीतर 150 बिस्तरों वाला एक व्यापक बाल चिकित्सा और हेमटोलिम्फोइड कैंसर केंद्र
3. समग्र बिस्तर की क्षमता को 3000 से अधिक तक बढ़ाना
4. एक्ट्रेक में अतिरिक्त विस्तार सुविधाओं को आरंभ करना
5. एक्ट्रेक में नया जीव विज्ञान एवं उभरता चिकित्सा केंद्र
6. एक्ट्रेक में स्वदेशी औषधीय पादप अनुसंधान सुविधा की स्थापना
7. एक्ट्रेक में मल्टी-आयन मेडिकल एक्सेलेरेटर परियोजना की स्थापना।

विशिष्टता

कैंसर केंद्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विजाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
रोगी पंजीकरण							
चार्ट फाइल (1)	42169	2747	3786	5652	20259	11804	86417
रैफरल्स (2)	17224	1330	1465	1127	949	282	22377
नैदानिक ऑन्कोलॉजी (3)	16860	-	951	832	799	240	19682
कुल पंजीकृत रोगी (1+2+3)	76253	4077	6202	7611	22007	12326	128476
ऑनलाइन पंजीकरण	10094	22	-	6966	70	-	17152
टेली परामर्श	4289	-	-	0	01	116	4406
अंतः रोगी सेवाएं							
बिस्तरों की संख्या	639	300	136	102	542	261	1980
भर्तियों की संख्या	28,610	7603	3152	4424	18756	8328	70873
सर्जीकल ऑन्कोलॉजी							
बडे ऑपरेशन	8643	2890	909	1245	4430	2247	20364
छोटे ऑपरेशन	49341	1327	577	912	7864	1125	61146
मेडिकल ऑन्कोलॉजी							
डे केयर : सामान्य	131098	26316	9530	17504	66697	20462	271607
डे केयर : प्राइवेट	38241	4272	1328	591	14133	3557	62122

कैंसर केंद्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विजाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
विकिरण ऑन्कोलॉजी							
बाह्य बीम थैरेपी	7007	1133	1154	1063	2098	1574	14029
बैकीथैरेपी	2572	119	145	400	563	219	4018
उपचार योजना	30379	1550	762	1209	3843	1279	39022
इमेजिंग सेवाएं							
परंपरागत रेडियोग्राफी	57871	5119	2255	3212	16314	10698	95469
मैमोग्राफी	15623	2494	2503	2103	3135	747	26605
अल्ट्रासाउंड	50828	4958	4564	5834	15252	4549	85985
सीटी स्कैन	67279	10073	4613	8488	26707	9549	126709
एमआरआई स्कैन	19199	4679	1201	1990	9050	01	36120
इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी	5903	1858	1620	766	5757	411	16315
नाभिकीय चिकित्सा							
पीटी-सीटी स्कैन	23185	3872	986	83	8371	01	36498
स्पेक्ट-सीटी स्कैन	5706	-	20	-	2732	-	8458
स्पेक्ट-स्कैन	-	-	-	-	-	1123	1123
सामान्य चिकित्सा							
इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी	43242	4602	1185	1894	14854	6894	72671
ईको कार्डियोग्राफी	11210	2924	249	-	9781	-	24164
पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट	3016	110	-	-	333	-	3459
प्रयोगशाला निदान							
हिस्टोपैथोलॉजी	227441	101492	9428	8379	32464	20498	399702
जैव रसासन विज्ञान	4826494	665082	163135	594916	1822184	804288	8876099

कैंसर केंद्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विजाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
सायटोपैथोलॉजी	18837	525	1970	1724	4540	2761	30357
आणविक पैथोलॉजी	7938	-	-	206	574	164	8882
सूक्ष्म जीवविज्ञान	233370	27525	12980	18551	83172	27655	403253
बैक्टिरियोलॉजी	50828	10867	1580	598	16482	2388	82743
मायको बैक्टिरियोलॉजी	6921	82	34	35	442	19	7533
मायकोलॉजी	3693	174	19	03	371	05	4265
सीरोलॉजी	146222	13215	10217	17877	59927	25191	272649
नैदानिक सूक्ष्म जीवविज्ञान	17125	3187	432	14	4343	01	25102
आणविक सूक्ष्म जीवविज्ञान	8581	-	698	24	1607	51	10961
हेमेटोपैथोलॉजी	498442	71541	24821	52707	197723	62011	907245
सायटोजैनेटिक्स	-	8729	-	-	2325	53	11107
फ्लो सायटोमीट्री एवं आणविक हेमेटोलॉजी							
बोन मैरो एस्पिरेशन मोर्फोलॉजी	-	6154	209	53	1688	520	8624
फ्लो सायटोमीट्रिक इम्यूनोफेनोटाइपिंग	-	7366	-	-	2058	188	9612
आणविक हेमेटोलॉजी	-	10838	-	-	1859	153	12850
ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन (HLA) प्रयोगशाला							
एचएलए टाइपिंग	-	6108	-	-	242	-	6350
एंटिबोडी स्क्रीनिंग	-	197	-	-	-	-	197
ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा							
एकत्रित रक्त यूनिट	24596	3568	-	-	10749	8747	47660
प्लेटलेट फेरेसिस	4770	1314	-	-	2891	162	9137
प्रयोगशाला जांच	106854	28482	-	404	78885	37152	251777
तैयार किए गए रक्त घटक	59681	5220	-	-	30467	25860	121228
विशेष प्रक्रियाएं	39660	5425	-	-	9072	04	54161

कैंसर केंद्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विजाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
शिक्षण							
परास्नातक (पीजी) छात्र प्रवेश	404	25	-	04	22	30	485
पीएचडी अवार्ड/पीजी	161	13	-	0	18	08	200
शोध प्रोफाइल							
नई शोध परियोजनाएं	192	66	15	19	68	69	429
प्रकाशित शोध पत्र	683	304	32	15	07	67	1108
कॉन्फ्रेंस	62	48	10	02	03	08	133
डिस्पेंसरी बिक्री							
दवाइयों का मूल्य (लाख में)	31324	5042	1397	1842	13282	2600.77	55487.77

वैज्ञानिक प्रणाली

- क्लिनिकल रिसर्च सचिवालय
- अनुसंधान प्रशासनिक परिषद

नैदानिक अनुसंधान सचिवालय एवं परमाणु ऊर्जा विभाग–नैदानिक परीक्षण केंद्र

नैदानिक अनुसंधान सचिवालय (सीआरएस) ने परमाणु ऊर्जा विभाग क्लिनिकल ट्रायल सेंटर (डीएई-सीटीसी) के साथ मिलकर 1997 में अपनी स्थापना के बाद से टाटा स्मारक केंद्र में ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीआरएस के अधिदेश में नैदानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना, शोधकर्ताओं और अनुसंधान कर्मचारियों का प्रशिक्षण और शिक्षा, नैदानिक ? ?परीक्षणों के वैज्ञानिक और नैतिक आचरण को सुनिश्चित करना और पूरे देश में साक्ष्य-आधारित चिकित्सा के अभ्यास का प्रसार करनाशामिल था। वर्ष 2022 में, प्रत्येक क्षेत्र में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

नैदानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना

1. बुनियादी ढांचे का विस्तार:

- एक्ट्रेक और सीसीई के वरिष्ठ बायोस्टैटिस्टिक्स द्वारा समर्थित 2 इन-हाउस सांख्यिकीविदों के साथ सीआरएस में एक समर्पित केंद्रीय बायोस्टैटिस्टिक्स सेल बनाया गया था।

- **सेंट्रल रिसर्च फार्मेसी:** यह न्यू ड्रग्स एंड क्लिनिकल ट्रायल (एनडीसीटी) रूल्स 2019 (इन्वेस्टिगेटिव प्रोडक्ट मैनेजमेंट) और हार्मोनाइजेशन-गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICH-GCP)-E6 के अनुसार आवश्यक तापमान पर परीक्षण दवाओं के भंडारण के लिए एक नियंत्रित पहुंच सुविधा थी। फार्मेसी में एक समर्पित अनुसंधान फार्मासिस्ट के साथ-साथ दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी भी थे जो अनुसंधान फार्मेसी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों की निगरानी और सहायता प्रदान करते थे। तापमान विचलन के लिए स्वचालित अलार्म प्रणाली वाले वॉक-इन कूलर में सभी परीक्षण दवाएं संग्रहीत थीं। अनुसंधान फार्मासिस्ट ने सुनिश्चित किया कि जांच उत्पादों (आईपी) को उचित तापमान पर संग्रहीत किया गया था, इन्वेंट्री और तापमान लॉग रखे गए थे, निगरानी में सहायता की गई, और उपकरण अंशांकन बनाए रखा गया। सीआरएस फार्मेसी सॉफ्टवेयर में आईपी वितरण और आवक रिकॉर्ड बनाए रखा गया था।

  फार्मेसी ने कोरोनोवायरस रोग (COVID) वैक्सीन शीशियों के भंडारण और निवारक ऑन्कोलॉजी विभाग को कोविड वैक्सीन शीशियों के वितरण में भी सहायता की। सभी आवश्यक लॉग रखे गए थे, और, भंडारण बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) मानदंडों और नियमों के अनुसार रखा गया। कर्मचारियों को उचित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

  *उपयोग की गई कोविड टीकाकरण (सरकारी) शीशियों की संख्या 772 थी

  *कोविड टीकाकरण (निजी) उपयोग की गई शीशियाँ: 508

वर्ष 2022 में सीआरएसफार्मेसी द्वारा किया गया कार्य

सीआरएस फार्मेसी में जारी कुल परियोजनाएं	52 (फार्मा अध्ययन 42, तथा संस्थागत अध्ययन 10)
कक्ष तापमान में IP's की संख्या	32 अध्ययनों की 49 ड्रग
वॉक-इन कूलन में IP's की संख्या	32 अध्ययनों की 46 ड्रग
निगरानी दौरे	44
IPs की आवक	460 बार
वितरित IPs	2034 बार
सीआरएस फार्मेसी सॉफ्टवेयर प्रविष्टियां	2364

- फाइलिंग भंडारण स्थानः आईसीएच-जीसीपी के अनुपालन में सभी नैदानिक परीक्षण रिकॉर्ड को संग्रहीत करने के लिए दो फाइलिंग भंडारण स्थान थे। इन समर्पित भंडारण स्थानों में केवल अधिकृत परीक्षण कर्मियों तक ही नियंत्रित पहुंच थी।

- निगरानी कक्षः सीआरएस के पास दो समर्पित एवं सुसज्जित परीक्षण निगरानी कक्ष बने रहे। अस्पताल के भीतर अलग-अलग स्थानों पर स्थित दो निगरानी कक्ष नैदानिक परीक्षणों के प्रायोजकों और जांचकर्ताओं के बीच निगरानी दौरों और बातचीत की सुविधा प्रदान करते हैं।

- सहमति कक्षः सहमति की सुविधा के लिए हाल ही में समर्पित रोगी ऑडियो वीडियो सहमति कक्ष बहुत मददगार रहा।

- सीआरएस हबः परीक्षण समन्वयकों एवं राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड और जैव प्रौद्योगिकी औद्योगिक अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के कर्मचारियों के लिए डेस्क स्थान और ढांचागत सहायता प्रदान की गई।

- डेटा सेफ्टी मॉनिटरिंग यूनिट (DSMU) हबः छह पूरी तरह सुसज्जित वर्कस्टेशन के साथ विस्तारित DSMU टीम के लिए वर्ष 2022 में एक नया हब बनाया गया जो क्लिनिकल ट्रायल ऑडिट और मॉनिटरिंग के लिए एक सुरक्षित और नियंत्रित पहुंच स्थान प्रदान करता था।

2. क्लिनिकल परीक्षणों के लिए सांख्यिकीय समर्थन:

सीआरएस के सांख्यिकीविदों ने नैदानिक शोधकर्ताओं को परीक्षण डिजाइन करने, नमूना आकार गणना, यादृच्छिककरण सूची निर्माण और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञ सहायता प्रदान की। सीआरएस ने अनुरोध पर सभी जांचकर्ताओं को सामाजिक विज्ञान सॉफ्टवेयर का सांख्यिकीय पैकेज (एसपीएसएस) संस्करण 25.0+ प्रदान किया। यह सारा कार्य केंद्रीय बायोस्टैटिस्टिक्स सेल द्वारा संचालित और समन्वित किया गया था।

वर्ष 2022 में, 633 नैदानिक परीक्षणों/परियोजनाओं को सांख्यिकीय सहायता प्रदान की गई:

- सांख्यिकीय विश्लेषण = 271
- परीक्षणों का केंद्रीय यादृच्छिकीकरण=67
- नमूना आकार/सांख्यिकीय विश्लेषण योजना/डिज़ाइन = 96
- इलेक्ट्रॉनिक केस रिपोर्ट फॉर्म
  (ई-सीआरएफ) रिसर्च इलेक्ट्रॉनिक डेटा कैप्चर (REDCap) = 03 पर उत्पन्न हुआ।

व्याख्यान और वेबिनार – सीआरएस में सांख्यिकीविदों द्वारा आयोजित किए गए

- व्यावसायिक थैरेपी छात्रों के लिए एसपीएसएस और सांख्यिकी पर व्याख्यान और प्रयोग
- एमएससी नर्सिंग छात्रों के लिए एसपीएसएस और सांख्यिकी पर व्याख्यान और प्रयोग।
- बायोस्टैटिस्टिक्स में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों के लिए कैंसर क्लिनिकल परीक्षणों में प्रगत सांख्यिकी और प्रगत सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पर व्याख्यान और प्रयोग
- सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण करने, नैदानिक परीक्षणों/अध्ययनों को डिजाइन करने, नमूना आकार का अनुमान लगाने, यादृच्छिकीकरण अनुसूची बनाने, नैदानिक शोधकर्ताओं को सांख्यिकीय परामर्श प्रदान करने, जैव सांख्यिकी में अनुसंधान करने पर स्नातकोत्तर बायोस्टैटिस्टिक्स छात्र को प्रशिक्षण देना
- इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टैटिस्टिक्स इन क्लिनिकल ट्रायल द्वारा कार्यशाला सम्मेलन "लेट्स शाइन द डैशबोर्ड" में भागीदारी
- बायोस्टैटिस्टिक्स कंसोर्टियम इंडिया द्वारा चिकित्सा अनुसंधान में नमूना आकार निर्धारण पर 4 दिवसीय वेबिनार में भागीदारी
- बीआईआरएसी-सीटीएन बायोस्टैटिस्टिक्स मॉड्यूल के लिए बायोस्टैटिस्टिशियंस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में भागीदारी की।
- बीआईआरएसी- क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क (CTN) बायोस्टैटिस्टिक्स मॉड्यूल के लिए मल्टी आर्म मल्टी स्टेज (MAMS) क्लिनिकल परीक्षण के लिए नमूना आकार के अनुमान पर व्याख्यान आयोजित किया गया।
- बीआईआरएसी-सीटीएन बायोस्टैटिस्टिक्स मॉड्यूल के लिए क्रॉस सेक्शनल डिज़ाइन के विकास और नमूना आकार अनुमान पर व्याख्यान आयोजित किया गया
- अनुरोध के अनुसार एइएए डेटा बनाने, REDCap पर eCRF उत्पन्न करने में CRC को प्रशिक्षण देना।

3. क्लिनिकल परीक्षण के लिए वित्तीय सहायता:

डीएई-सीटीसी के माध्यम से कुल 16 इंट्राम्यूरल परीक्षणों (चालू और नए) को सहयोग प्रदान किया गया और कुल 133,21,270/- रुपये वित्तीय अनुदान के रूप में प्रदान किए गए। इन वर्षों में, पऊवि सीटीसी समर्थित कई अध्ययनों के कारण प्रमुख पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण प्रकाशन हुए और इसके परिणामस्वरूप प्रैक्टिस-परिवर्तन भी हुए।

4. क्लिनिकल परीक्षणों के लिए सूचित सहमति प्रपत्रों (स्थानीय/स्थानीय भाषाओं) के लिए अनुवाद सुविधाएं:

एक समर्पित अनुवादक ने लगातार बढ़ते अनुवाद कार्य में सहयोग किया। अनुवादक ने मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में सूचित सहमति अनुवाद और बैक अनुवाद में नैदानिक शोधकर्ताओं को विशेषज्ञ सहायता प्रदान की। कुल 76 नैदानिक परीक्षण सहमति प्रपत्रों का हिंदी और मराठी भाषाओं में अनुवाद किया गया।

5. नेटवर्क और डेटाबेस प्रशासक:

सीआरएस के पास एक समर्पित नेटवर्क प्रशासक था जो क्लिनिकल परीक्षण अनुप्रयोगों में नई सुविधाओं के डिजाइन, विकास और परीक्षण के लिए जिम्मेदार था। इसमें शामिल है:

- C# विज़ुअल स्टूडियो 2017 का उपयोग करके सॉफ़्टवेयर परियोजनाओं का डिज़ाइन और कार्यान्वयन।
- नैदानिक परीक्षण डेटा प्रबंधन के लिए Redcap® सॉफ़्टवेयर की स्थापना और अनुरक्षण।
- अंतिम उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के आधार पर डेटाबेस प्रणाली को डिज़ाइन करना, निर्माण करना और कार्यान्वित करना।
- नई डेटाबेस तालिकाएँ विकसित करना और SQL सर्वर 2012 में प्रक्रियाएँ बनाना।
- सम्मिलित, अद्यतन और हटाए गए कार्यों का ट्रैक रखना। आगे के विश्लेषण के लिए रिकॉर्ड्स को एक क्लिक पर सीधे SQL डेटाबेस से एक्सेल प्रारूप में सहेजा जाता है।
- उपयोगकर्ता द्वारा सॉफ़्टवेयर आवश्यकताओं को एकत्रित करना और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार एप्लिकेशन विकसित करना।
- नैदानिक परीक्षण अनुप्रयोगों में नई सुविधाओं की डिजाइनिंग, विकास और परीक्षण।

6. सम्मेलनों और बैठकों में सहयोग:

वर्ष 2022 के लिए कुल 17 सम्मेलनों और बैठकों में सहयोग किया गया। इसके अलावा, सीआरएस ने कई अन्य बैठकों और आयोजनों के लिए तार्किक और सलाहकार इनपुट प्रदान किए। महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएमसी) के सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) / सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) क्रेडिट पॉइंट के आवेदन और सबमिशन का लाभ उठाते समय अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई।

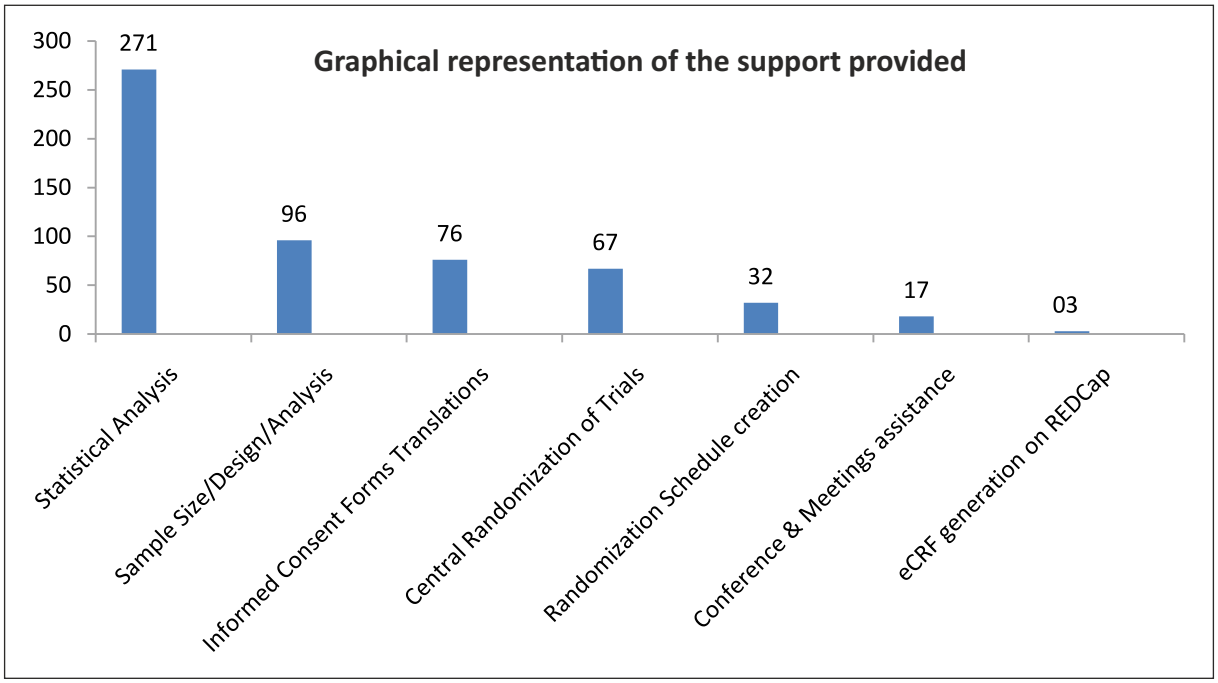

7. मानक संचालन प्रक्रिया:

सीआरएस अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए, फार्मा प्रायोजित, सहयोगात्मक बहुकेंद्रीय अध्ययन (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय) और स्नातकोत्तर छात्रों की थीसिस सहित कई परीक्षणों के संचालन को सुविधाजनक बनाने में शामिल था।

टीएमसी में अनुसंधान करने के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) डिजाइन की गई। एसओपी को टीएमसी में नैदानिक अध्ययन/अनुसंधान आयोजित करने के लिए समान मानक, गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए डिज़ाइन किया गया था।

एसओपी के मुख्य तत्व थे: प्रोटोकॉल व्यवहार्यता का आकलन, प्रायोजकों या अनुबंध अनुसंधान संगठन (सीआरओ) के साथ नैदानिक परीक्षण समझौता, आईईसी के साथ बातचीत, अध्ययन/अनुसंधान टीम की जिम्मेदारियां, प्रायोजक या सीआरओ के साथ संचार, साइट की शुरुआत, सक्रियण, आचरण और समापन, सूचित सहमति फॉर्म की समीक्षा करना और प्राप्त करना, अध्ययन विषयों की भर्ती, स्रोत दस्तावेज़ीकरण, जांच उत्पाद का प्रबंधन, आवश्यक दस्तावेजों का संग्रह, सुरक्षा रिपोर्टिंग, नैदानिक अनुसंधान फार्मेसी प्रबंधन, जैविक नमूनों का प्रबंधन, प्रतिपूर्ति नीतियां, अध्ययन दल प्रशिक्षण, और, अध्ययन सौंपना और टीएमएच और एक्ट्रेक के बीच रोगियों का स्थानांतरण।

एसओपी को संस्थागत दिशानिर्देशों, अद्यतन लागू राष्ट्रीय दिशानिर्देशों और विनियमों (जैसे एनडीसीटी नियम 2019, भारतीय जीसीपी, आईसीएमआर दिशानिर्देश, आईसीएच जीसीपी) के अनुसार अनुसंधान के निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

नैदानिक परीक्षण नियमों और विनियमों में वर्तमान परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने और वर्तमान प्रथाओं को परिष्कृत करने के लिए सभी एसओपी को 2022 में अपडेट किया गया था। टीएमसी की अनुसंधान टीम को एसओपी प्रशिक्षण एवं

शिक्षा दी गई। प्रत्येक अनुसंधान कर्मचारी को प्रशिक्षित किया जाना और उन्हें अनुसंधान करने से पहले टीएमसी एसओपी के बारे में ज्ञात होना अनिवार्य था।

सीआरएस सांख्यिकीय समर्थन के लिए एसओपी भी विकसित कर रहा था। इससे टीएमसी में सांख्यिकीय सेवाओं को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

शोधकर्ताओं का प्रशिक्षण और शिक्षा

1. 23 और 30 अप्रैल, 2022 को आईसीएच-जीसीपी सिद्धांतों पर टीएमसी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए गुड **क्लिनिकल प्रैक्टिस कार्यशाला** का आयोजन किया गया था। उन्नत जीसीपी पाठ्यक्रम मॉड्यूल में 277 प्रतिभागियों ने भाग लिया और बेसिक जीसीपी पाठ्यक्रम में 215 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह पाठ्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया गया।

2. परीक्षण डिजाइन और विश्लेषण के विभिन्न पहलुओं पर शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए अक्टूबर-नवंबर 2022 में पिछले लगातार 4 शनिवारों को **क्लिनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी कार्यशाला** का आयोजन वर्चुअल प्रारूप में किया गया था। सम्मेलन में कुल 436 प्रतिनिधियों (स्थानीय और राष्ट्रीय) ने भाग लिया। यह पाठ्यक्रम भी प्रतिवर्ष आयोजित किया गया।

3. **एमएससी. नैदानिक अनुसंधान:**

सीआरएस एम.एससी क्लिनिकल अनुसंधान पाठ्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल था। वर्तमान में कुल 40 विद्यार्थी थे। अपने पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में बीस (20) छात्र और 40 छात्र एमएससी सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद विभिन्न रोग प्रबंधन समूहों में इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। इस पाठ्यक्रम के छात्रों की सहायता के लिए दो सीआरसी नैदानिक परीक्षण समन्वयक समर्पित थे।

- सीआरएस ने इस कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित सहायता प्रदान की:
- प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार का समन्वय करना
- व्याख्यान और अध्ययन सामग्री का समन्वय करना
- व्याख्यानों का प्रबंधन करना, परीक्षाओं की निगरानी करना
- व्याख्यान आयोजित करने के लिए आमंत्रित संकायों को मानदेय भुगतान का प्रबंधन करना
- लघु पुस्तकालय का प्रबंधन एवं अध्ययन पुस्तकों की व्यवस्था करना
- व्यापक प्रशिक्षण के लिए विभिन्न बाहरी पोस्टिंग के माध्यम से रोटेशन
- छुट्टी और उपस्थिति रिकॉर्ड का अनुरक्षण।

साक्ष्य आधारित प्रबंधन (ईबीएम) बैठक–2022

सीआरएस/डीएई-सीटीसी का महत्वपूर्ण उद्देश्य विशेष रूप से ऑन्कोलॉजी में साक्ष्य आधारित चिकित्सा प्रैक्टिस का प्रचार-प्रसार करना और बढ़ावा देना था। इस संबंध में 2003 से साक्ष्य आधारित प्रबंधन बैठकें शुरू की गईं।

कोविड महामारी के कारण, ईबीएम-2022 को 8 दिनों अर्थात 17-19 फरवरी और 24-27 फरवरी, 2022 तक ऑनलाइन प्रारूप में आयोजित किया गया।

ईबीएमवेबसाइट: पहली बार, ईबीएम-2022 वेबसाइट इन-हाउस विकसित की गई थी। वेबसाइट में प्रत्येक सम्मेलन ट्रैक विवरण, नियमित रूप से अद्यतन कार्यक्रम अनुसूची, सारांश प्रस्तुतीकरण पोर्टल और पंजीकरण पृष्ठ थे।

ईबीएम ने तीन प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित किया:

1. पुनर्निर्माण और कैंसर देखभाल: कैंसर के साथ और उससे परे जीवन स्तर में सुधार करना
2. मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी: वर्तमान प्रैक्टिस और अंतराल को पाटना
3. फेफड़े के कैंसर का समसामयिक प्रबंधन: आशा से वास्तविकता।

ईबीएमकार्यशालाओं में शामिल हैं:

10-10 लोगों की सीमित उपस्थिति और सभी कोविड सावधानियों का पालन करते हुए दो व्यावहारिक कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। ये निम्नवत थीं:

ए. मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी में उन्नत इमेजिंग और हस्तक्षेप

बी. माइक्रोवास्कुलर प्रशिक्षण और कपलर एनास्टोमोसिस

इनके समानांतर आयोजित दो प्री-कॉन्फ्रेंस वर्चुअल कार्यशालाएं थीं:

सी. फेफड़ों के कैंसर में जेरियाट्रिक्स ऑन्कोलॉजी

डी. फेफड़ों के कैंसर में उन्नत आणविक निदान।

प्रोफेसर उटा डर्कसेन (प्रोफेसर, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, डुइसबर्ग विश्वविद्यालय-एसेन, जर्मनी) द्वारा "असामान्य ट्रैक के लिए बहुराष्ट्रीय परीक्षणों के संचालन में चुनौतियां" विषय पर वर्चुअलअस्पताल दिवस भाषण दिया गया। इस व्याख्यान में एक अद्वितीय और प्रासंगिक विषय को कवर किया गया जिसके लिए सभी ने इसकी सराहना की।

नैदानिक अनुसंधान सचिवालय के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एक पूर्ण सत्र भी आयोजित किया गया। इस पूर्ण सत्र के अंतर्गत, प्रोफेसर इयान एफ. टैनॉक (मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एमेरिटस प्रोफेसर, प्रिंसेस मार्गरेट कैंसर सेंटर, टोरंटो,

कनाडा) द्वारा 'ऑन्कोलॉजी में अन्वेषक द्वारा आरंभ किए गए अनुसंधान' पर एक मुख्य भाषण दिया गया। इसके उपरांत डॉ. आरए बडवे (प्रोफेसर सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, निदेशक, टाटा स्मारक केंद्र) द्वारा 'टीएमएच में नैदानिक अनुसंधान निदेशालय : 25वर्ष की यात्रा' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

ईबीएम-2022 बैठक अत्यंत सफल रहीजिसमें 1400 प्रतिभागियों ने भाग लिया,जिनमें अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संकाय, पंजीकृत प्रतिनिधि और टीएमसी सलाहकार, निवासी और कर्मचारी शामिल थे।

बैठक के दौरान तीन ईबीएम ई-पुस्तकें जारी की गईं (टीएमएच वेबसाइट पर मुफ्त डाउनलोड के लिए उपलब्ध):

(भाग ए) - फेफड़ों के कैंसर के समकालीन प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश

(भाग बी) - कैंसर पुनर्निर्माण सर्जरी के लिए दिशानिर्देश

(भाग सी) - मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी।

ये पुस्तकें टीएमएच वेबसाइट पर मुफ्त डाउनलोड के लिए उपलब्ध थीं।

ईबीएम-2022 में सारांशः इस वर्ष पहली बार, ईबीएम-2022 के प्रत्येक ट्रैक के लिए सारांश आमंत्रित किए गए थे। शीर्ष 6 सारांश को मौखिक "सर्वश्रेष्ठ सारांश सत्र" में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था और प्रत्येक ट्रैक से सर्वश्रेष्ठ सारांश को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया था। शेष सारांश ई-पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किये गये। सभी सारांश "एनल्स ऑफ ऑन्कोलॉजी रिसर्च एंड थेरेपी" के एक विशेष पूरक में प्रकाशित किए गए थे जो ऑनलाइन उपलब्ध था।

टीएमसी अनुसंधान प्रशासनिक परिषद (TRAC)

TRAC का गठन वर्ष 2008 में किया गया था और इसे टीएमसी में बुनियादी, ट्रांसलेशनल और नैदानिक अनुसंधान के सभी प्रशासनिक पहलुओं की देखरेख और सुधार करने का व्यापक अधिकार दिया गया था।

निम्नलिखित क्षेत्रों पर विशेष ध्यानगया:

- मानव अनुसंधान संरक्षण कार्यक्रम की स्थापना एवं उसका कार्यान्वयन
- संस्थान के आदेश के अनुसार अनुसंधान के लिए दिशा-निर्देश, प्राथमिकताएं और महत्वपूर्ण क्षेत्र निर्धारित करना
- टीएमसी और अन्य भारतीय या अंतरराष्ट्रीय संस्थानों, समूहों, व्यक्तियों या उद्योग के बीच सहयोग के लिए प्रस्तावों का सुझाव देना और समीक्षा करना। आवश्यकता पड़ने पर इस सहयोग के लिए टीएमसी के भीतर संभावित प्रधान और सह-जांचकर्ताओं के नाम सुझाना
- प्रायोजित अनुसंधान के लिए पूर्व-प्रस्तावों की समीक्षा करना और टीएमसी के भीतर संभावित प्रधान और सह-जांचकर्ताओं के नाम सुझाना
- टीएमसी में जांचकर्ताओं द्वारा शुरू किए गए और प्रायोजित अनुसंधान के लिए अस्पताल सेवाओं, प्रयोगशाला और प्रशासनिक कार्यों पर किए गए व्यय और आय की समीक्षा करना।

नीतिगत निर्णय:

- विदेशों के साथ अनुसंधान सहयोग के लिए सुरक्षा/ संवेदनशीलता मंजूरी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)।
- फार्मास्युटिकल प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अभिलेखीय शुल्क
- आईईसी-I, आईईसी-II, और आईईसी-III का पुनर्गठन
- जांचकर्ता के लिए नियामक अध्ययन शुरू करने के लिए SUGAM पोर्टल पर प्रायोजक कारण मूल्यांकन और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया।

गतिविधियाँ:

1. वाराणसी, संगरूर और विजाग में टीएमसी के नव-स्थापित सैटेलाइट केंद्रों पर संस्थागत आचार समितियों को प्रशासनिक सहायता
2. संगरूर में स्थापित अनुसंधान इकाई की समीक्षा 14-17 मार्च, 2022 को सुश्री रोहिणी हवलदार और सुश्री अभिज्ञान देसाई द्वारा की गई थी। जांचकर्ताओं को संस्थान के पूर्ण किए गए शोध अध्ययनों और नैदानिक प्रैक्टिस में इसके महत्व से

अवगत कराया गया। यह संगरूर में उभरते जांचकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए था। जांचकर्ताओं के सामान्य प्रश्नों को हल करने के लिए सलाहकारों के साथ खुली चर्चा की व्यवस्था की गई और अनुसंधान की योजना बनाने और उसके निष्पादन के लिए TRAC का सहयोग उपयोगी था।

3. आईईसीपोर्टल - जांचकर्ताओं और आईईसी सदस्यों के लिए अनुसंधान परियोजनाओं की ऑनलाइन प्रोसेसिंग एमपीएमएमसी और एचबीएच वाराणसी में जारी की गई।

4. जुलाई 2022 में एचबीसीएच विजाग में आईईसीकी ऑनलाइन ऑडिट की गई।

5. बीबीसीआई, गुवाहाटी में आईईसी ने टीएमसी के एसओपी को अपनाया; 9-12 नवंबर, 2022 को सुश्री रोहिणी हवलदार और सुश्री अभिदन्या देसाई द्वारा व्यक्तिगत रूप से एक ऑडिट संचालित की गई।

6. टीआरएसी ने ज़ूम बैठकों के माध्यम से इन केंद्रों के जांचकर्ताओं और आईईसी सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए व्याख्यान आयोजित किए हैं:

दिनांक	शीर्षक
मार्च 26	टीएमएच और वाराणसी में आचार समिति के सदस्यों के लिए अच्छी नैदानिक प्रैक्टिस (जीसीपी) पाठ्यक्रम
अप्रैल 2223	टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) अनुसंधान प्रशासन परिषद, मुंबई द्वारा क्लिनिकल डेवलपमेंट सर्विसेज एजेंसी, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के साथ 'क्लिनिकल रिसर्च डिजाइन, अवधारणा और आचरण' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

7. TRAC ने टीएमएच, एक्ट्रेक, एमपीएमएमसीसी और एचबीसीएच, वाराणसी, एचबीसीएच, विजाग और एचबीसीएच, संगरूर में अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण के अनुरोधों की समीक्षा करना जारी रखा और TRAC समिति के निर्णय के अनुसार अनुसंधान अनुदान प्रदान किया गया।

8. TRAC ने डीएसएमयूके लिए एक उप-इकाई की स्थापना की जिसने डीएसएमयूसदस्यों को जारीअनुसंधान अध्ययनों की निगरानी करने में सहायता की। उप इकाई में एक मेडिकल मॉनिटर, दो सीनियर रिसर्च फेलो और दो जूनियर रिसर्च फेलो थे। सबयूनिट जनवरी 2022 से कार्य कर रही थी। इस इकाई की गतिविधियों को नवंबर 2022 की TRAC बैठक में प्रस्तुत किया गया था। इस इकाई के संतोषजनक परिणाम को देखते हुए, समिति ने एक्ट्रेकमें स्थापित करने के लिए एक समान इकाई को मंजूरी दे दी।

प्रस्तुतियाँ:

टीएमएच के ब्रेस्ट डीएमजी ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में तीन प्रमुख अध्ययनों के परिणाम प्रस्तुत किए। अध्ययन को डीएई-सीटीसी और पऊवि पूंजीगत बजट से उदार समर्थन प्राप्त हुआ।

अध्ययन के परिणामों की घोषणा सितंबर और दिसंबर 2022 में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस द्वारा की गई। विवरण इस प्रकार हैं-

1. परियोजना संख्या 902

   शीर्षकः ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर में सर्जरी के दौरान वोल्टेज गेटेड सोडियम चैनलों के ब्लॉकेड का आकलन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ञ्उएण् अध्ययन)।

   सोमवार, 12 सितंबर, 2022 को डॉ. आरए बडवे द्वारा मौखिक प्रस्तुति।

   कॉन्फ्रेंसः यूरोपियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल ऑन्कोलॉजी (ऐंश्ध्) कांग्रेस, पेरिस, फ्रांस

   20 सितंबर, 2022 को टीएमसी में डॉ. आरए बडवे द्वारा प्रस्तुत किया गया।

2. परियोजना संख्या 656

   शीर्षकः ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर वाली महिलाओं में नियोएडजुवेंट साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल बनाम साप्ताहिकपैक्लिटैक्सेल प्लस वीकली कार्बोप्लाटिन का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

   डॉ. सुदीप गुप्ता द्वारा 6 दिसंबर, 2022 को मौखिक प्रस्तुति

   कॉन्फ्रेंसः सैन एंटोनियो स्तन कैंसर संगोष्ठी 2022

   टीएमसी में 5 जनवरी, 2023 कोडॉ. सुदीप गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया।

3. परियोजना संख्या 735

   शीर्षकः स्तन कैंसर का इलाज करा रही महिलाओं में एक पूरक चिकित्सा के रूप में योग की भूमिकाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

   6 दिसंबर, 2022 कोडॉ. नीता एस. नायर द्वारा स्पॉट लाइट पोस्टर चर्चा प्रस्तुति

   कॉन्फ्रेंसः सैन एंटोनियो स्तन कैंसर संगोष्ठी-2022

प्रकाशनः

शोध अध्ययन के सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में लगभग 13 प्रकाशनों को संस्थागत अनुदान के माध्यम से समर्थन दिया गया।

भविष्य के लक्ष्यः

- अनुसंधान परियोजनाओं के जीवन चक्र के लिए आईआरबी पोर्टल का चरण-III
- एक्ट्रेकमें डीएसएमयू-उप इकाई का विस्तार
- टीएमसी के सभी सैटेलाइटकेंद्रों पर ऑनलाइन परियोजना प्रस्तुत करने के लिए आईआरबी पोर्टल लागू करना

- अनुसंधान परियोजनाओं के लिए गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम
- संस्थागत निधियों द्वारा समर्थित अनुसंधान अध्ययनों की प्रगति की निगरानी करना।
- शोधकर्ताओं और कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा मॉडल विकसित करना
- वैज्ञानिक और नैतिक समीक्षा प्रक्रिया के लिए क्षमता निर्माण
- आईईसी सदस्यों और जांचकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण सत्र।

प्रेस विज्ञप्तियां:

Free Press Journal -Mumbai-11/12/2022, P-1

Ray of hope for breast cancer patients

SWAPNIL MISHRA / Mumbai

Tata Memorial Centre (TMC) claims to have come up with a low-cost drug that reduces by 40 per cent the death rates among young women suffering from triple negative breast cancer (TNBC), which is very aggressive.

"This drug is more effective if given to a patient below 50 years of age. Moreover, four of 10 patients suffering from TNBC will survive after adding carboplatin drugs in the treatment. Meanwhile, two-thirds of patients have shown response and there is no resultant tumour and we don't need to remove the whole breast," said Dr Rajendra A Badwe, director TMC.

The results of the landmark 'TMC Study – Platinum in TNBC' was presented by Dr Sudeep Gupta, Professor of Medical Oncology at TMC, at the ongoing San Antonio Breast Cancer Symposium.

TMC said it had conducted a phase III randomized controlled trial on 700 patients for from 2010 to 2020. Doctors said the addition of carboplatin, a drug that costs Rs1,000 a month had shown good results in women below 50 years of age suffering from triple negative breast cancer. Dr Badwe was the principal investigator of the study, which was conducted by the Breast Cancer Working Group of TMC.

CONTD. ON NATION

Indian Express-Mumbai-17/12/2022, P-4

UPDATE : (TATA MEMORIAL)

Addition of platinum to sequential taxane-anthracycline neoadjuvant chemotherapy in patients with triple-negative breast cancer: A phase III randomized controlled trial.

On Friday, December 9, 2022, Dr Sudeep Gupta, Professor of Medical Oncology at TMC, presented, as a podium presentation, the results of the landmark 'TMC Study - Platinum in TNBC' at the ongoing San Antonio Breast Cancer Symposium, which is the largest and most important breast cancer conference in the world. Dr Rajendra A Badwe, Director TMC, is the Principal Investigator of this study, which was conducted by the Breast Cancer Working Group of Tata Memorial Centre, Mumbai. The results of the study showed that a commonly available and inexpensive drug, carboplatin, increased the cure rate and survival of a very aggressive type of breast cancer, called triple-negative breast cancer, especially among young women who have this disease. Until the results of this study there was no conclusive evidence that this drug should be routinely used as part of the treatment of this disease.

Times of India-Mumbai-13/09/2022, P-5

Lidocaine could save 1L cancer patients globally: TMH director

Malathy.Iyer@timesgroup.com

'INCREASES CURE & SURVIVAL'

Lidocaine, a common local anaesthetic, used by Tata Memorial Hospital doctors on breast cancer patients to reduce the risk of metastasis and recurrence

THE STUDY: Just before surgery to remove cancerous tumours, surgeons injected lidocaine in and around the tumour in 1,600 patients. After a few minutes (max. 8), they started

The Results

- The six-year disease-free survival results showed a **26% relative reduction in the risk of cancer relapse** among the lidocaine group
- **A 29% reduction in the risk of death**
- Lidocaine puts the cancer cells in 'sleep mode', preventing movement to other parts of the body and reducing the risk of metastasis due to surgery

Mumbai: The Tata Memorial Hospital study on cheap local anaesthetic lidocaine could provide an answer to one of the perennial debates of cancer treatment: surgery induces the formation of new metastatic disease. "We have shown that by giving a local anaesthesia at the tumour, we are stopping the cancer cells from communicating. We are in a way putting them to sleep and thereby reducing the chance of metastasis," said director Dr Rajendra Badwe.

After presenting the study in Paris on the advantages of injecting lidocaine in and around a breast tumour just before the operation, he said: "This is globally the first study looking at an intervention just before surgery and it has shown that one in three deaths can be avoided." Surgeons from the US and Europe came up to him after his presentation and remarked about the study's "simplicity" and the "magnitude of benefits", he added.

His team member, Dr Sudeep Gupta, the director of ACTREC in Kharghar, said the 7-8-minute intervention with the cheap injection has shown increased cure and survival rates, more than some of the expensive medications.

The lidocaine experiment has its roots over a decade ago when Badwe noticed a big difference in the motility (movement) of cells during surgery. On Monday, he said biopsies done mid-way through surgery always revealed hundreds of genes unlike in biopsies done before and after the surgery. Using the analogy of a physical attack, he said the gene expression signifying movement was the heaviest during surgery.

The randomised study looked at the outcomes of 1,600 surgeries done on women with stage I, II and early III breast cancer. "With such results, we plan to make the use of lidocaine a part of the standard procedure in all Tata Memorial hospitals across the country," said Badwe.

Breast cancer is among the most common cancers in India, affecting roughly 1.5 lakh women every year. "Roughly 90,000 to 1 lakh of these women are eligible for surgery as they have come in early stages," said Gupta. Badwe said if the lidocaine injection intervention is implemented around the world, it could save over a lakh lives annually.

The Tata team plans to study the use of similar agents, including cannabis, for different types of cancer.

शैक्षणिकी

- शैक्षणिकी निदेशक का संदेश
- शैक्षणिकी
- विश्वविद्यालय की डिग्रियां

निदेशक (शैक्षणिकी), टीएमसी का संदेश

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक सहायता प्राप्तसंस्थान है और परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक मानितविश्वविद्यालय होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई)के अंतर्गतएक स्टैंड-अलोन स्नातकोत्तर संस्थान है। मुझे यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि एचबीएनआई को एनएएसी द्वारा श्रेणी ए विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है और 2022 में इसे अनुसंधान संस्थानोंमें 11वां स्थान; एक विश्वविद्यालय के रूप में 17वां; और भारत के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में कुल मिलाकर 33वाँ स्थान दिया गया है।

टीएमसी के 4 आधारस्तंभ हैंः सेवा, शिक्षा, अनुसंधान और सार्वजनिक स्वास्थ्य। पिछले कई वर्षों से, टीएमसी विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करकेन केवल भारत के लिए, बल्कि अफ्रीका तथा अन्य सार्कदेशों के लिए भी ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्यबल के विकास में योगदान दे रहा है। टीएमसी में सभी शैक्षणिकगतिविधियाँ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए प्रदान की जाती हैं। हमारे मेडिकल पाठ्यक्रम एनएमसी से मान्यता प्राप्त हैं। इसके अतिरिक्त, हम एचबीएनआई प्रमाणित पीजी पाठ्यक्रम और कुछ एक वर्षीय टीएमसी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। हम विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रम भी पेश करते हैं जो विभिन्न राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्डों के तत्वावधान में संचालित किए जाते हैं। वर्तमान में स्वीकृत पाठ्यक्रमों के साथ, टीएमसी हमेशा ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र से संबंधित नए पाठ्यक्रमों की खोज कर रहाहै जो उन क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करेगा ताकिडॉक्टरों, नर्सों और तकनीशियनों को कैंसर के रोगियों की बेहतर देखभाल करने में मदद मिल सके।

मुंबई में हमारे केंद्रों और गुवाहाटी में हमारे डॉ. बी बरूआ कैंसर अस्पताल में होने वाली पूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, अब संगरूर, वाराणसी और विशाखापत्तनम में हमारे अन्य नए खुले परिधीय केंद्रों में भी शैक्षणिक गतिविधियां शुरू हो गई हैं। ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में अतिरिक्त कार्यबल के विकास की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, टीएमसी ने कौशल विकास कार्य का विस्तार करने की एक योजना प्रस्तावित की है जो टीएमएच के साथ-साथ देश में इसके सभी परिधीय केंद्रों में ऑन्कोलॉजी से संबंधित विषयों में एमएससी, डिप्लोमा और प्रमाणन पाठ्यक्रम प्रदान करेगी। हम निकट भविष्य में अपने एक्ट्रेकपरिसर में एक अत्याधुनिक सिमुलेशन लैब शुरू करने की उम्मीद करते हैं।

पिछले 10 वर्षों में, किसी भी समय टीएमसी में प्रशिक्षित होने वाले छात्रों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। पिछले 6 वर्षों में, टीएमएच में हमने ऑन्कोलॉजी से संबंधित 25 नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

टीएमसी में प्रशिक्षण की ताकत प्रचुर मात्रा में नैदानिक सामग्री, उत्कृष्ट चिकित्सा बुनियादी ढांचे, पूर्णकालिक शिक्षकों और कार्यान्वयन योग्य शिक्षा की उपलब्धता है। छात्रों के लिए सर्जरी के लिए लेजर/एंडोस्कोप/रोबोट जैसे अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे उपलब्धहैं; विकिरण चिकित्सा में IGRT/IMRT/टोमोथेरेपी/प्रोटॉन थेरेपी; और मेडिकल ऑन्कोलॉजी में

एससीटी और सीएआर-टी सेल थेरेपी सहित आणविक प्रयोगशालाओं/लक्षित थेरेपी/इम्युनोथेरेपी/सेलुलर थेरेपी तक पहुंच उपलब्ध है।

टीएमसी में हमारी मुख्य आकांक्षा हमारे छात्रों को शैक्षणिकउत्कृष्टता प्रदान करना है। उन्हेंदेखभालऔर साथ ही चुनौतीपूर्ण वातावरण प्रदान करना जिसमें वे प्रगतिकर सकें और अपनी वास्तविक क्षमता हासिल कर सकें। छात्रों को "टाटा संस्कृति" से अवगत कराया जाता है जो उन्हें सहानुभूति और "टीम भावना" के साथ मरीजों का इलाज करना सिखाती है जहां उपचार के निर्णय बहु-विषयक क्लीनिकों में लिए जाते हैं जिसमें सभी विशिष्टताओं को समान महत्व दिया जाता है और साक्ष्य आधारित देखभाल का अभ्यास किया जाता है। हम छात्रों को जीवन भर अविस्मरणीयअनुभव देना चाहते हैं। नये छात्रावास बनाये जा रहे हैं। आवश्यकता होने पर अतिरिक्त आवास किराए पर लियेजा रहे हैं। हमने छात्रों के लिए इन-हाउस जिम्नेजियम शुरू किया है और टीएमएच के छात्रों और कर्मचारियों दोनों को शामिल करते हुए खेल प्रतियोगिता भी आयोजित की है, जो काफी सफल रही। हमें उम्मीद है कि हम इस वर्ष से साहित्य/फिल्में/संगीत क्लब/कार्यक्रम शुरू करेंगे, ताकि हमारे छात्रों की प्रतिभा को निखारा जा सके।

मैं इस अवसर पर अपने सभी छात्रों को धन्यवाद देता हूं जो वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं एवं हमारे अस्पताल की जीवन रेखा हैं और जिनके समर्थन के बिना हम टीएमएच और गुवाहाटी, विजाग, संगरूर,वाराणसी, मुल्लानपुर, मुज़फ़्फ़रपुर में हमारे परिधीय केंद्रों में आने वाले हजारों मरीजों की देखभाल नहीं कर पाएंगे। मैं इस अवसर पर निदेशक, टीएमसी, डॉ. आर.ए. बडवे और टीएमसी के पूरे प्रशासन को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं इस अवसर पर कुलपति, डीन और पूरी एचबीएनआई टीम को वर्षों से उनकी सहायता और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं व्यक्तिगत रूप से डीन शैक्षणिक (परियोजनाएं), डॉ. कैलाश शर्मा को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा; मेरे सहयोगी डॉ. सिद्धार्थ लसकर और शैक्षणिकअनुभाग केसभी स्टाफ सदस्यों को भी उनकी सभी सहायता और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं।

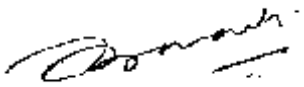

डॉ. एस डी बनावली

शैक्षणिक

निदेशक शैक्षणिक, टीएमसी
प्रो. श्रीपाद डी. बनावली

उप निदेशक शैक्षणिक, टीएमसी
प्रो. सिद्धार्थ लसकर

डीन शैक्षणिक (परियोजनाएं)
प्रो. कैलाश शर्मा

प्रभारी, छात्र मामले
प्रो. सरबानी घोष लसकर

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक सहायता प्राप्त संस्थान है और परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक मानित विश्वविद्यालय होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) के तहत एक स्टैंड-अलोन स्नातकोत्तर संस्थान है। पिछले 75 वर्षों से अधिक समय से, टीएमसी विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करके पूरे देश में ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्यबल के विकास में योगदान दे रहा है।

शैक्षणिकविभाग का अधिदेश यह सुनिश्चित करना है कि सभी शैक्षणिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों का पालन करें; संकाय क्रेडेंशियल्स को सत्यापित और अद्यतन करना; छात्रों की प्रवेश और निकास परीक्षाएँ आयोजित करना; राष्ट्रीय स्तर पर कैंसर देखभाल में सुधार के लिए नए पाठ्यक्रम विकसित करना और वर्तमान पाठ्यक्रमों में सुधार करना; और उद्यमिता में अतिरिक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम, कौशल-मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम शुरू करना। शैक्षणिक विभाग टीएमसी के प्रशिक्षण और अवलोकन कार्यक्रम की भी देखरेख करता है। यह छात्रों और कर्मियों के प्रशिक्षण से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों/संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन भी करता है।

शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए, टीएमसी की मुंबई इकाइयों में टाटा स्मारक अस्पताल हॉस्पिटल (टीएमएच), कैंसर उपचार,अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक)और कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई) को एक साथ जोड़ा गया है। हम ऑन्कोलॉजी से संबंधित सभी विषयों में एमडी, डीएम और एमसीएच पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। हम ऑन्कोलॉजी नर्सिंग, रोगी नेविगेशन (केवट), नैदानिक अनुसंधान, रेडियो-भौतिकी, आदि मेंएमएससी जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान करते हैं। हम स्वास्थ्य-विज्ञान और जीवन-विज्ञान दोनों में पीएचडी प्रदान करते हैं। खारघर, नवी मुंबई में स्थित कैंसर उपचार,अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) में 18 प्रधान अन्वेषक (PI) प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें हर वर्ष 20 से 25 नए पीएचडी छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। 2022 में, 444 नए छात्रों को प्रवेश दिया गया, किसी भा समय टीएमसी मुंबई परिसरों में कुल 1254 छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा था। सिर्फ 10 साल पहले 2013 में, हमारे पास 288 नए छात्रों ने दाखिला लिया था और किसी भी समय कुल 797 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया था; जोकि लगभग 60% की बढ़ोतरी है। इसके अतिरिक्त, 1030 प्रशिक्षु और पर्यवेक्षक थे जिन्होंने 2022 में टीएमएच का दौरा किया था। इनमें से 46 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षु थे। जैसे-जैसे कोरोना का डर कम हो रहा है, अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षुओं की संख्या बढ़ती जा रही है।

टीएमसी की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, हमने इस वर्ष ऑन्कोलॉजी से संबंधित कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। उनमें से सबसे महत्वपूर्ण थेरानोस्टिक्स में एचबीएनआई प्रमाणित फ़ेलोशिप है; कैंसर साइटोजेनेटिक्स में एचबीएनआई प्रमाणित फैलोशिप; बाल चिकित्सा प्रशामक चिकित्सा में एचबीएनआई प्रमाणित फैलोशिप; और, बाल चिकित्सा ओन्को क्रिटिकल

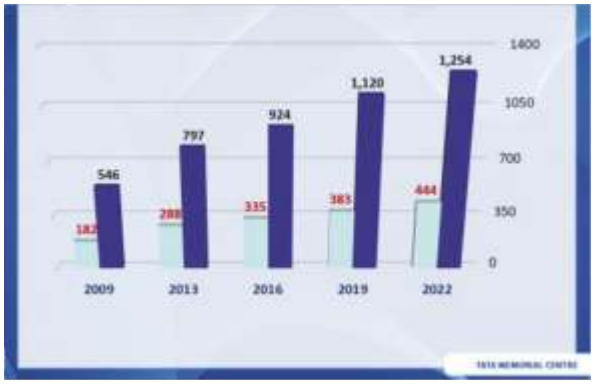

केयर में एचबीएनआई प्रमाणित फैलोशिप। हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही फिजिशियन असिस्टेंट पाठ्यक्रमऔर मास्टर्स इन हेल्थ केयर मैनेजमेंट जैसे पाठ्यक्रमशुरू करेंगे। पिछले 6 वर्षों से, विविध विषयों को शामिल करते हुए 25 नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। मुंबई में हमारे केंद्रों के अलावा, असम के गुवाहाटी में डॉ. बी बरूआ कैंसर अस्पताल में भी पूर्ण शैक्षणिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हाल ही में एनएमसी द्वारा अनुमोदित शैक्षणिक गतिविधियां हमारे अन्य केंद्रों जैसे संगरूर (पंजाब) में एचबीसीएच और वाराणसी (यूपी) में एचबीसीएच और एमपीएमएमसीसी, और एचबीसीएच- विजाग (एपी) में भी शुरू हो गई हैं।

टीएमसी तथा इसके अलग-अलगविभाग और रोग प्रबंधन समूह (डीएमजी) पूरे वर्ष विभिन्न सीएमई गतिविधियां आयोजित करते हैं, जिसमें साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर हमारी वार्षिक बैठक भी शामिल है। ये सीएमई ऑन्कोलॉजी समुदाय के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने के हमारे प्रयास को ध्यान में रखते हुए, चिकित्सा मानविकी के क्षेत्र में कई विशेष व्याख्यान भी आयोजित किए गए।

टीएमसी में हमारी मुख्य आकांक्षा हमारे छात्रों को शैक्षणिकउत्कृष्टता प्रदान करना है। उन्हेंदेखभालऔर साथ ही चुनौतीपूर्ण वातावरण प्रदान करना जिसमें वे प्रगतिकर सकें और अपनी वास्तविक क्षमता हासिल कर सकें। मैं इस अवसर पर अपने सभी रेजिडेंटको धन्यवाद देना चाहूँगा। यहां उनके अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हमने इन-हाउस जिम्नेजियम शुरू किया है। हमने लगातार दूसरे वर्ष टीएमएच के छात्रों और कर्मचारियों दोनों को शामिल करते हुए एक खेल प्रतियोगिता "कॉन्क्वेस्ट 21" का आयोजन किया, जो काफी सफलरही। हमने बीएआरसी परिसर में स्थित अपने पीजी हॉस्टल का नवीनीकरण किया और हाफकिनकैंपस में नए 14 मंजिला रेजिडेंट हॉस्टल का उद्घाटन किया। हमारी एक छात्रा, सुश्री समृद्धि देवलेकर, जो नैदानिक अनुसंधान में एमएससी कर रही हैं, ने 2 से 6 जनवरी, 2022 तक उदयपुर, राजस्थान में आयोजित जूनियर नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पहला स्थान हासिल किया; जून 2022 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में आयोजित एशियन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया; और दिसंबर 2022 में भिलाई, छत्तीसगढ़ में आयोजित सीनियर नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2022 में दूसरा स्थान हासिल किया। शैक्षणिक विभाग ने इन सभी टूर्नामेंटों में उनकी भागीदारी में सहयोग और समर्थन प्रदान किया।

समग्र रूप से देखा जाए तो यह शैक्षणिक विभाग के लिए एक संतोषजनक वर्ष था और हमें न केवल टीएमएच/एक्ट्रेक में, बल्कि हमारी सभी परिधीय इकाइयों में भी अधिक छात्रों को सेवा प्रदान करने की उम्मीद है।

शैक्षणिक विभाग स्टाफ़

"कॉनक्वेस्ट 21" स्पोर्ट्स मीट की विजेता सर्जिकल टीम

अत्याधुनिक RT: प्रोटॉन थेरेपी में प्रशिक्षण

अत्याधुनिक प्रशिक्षण: सर्जरी

सुश्री समृद्धि देवलेकर,
राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियन

विश्वविद्यालय डिग्रियां

		प्रवेश	उपस्थित	पास आउट
1	एमसीएच (सर्जीकल ऑन्कोलॉजी)	-	24	24
2	एमसीएच (गायनॉकोलॉजीकल ऑन्कोलॉजी)	-	01	01
3	एमसीएच (प्लास्टिक एवं रिकॉन. सर्जरी)	-	03	03
4	एमसीएच (सिर एवं गरदन सर्जरी)	-	04	04
5	डीएम (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)	-	15	15
6	डीएम (बाल ऑन्कोलॉजी)	-	03	03
7	डीएम (गैस्ट्रोएंटिरोलॉजी)	-	02	02
8	डीएम (किट्रिकल केयर मेडिसिन)	-	02	02
9	डीएम (ऑन्को-पैथोलॉजी)	-	03	03
10	डीएम (इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी)	-	01	01
11	एमडी (एनेस्थियोलॉजी)	30	22	21
12	एमडी (पैथोलॉजी)	11	12	11
13	एमडी (रेडियो-डायग्नॉसिस)	17	16	16
14	एमडी (विकिरण ऑन्कोलॉजी)	18	16	15
15	एमडी (नाभिकीय चिकित्सा)	06	06	06
16	एमडी (प्रशामक चिकित्सा)	04	03	03
17	एमडी (सूक्ष्म जीवविज्ञान)	01	-	-
18	एमडी (आईएचबीटी)	04	02	02
19	एमएससी (नैदानिक अनुसंधान)	20	-	-
20	एमएससी (नर्सिंग)	10	-	-
21	एमएससी (नाभिकीय चिकित्सा एवं आणविक इमेजिंग प्रौद्योगिकी)	10	05	05
22	एमएससी (व्यावसायिक थैरेपी)	04	-	-
	कुल	**135**	**140**	**137**

***उपर्युक्त सूची में केवल होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान के तहत पाठ्यक्रम दर्शाए गए हैं।**

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी), कैंसर केंद्रों, अनुसंधान संगठनों, पेशेवर समाजों, धर्मार्थ संस्थानों और रोगी समूहों का एक बड़ा नेटवर्क है जो भारत में कैंसर देखभाल में सुधार के उद्देश्य से वर्ष2012 में स्थापित किया गया था। नेटवर्क की स्थापना परमाणु ऊर्जा विभाग के वित्त पोषण समर्थन से की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से, एनसीजी ने कैंसर देखभाल के समान मानकों, ऑन्कोलॉजी में प्रशिक्षित कार्यबल विकसित करने और कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए लागत प्रभावी समाधान विकसित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बहु-केंद्रित कैंसर अनुसंधान का समर्थन करने की दिशा में कार्यकिया है। 2022 तक, एनसीजी में 270 सदस्य संगठन हैं।

पिछले वर्ष के दौरान, एनसीजी ने नीचे सूचीबद्ध कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

वर्चुअल ट्यूमर बोर्ड: ऑन्कोलॉजी में बहु-विषयक देखभाल के लाभ सुस्थापित हैं। हालाँकि, कई केंद्रों में रोग-विशिष्ट बहु-विषयक क्लीनिक संचालित करने की क्षमता नहीं है। एनसीजी वीटीबी सप्ताह में दो बार आयोजित किए जाते हैं जहां विशेषज्ञों द्वारा जटिल मामलों को प्रस्तुत किया जाता है और उन पर चर्चा की जाती है और फिर योजना को संबंधित केंद्रों पर क्रियान्वित किया जाता है। 2022 में कुल 260 मामलों पर चर्चा की गई और इन सत्रों में 3000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उच्च-मूल्य वाले हस्तक्षेपों का स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन (HTA) और अनुकूली एचटीए के लिए मैनुअल का विकास: एनसीजी कैंसर रोगियों हेतु सार्वभौमिक और मूल्य-आधारित देखभाल के लिए प्रयास करता है और इसने सभी के लिए साक्ष्य-आधारित देखभाल का समर्थन करने के लिए संसाधन-स्तरीकृत दिशानिर्देश विकसित किए हैं। संसाधन-स्तरीकृत दिशानिर्देशों के लिए स्वास्थ्य लाभ पैकेजों में उनके समावेश का मार्गदर्शन करने के लिए सभी हस्तक्षेपों के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट के सहयोग से एनसीजी सदस्यों की एक टीम ने हस्तक्षेपों के तेजी से मूल्यांकन की अनुमति देने के लिए अनुकूली HTA की एक विधि स्थापित की है, जो प्रभावशाली है लेकिन महत्वपूर्ण वित्तीय बोझ पैदा कर सकती है। कार्यप्रणाली को एक मैनुअल के रूप में प्रकाशित किया गया है ताकि अन्य लोग अपनाई गई प्रक्रिया और लिए गए निर्णयों का मूल्यांकन कर सकें।

एनसीजी दिशानिर्देश मैनुअल: सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट के सहयोग से दिशानिर्देश विकास समूह ने एक मैनुअल विकसित किया है जो नए सिरे से दिशानिर्देश विकसित करने की प्रक्रिया के साथ-साथ अन्य स्थापित दिशानिर्देशों के अनुकूलन और संदर्भीकरण का वर्णन करता है। इससे न केवल एनसीजी के भीतर भविष्य के दिशानिर्देश संशोधनों के लिए प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी बल्कि गैर-संचारी रोगों के लिए अन्य दिशानिर्देश विकास में भी मदद मिलेगी।

ऑन्कोलॉजी में अनुसंधान विधियों के विकास के लिए छठा अंतरराष्ट्रीयसहयोग (सीआरडीओ) कार्यशालाः भारत का राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड 5 और 10 मार्च 2023 के बीच मुंबई के पास लोनावाला में ऑन्कोलॉजी अनुसंधान प्रोटोकॉल विकास पर छह दिवसीय आवासीय कार्यशाला आयोजित करेगा। इसका उद्देश्य ऑन्कोलॉजी में शोधकर्ताओं को नैदानिक परीक्षण डिजाइन के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षित करना और एक शोध विचार को एक संरचित प्रोटोकॉल में विकसित करने में मदद करना है। सर्जिकल, मेडिकल या विकिरण ऑन्कोलॉजी या ऑन्कोलॉजी से संबंधित किसी भी शाखा में प्रशिक्षण प्राप्त शोधकर्ताओं के लिए भागीदारी खुली है, जिसमें शैक्षणिक व्यवस्था में कार्यकरने वाले शुरुआती और मध्य स्तर के शोधकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाती है, जो ऑन्कोलॉजी में अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। संकाय में ऑन्कोलॉजी अनुसंधान और अनुसंधान पद्धति कार्यशालाओं में प्रशिक्षण में व्यापक अनुभव वाले अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल हैं। कार्यशाला में भारत और अन्य एलएमआईसी से कुल 66 प्रतिभागी भाग लेंगे। पिछली कार्यशालाओं की सफलता के आधार पर; छठी CReDO कार्यशाला को विश्व स्वास्थ्य संगठन, सेंट जूड चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मेम्फिस और सिटी कैंसर चैलेंज द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

एनसीजी "विश्वम" ग्लोबल कैंसर नेटवर्क: एनसीजी अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और बुनियादी ढांचे की समस्याओं से जूझ रहे अन्य निम्न और मध्यम आय वाले देशों (LMIC) के साथ मिल कर वैश्विक कैंसर नियंत्रण की दिशा में कार्यकर रहा है। कई देशों में चुनौतियाँ उल्लेखनीय रूप से समान हैं और इसमें अपर्याप्त सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय, सामाजिक आर्थिक असमानताएँ, आम जनता के बीच जागरूकता की कमी, प्रस्तुति के देर के चरण, बुनियादी कैंसर देखभाल सुविधाओं तक पहुंच की कमी, अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा और लगभग गैर-मौजूद स्वास्थ्य देखभाल नियम और मानक शामिल हैं। साझेदार देश और संगठन राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड से सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम होंगे, और इसके कुछ संसाधनों से भी लाभान्वित होंगे। एनसीजी ग्लोबल कैंसर नेटवर्क दुनिया भर के कई देशों के साथ साझेदारी कर वैश्विक स्तर पर कैंसर के बोझ को कम करने की दिशा में कार्यकर रहा है।

अब तक, निम्नलिखित देशों ने एनसीजी के साथ भागीदारी की है और/या एनसीजी विश्वम के सदस्य बनने में रुचि व्यक्त की है: मलेशिया, श्रीलंका, वियतनाम, नेपाल, अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, म्यांमार, बांग्लादेश, जाम्बिया, कजाकिस्तान, रूस और घाना। इससे जुड़ने के क्षेत्रों में साक्ष्य-आधारित उपचार दिशानिर्देशों को साझा करना, ऑन्कोलॉजिस्ट और पैरामेडिकल स्टाफ की शिक्षा और प्रशिक्षण, वर्चुअल ट्यूमर बोर्डों में भागीदारी, विशेषज्ञ दूसरी राय सेवा और कैंसर रजिस्ट्री स्थापित करने में सहायता शामिल है।

BIRAC नैदानिक परीक्षण नेटवर्क: एनसीजी ने 11 कैंसर केंद्रों से जुड़े नैदानिक परीक्षण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 16 करोड़ रुपये का अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अनुदान सफलतापूर्वक प्राप्त किया। बायोसिमिलर और अन्य जांचकर्ताओं द्वारा शुरू किए गए अध्ययनों के लिए नैदानिक परीक्षण करने के लिए नेटवर्क के पास अब एक मजबूत बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षित कर्मचारी हैं। नेटवर्क ने इस अनुदान के माध्यम से नैदानिक परीक्षणों और आचार समिति के लिए सामान्य एसओपी विकसित की है। अनुदान ने अनुसंधान सहायता के लिए प्रशिक्षित कार्यबल के विकास को सक्षम किया है। इस अनुदान के अंतर्गत एनसीजी ने नैदानिक परीक्षण संचालन के सभी पहलुओं के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए हैं जो एनसीजी एमओओसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से खुली पहुंच में हैं।

बहु-केंद्रित नैदानिक परीक्षणों के लिए सहकर्मी-समीक्षा और वित्तपोषण: एनसीजी ने 4 बहु-केंद्रित नैदानिक परीक्षणों की सहकर्मी-समीक्षा पूरी कर ली है, उनमें से प्रत्येक प्रैक्टिस को बदलने की क्षमता के साथ अपूर्ण आवश्यकता के क्षेत्र को संबोधित करता है। एनसीजी की अगली परियोजना को परमाणु ऊर्जा विभाग से मंजूरी मिलने के बाद इन अध्ययनों को वित्त पोषित किया जाएगा।

एनसीजी सीआरओ: सीआरओ ने वित्तपोषण के लिए एनसीजी को सौंपे गए चार अनुसंधान प्रोटोकॉल की अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी समीक्षा में सहायता की और पूर्व निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार पहले से अनुमोदित अध्ययनों के लिए निधि संवितरण की सुविधा प्रदान की। सीआरओ डेटा की गुणवत्ता नियंत्रण और वैधता सुनिश्चित करने के लिए सभी एनसीजी समर्थित और वित्त पोषित अध्ययनों के लिए निगरानी दौरे आयोजित करता है। इस वर्ष सीआरओ ने विभिन्न भागीदार स्थलों पर 160 निगरानी दौरे किए हैं। सीआरओ ने सभी जारीएनसीजी अध्ययनों की वार्षिक स्थिति समीक्षा की है। एनसीजी सीआरओ ने जीसीपी और सूचित सहमति के पहलुओं पर कई साइट टीमों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया। सीआरओ ने मुख्य जांचकर्ताओं को साइट चयन, आईईसी-नियामक प्रस्तुतियाँ, साइट समझौतों के निष्पादन, अकादमिक और फार्मा प्रायोजित परीक्षणों के लिए साइट स्टार्ट अप गतिविधियों और परीक्षणों के लिए बीमा पॉलिसी की खरीद में सहायता की। सीआरओ टीम ने जांचकर्ताओं और अन्य परीक्षण कर्मियों के लिए नैदानिक अनुसंधान पद्धति कार्यशाला के संचालन में सहायता की।

एनसीजी पुस्तकालय सेवाएं: एनसीजी पुस्तकालय ने साहित्य खोज सेवाओं का समर्थन करना जारी रखा, और व्यवस्थित समीक्षाओं, नैदानिक आवश्यकताओं और शिक्षाप्रद आवश्यकताओं के लिए लेखों का पूरा पाठ प्रदान किया। अक्षरा - एनसीजी डिस्कवरी टूल अब कार्यात्मक है, और सभी सदस्य टूल तक पहुंच सकते हैं। यह टूल 17000 से अधिक बायोमेडिकल पत्रिकाओं के लिए सामग्री खोजने की अनुमति देता है, और हाइब्रिड, सशुल्क, निःशुल्क और ओपन एक्सेस पत्रिकाओं में लेखों को अनुक्रमित करता है। उपकरण लेख-स्तरीय खोज का समर्थन करता है, प्रत्येक लेख के लिए प्रकाशन मेट्रिक्स को इंगित करता है और दस्तावेज़ वितरण सेवाओं का लाभ उपयोगकर्ता सीधे जर्नल रखने वाले पुस्तकालयों से प्राप्त कर सकता है। अब तक लगभग 22 पुस्तकालयों ने अपने संग्रह को टूल पर एम्बेड कर दिया है। पुस्तकालय की समानता जांच सेवाओं (साहित्यिक चोरी की जांच) का सदस्यों द्वारा अत्यधिक उपयोग किया गया। रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान 500 से अधिक दस्तावेजों की जांच की गई। पबमेड (4), और अक्षरा - एनसीजी डिस्कवरी टूल (3) पर प्रभावी खोज के लिए ट्यूटोरियल विभिन्न केंद्रों के लिए और एनसीजी द्वारा संचालित कई पाठ्यक्रमों के हिस्से के रूप में आयोजित किए गए थे। पुस्तकालय ने ई-संसाधनों की सदस्यता जारी रखी अर्थात कोविडपर क्लिनिकल कुंजी और जर्नल। एनसीजी सूचना सेवाओं ने एनसीजी न्यूज़लैटर भी प्रकाशित किया, जो एनसीजी सदस्यों को नए अतिरिक्त और एनसीजी की गतिविधियों पर अद्यतन रखने के लिए एक द्विवार्षिक प्रकाशन है।

एनसीजी ईक्यूएएस: भारत में सर्जिकल पैथोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी प्रैक्टिस भिन्न-भिन्नहैं और रोगी की सामर्थ्य से प्रेरित हैं। इसका परिणाम यह होता है कि परीक्षण के परिणाम परिवर्तनशील होते हैं। राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड बाहरी गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड के तत्वावधान में चलाया जा रहा है। एनसीजी ईक्यूएएस का लक्ष्य "सभी के लिए एक प्रैक्टिसकी ओर" के आदर्श वाक्य के साथ देश भर में हिस्टोपैथोलॉजी और ऑन्कोपैथोलॉजी प्रथाओं को मानकीकृत करना है। वर्तमान में, हमने 265 केंद्रों को नामांकित किया है, जिनमें से 165 केंद्रों ने IHC EQAS के लिए,

219 ने H&E के लिए और 180 ने ऊतक प्रसंस्करण मॉड्यूल के लिए नामांकन किया है। एनसीजी ईक्यूएएस बायोमार्कर के लिए आईएचसी मूल्यांकन का देश मेंएकमात्र कार्यक्रम है। हमने एस्ट्रोजन रिसेप्टर (ER) और प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर (PR) ईक्यूएएस चक्रों के पांच चक्रों में भाग लेने वाले 99 केंद्रों में और मानव एपिडर्मल फैक्टर 2 (HER2) ईक्यूएएस में भाग लेने वाली 105 प्रयोगशालाओं में चार बार अपने डेटा का विश्लेषण किया। ईआर-ईक्यूएएस के पहले (73.5%) से चौथे (96%) चक्र तक अच्छी समझौता दर में क्रमिक सुधार देखा गया। इसी तरह, Her2neu के लिए 100% पास दर पहले से चौथे परीक्षण तक 37.5% से बढ़कर 62.8% हो गई। हमने 24 प्रयोगशालाओं में ब्लॉकों से ऊतक प्रसंस्करण कार्यक्रम और डीएनए/ आरएनए सामग्री पर इसके प्रभाव का भी मूल्यांकन किया है और उस डेटा को प्रकाशित करने की प्रक्रिया में हैं।

एनसीजी वार्षिक बैठक: एनसीजी वार्षिक बैठक वर्चुअली आयोजित की गई और इसमें एनसीजी केंद्रों के निदेशकों और अन्य संकाय सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान एनसीजी की सभी गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके अलावा, प्रमुख चर्चाओं में डिजिटल स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ सहयोग, स्वास्थ्य संवर्धन पहल, उपशामक देखभाल पहल में प्रगति, राज्य एनसीजी अध्याय और उपकरण, दवाओं और अन्य उपभोग्य सामग्रियों हेतुसमझौता बातचीत का लाभ उठाना शामिल था। इनमें से प्रत्येक के लिए ब्रेकआउट सत्र आयोजित किए गए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रमुख प्रदेयताओं की योजना बनाई गई है और कार्यान्वयन रणनीति तय की गई है।

वर्चुअल अनुसंधान बोर्ड: एनसीजी एक सप्ताह तक चलने वाली आवासीय कार्यशाला में अनुसंधान विधियों के लिए प्रारंभिक कैरियर ऑन्कोलॉजिस्ट को प्रशिक्षित करता है। हालाँकि, इसके लिए शोधकर्ताओं को उनके जारी शोध में सहायता के लिए निरंतर समर्थन की आवश्यकता है। इसे संबोधित करने के लिए, एनसीजी नियमित अंतराल पर आभासी अनुसंधान बोर्ड आयोजित करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध नैदानिक शोधकर्ता और बायोस्टैटिस्टिशियन सीआरईडीओ कार्यशाला से परे शुरुआती कैरियर शोधकर्ताओं को निरंतर सलाह प्रदान करते हैं। 2022 में कुल 6 आभासी अनुसंधान बोर्ड आयोजित किए गए।

गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण (ईक्यूआईपी इंडिया): एनसीजी ने ईक्यूआईपी-इंडिया कार्यक्रम (गुणवत्ता सक्षम करना, रोगी देखभाल में सुधार) के माध्यम से सदस्य कैंसर केंद्रों के लिए गुणवत्ता सुधार में क्षमता का निर्माण किया है। स्थापना के बाद से कुल पांच समूह पूरे हो चुके हैं। ऑन्कोलॉजी और प्रशामक देखभाल दोनों में गुणवत्ता सुधार के विभिन्न पहलुओं में कुल 55 टीमों को प्रशिक्षित किया गया है। इसने एनसीजी केंद्रों में गुणवत्ता सुधार प्रक्रिया के दायरे और स्पेक्ट्रम को बढ़ाने के उद्देश्य से एनसीजी केंद्रों के भीतर केंद्र भी स्थापित किए हैं।

प्रशामक देखभाल: सर्जिकल अध्येताओं के लिए कैंसर प्रशिक्षण में प्रशामक देखभाल पर एकीकृत मॉड्यूल, (IMPaCT-HN) उत्तरजीविता देखभाल में सुधार की दिशा में एक और पहल है। एनसीजी वेबसाइट कोर-टीम द्वारा विकसित उपशामक देखभाल दिशानिर्देशों को प्रदर्शित करती है, जो आमतौर पर उन्नत कैंसर वाले रोगियों में देखे जाने वाले लक्षण समूहों के लिए एक एल्गोरिदमिक दृष्टिकोण प्रदान करती है।

एनसीजी कोइता सेंटर फॉर डिजिटल ऑन्कोलॉजी: एनसीजी ने कोइता फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो एनसीजी के तहत "सेंटर फॉर डिजिटल ऑन्कोलॉजा" को वित्त पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एनसीजी केसीडीओ कैंसर देखभाल के लिए विश्व स्तर पर डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने और बढ़ावा देने के लिए एनसीजी के भीतर पहल को केंद्रीकृत करेगा।एनसीजी केसीडीओ सदस्य संगठनों को उनकी तकनीकी पहलों में समर्थन देने, एनसीजी केंद्रों के बीच अंतरसंचालनीयता जैसी आम पहल करने और निदान और देखभाल मार्गों को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी (कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग सहित) का लाभ उठाने पर काम करेगा।

सारांश: एनसीजी ने पिछले कुछ वर्षों में अपने दायरे के तहत गतिविधियों के क्षेत्रों और प्रकृति का काफी विस्तार किया है, और यह बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से कैंसर देखभाल में असमानताओं को कम करने के लिए विश्व स्तर परएक अग्रणी शक्ति के रूप में उभरा है। अपनी विविध पहलों के माध्यम से, एनसीजी ने देखभाल की पहुंच, सामर्थ्य और गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, ऑन्कोलॉजी कार्यबल के बीच प्रशिक्षण और शिक्षा को बढ़ावा दिया है, और कैंसर में प्रासंगिक रूप से संबद्धअनुसंधान को बढ़ावा दिया है।

वित्तीय लेखा–परीक्षा

- लेखा–विवरण
- की गई कार्रवाई रिपोर्ट
- लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट
- वित्त, सरलीकृत

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2023

In Rs

		Year Ended 31.03.2023	Year Ended 31.03.2022
A) INCOME			
Grant in Aid - Govt of India	7	5,87,97,45,264	4,93,68,46,900
Hospital Income		6,11,34,68,803	4,76,41,73,038
Sale of Drugs and Surgical Goods		5,70,99,94,487	4,32,65,85,239
Interest Income	8	37,54,75,246	33,73,85,633
Other Income	9	15,92,20,965	9,17,43,741
TOTAL (A)		**18,23,79,04,765**	**14,45,67,34,550**
B) EXPENDITURE			
Academic Expenses		13,19,38,796	9,87,55,022
Consumption of drugs and Surgical Goods	10	5,23,17,59,721	3,95,93,88,896
Consumables		2,20,87,45,409	1,53,22,54,057
Staff Cost / Salaries	11	10,21,22,14,964	8,67,90,99,802
Other Administrative Expenses	12	1,83,95,42,624	1,76,23,76,056
TOTAL (B)		**19,62,42,01,514**	**16,03,18,73,834**
Excess of Income over expenditure before Depreciation and Provisions on retirement benefits of employees (A-B)		(1,38,62,96,749)	(1,57,51,39,284)
Less : Depreciation		73,85,94,614	59,93,92,273
Add : Deferred Income (As per AS 12 for Govt Grant for Dep on Equipment)		73,85,94,614	59,93,92,273
Less : Provision for Retirement Benefits			
Gratuity		6,83,12,536	11,46,92,409
Pension		93,46,57,056	1,44,13,44,541
Leave Encashment		23,86,36,743	29,79,54,468
Balance being deficit / (surplus) for the year trf to Balance Sheet		**2,62,79,03,084**	**3,42,91,30,702**
Significant Accounting Policies			
Notes on Accounts			

As per our report of even date attached
For Batliboi & Purohit
Chartered Accountants
Firm Reg No. 101048W

CA Gaurav Rajendra Dhebar
Partner
Membership No. : 153493
Mumbai

For and on behalf of the Governing Council

Mr. S Mohapatra	Ms. Meera	Mr. Anil Sathe	Dr. C S Pramesh	Dr R A Badwe
JCFA, TMC	**IFA, TMC**	**Director-Admin, TMC**	**Director, TMH**	**Director, TMC**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2023

in Rs

PARTICULARS	Schedule	As at 31.03.2023	As at 31.03.2022
CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
Capital Fund	1	3,25,18,22,113	1,13,18,92,312
Earmarked / Endowment Fund	2	4,25,69,94,146	3,90,09,97,043
Academic Fund	3	32,28,22,907	26,37,95,099
Current Liabilities & Provisions	4	29,06,71,02,542	26,52,70,94,904
TOTAL		**36,89,87,41,708**	**31,82,37,79,358**
ASSETS			
Fixed Assets			
Gross Block		14,98,22,80,155	12,16,90,26,402
Less:Provision for Depreciation		6,22,52,21,125	5,52,31,82,985
Net Block		8,75,70,59,030	6,64,58,43,417
Capital Work - in - Progress		14,70,30,58,191	13,63,80,78,966
Total	5	**23,46,01,17,222**	**20,28,39,22,383**
Current Assets, Loans and Advances	6	13,43,86,24,486	11,53,98,56,975
Capital Fund	1	-	
TOTAL		**36,89,87,41,708**	**31,82,37,79,358**
Significant Accounting Policies	13		
Notes on Accounts	14		

As per our report of even date attached
For Batliboi & Purohit
Chartered Accountants
Firm Reg No. 101048W

CA Gaurav Rajendra Dhebar
Partner
Membership No. : 153493
Mumbai

For and on behalf of the Governing Council

Mr. S Mohapatra	Ms. Meera	Mr. Anil Sathe	Dr. C S Pramesh	Dr R A Badwe
JCFA, TMC	**IFA, TMC**	**Director-Admin, TMC**	**Director, TMH**	**Director, TMC**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 1 - CAPITAL FUND

in Rs

PARTICULARS	As at 31.03.2023		As at 31.03.2022	
CAPITAL FUND				
Balance at the beginning of the Year	1,13,18,92,312		(30,96,46,329)	
Add: Non Recurring Grant Utilised during the year	4,88,72,22,285		4,90,98,36,227	
Add: Recurring Grant utilised for Capital Expenditure	-		-	
Add: Assets purchased from Donation & csr	56,46,31,626		54,50,28,845	
Add: Assets purchased out of Sponsored Project & Workshop Fund and HBNI	3,45,73,588		1,51,96,544	
Add: Actrec - Assets Plan to Donation				
Add : Others			0	
	6,61,83,19,811		**5,16,04,15,286**	-
Less: Deficit/ (surplus) Transferred from the Income & Expenditure Account	2,62,79,03,084		3,42,91,30,702	
Less: Deferred Income (As per AS 12 for Govt Grant)	73,85,94,614		59,93,92,273	
Total		**3,25,18,22,113**		**1,13,18,92,312**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 1-A - NON RECURRING GRANT

in Rs

PARTICULARS	As at 31.03.2023		As at 31.03.2022	
Balance at the beginning of the Year *	-			
Add: Interest	-		-	
Add: Grant Received During the year	4,94,16,34,192		4,85,13,12,803	
Total	4,94,16,34,192		4,85,13,12,803	
Less: BARC Grant Utilsed for RRU	-		(12,29,51,530)	
Less: Grant Utilised for SUPPORT TO PAEDIATRIC/BMT PATIENTS	4,17,50,907		2,14,13,106	
Less: Unspent Plan Refund to DAE (TRANSRIPTOME PROFILLING)	1,26,61,000		4,30,15,000	
Less: Grant Utilised for Plan Cancer Registry				
Less: Grant Utilised for Captial Expenditure	4,88,72,22,285		4,90,98,36,227	
Balance	-			
Total		-		-

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 1-B - WOMEN AND CHILDREN WELFARE GRANT

in Rs

PARTICULARS	TMH	ACTREC	VARANASI	VIZAG	MUZAFFARPUR	SANGRUR	BBCI	TOTAL
Balance at the beginning of the Year *	28,16,705	42,49,942	25,17,894	14,69,989		56,501	-	1,11,11,031
Add: Re grouping							-	-
Add: Unutilsied patients Bal trf to fund	89,15,597		8,71,425					97,87,022
Add: Grant Received During the year	17,50,00,000	3,15,00,000	2,10,00,000	30,00,000	20,00,000	55,00,000		23,80,00,000
Total	18,67,32,302	3,57,49,942	2,43,89,319	44,69,989	20,00,000	55,56,501	-	25,88,98,053
Less: Grant Utilised for Women and Children Welfare	18,66,77,019	3,57,49,942	2,43,71,425	30,63,168	20,00,000	53,61,479		25,72,23,033
Balance	55,283	-	17,894	14,06,821	-	1,95,022	-	16,75,020
Less: Grant Utilised for Revenue Expenditure							-	
Total	**55,283**	**-**	**17,894**	**14,06,821**	**-**	**1,95,022**	**-**	**16,75,020**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 2- EARMARKED / ENDOWMENT FUND

in Rs

PARTICULARS	As at 31.03.2023								As at 31.03.2022						
EARMARKED / ENDOWMENT FUND	SCIENCE & RESEARCH FUND	SAMJAL MISTRY FUND	DONATION	CSR DONATION	INTEREST ON PATIENT DEPOSITS	PROJECTS	WORKSHOP	TOTAL	SCIENCE & RESEARCH FUND	SAMJAL MISTRY FUND	DONATION	INTEREST ON PATIENT DEPOSITS	PROJECTS	WORKSHOP	TOTAL
A															
Balance at the beginning of the Year	27,52,96,980	1,83,51,107	1,17,91,25,214	1,28,85,79,631	4,48,04,033	1,06,69,97,246	2,78,42,831	**3,90,09,97,042**	26,18,49,313	1,83,51,107	2,29,40,73,158	4,38,84,267	98,30,86,739	5,18,97,256	**3,65,31,41,840**
Addition during the year			94,23,42,491	1,55,61,81,428	3,16,99,344	76,35,67,055	11,70,04,148	**3,41,07,94,466**			2,33,19,68,394	9,19,766	76,07,61,613	5,43,19,187	**3,14,79,68,961**
Re-grouping								-							-
Interest on Saving / Bank FD received	12470068	13,50,474				10,48,97,332		**11,87,23,874**	1,34,47,667	9,93,066			2,51,71,006		**3,96,11,739**
Dividend		9,090						**9,090**		9,090					**9,090**
TDS Projects & Others						28,75,494		**28,75,494**							-
Total (A)	**28,77,73,048**	**1,97,10,671**	**2,12,14,67,705**	**2,84,47,61,059**	**7,65,03,377**	**1,93,83,37,037**	**14,48,46,979**	**7,43,33,99,876**	**27,52,96,980**	**1,93,53,263**	**4,62,60,41,552**	**4,48,04,033**	**1,76,90,19,359**	**10,62,16,443**	**6,84,07,31,629**
B Utilisation / Expenditure towards objective of fund															
Revenue Expenditure			9,48,09,973	1,60,57,00,054	1,31,16,965	75,70,97,854	10,50,16,106	**2,57,58,40,952**			1,61,33,07,863		68,69,19,378	7,83,73,613	**2,37,86,00,854**
Capital Expenditure			56,46,31,626			3,32,88,803	12,84,785	**59,92,05,214**			54,50,28,845		1,51,02,734	-	**56,01,31,579**
Transfer to Samjal Scholarship Account		6,79,782						**6,79,782**		5,01,078					**5,01,078**
Transfer to Samjal Portiont welfare		6,79,782						**6,79,782**		5,01,078					**5,01,078**
Total (B)	-	**13,59,564**	**65,95,41,599**	**1,60,57,00,054**	**1,31,16,965**	**79,03,86,657**	**10,63,00,891**	**3,17,64,85,730**	-	**10,02,156**	**2,15,83,36,707**	-	**70,20,22,112**	**7,83,73,613**	**2,93,97,34,588**
Closing Balance at the end of the year (A-B)	**28,77,73,048**	**1,83,51,107**	**1,46,19,26,106**	**1,23,90,61,005**	**6,33,86,412**	**1,14,79,50,380**	**3,85,46,088**	**4,25,69,94,146**	**27,52,96,980**	**1,83,51,107**	**2,46,77,04,844**	**4,48,04,033**	**1,06,69,97,246**	**2,78,42,831**	**3,90,09,97,041**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 3 - ACADEMIC FUND

in Rs

PARTICULARS	As at 31.03.2023	As at 31.03.2022
Opening Balance	26,37,95,099	18,53,17,706
Add :- Addition During the year	13,19,38,796	9,87,55,022
	39,57,33,895	**28,40,72,728**
Less : Deduction During the year	7,29,10,988	2,02,77,629
Total	**32,28,22,907**	**26,37,95,099**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 4 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

In Rs

PARTICULARS		As at 31.03.2023		As at 31.03.2022
A) CURRENT LIABILITES & DEPOSITS				
Deposits				
- From Student	3,54,84,755		2,67,16,989	
- From Patient	4,17,33,05,744		3,21,91,40,006	
- From Suppliers & Contract	23,35,85,927	4,44,23,76,426	17,35,63,936	3,41,94,20,931
Other Current Liabilities				
Undisbursed and Unclaimed Salaries		72,000		2,12,336
New pension scheme liability		86,93,825		85,45,670
Sundry Creditors-Capital		11,79,50,653		11,40,26,762
Other Liabilities		41,06,85,070		37,33,54,014
Payable & Receivable Inter Unit		-		9,32,58,516
Statutory Liabilities		9,12,47,604		7,17,05,656
Outstanding Expenses				
- Salary	81,72,16,913		1,08,15,13,974	
- Operational Expenses	1,80,50,08,498	2,62,22,25,411	1,22,33,75,815	2,30,48,89,789
Unutilised Grant from Govt of India c/f*				
- Recurring Grant	-		-	
- Women & Childern Welefare Fund	16,75,020		1,11,11,031	
- Non Recurring Grant	-	16,75,020	-	1,11,11,031
TOTAL (A)		**7,69,49,26,009**		**6,39,65,24,705**
B) PROVISIONS(for retirement benefits of employee)				
Gratuity				
a) Current	22,18,78,669		21,00,39,377	
b) Non current	1,62,12,02,684	1,84,30,81,353	1,56,47,29,439	1,77,47,68,816
Leave Encashment				
a) Current	31,21,79,294		27,40,01,282	
b) Non current	1,95,37,07,254	2,26,58,86,548	1,75,32,48,524	2,02,72,49,806
Pension				
a) Current	70,79,43,521		64,37,24,613	
b) Non current	16,55,52,65,111	17,26,32,08,632	15,68,48,26,963	16,32,85,51,576
TOTAL (B)		**21,37,21,76,533**		**20,13,05,70,198**
TOTAL (A+B)		**29,06,71,02,542**		**26,52,70,94,903**

TATA MEMORIAL CENTRE

Schedule 5 - FIXED ASSETS

in Rs

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION						NET BLOCK	
	Cost / Valuation as at the beginning of the year (01/04/2022)	Total Additions / adjustments during the year	Deletions / Ajustment	Cost / Valuation at the end of the year (31/03/2023)	As at the beginning of the year (01/04/2022)	Depreciation on the opening balance	Depreciation on Additions during the year	Total Depreciation during the year	On Deletion / Adjustment	Total up to the year end (31/03/2023)	As at the Current year-Ended 31/03/2023	As at the Previous year-Ended 31/03/2022
A. FIXED ASSETS :												
1. LAND:												
a) Freehold	1,97,608			1,97,608	-			-		-	1,97,608	1,97,608
2. BUILDINGS :												
a) On Freehold Land	1,92,87,25,592	76,50,87,303		2,69,38,12,895	37,89,15,074	3,13,16,369	65,76,810	3,78,93,179		41,68,08,253	2,27,70,04,642	1,54,98,10,518
3. PLANT MACHINERY & EQUIPMENT	8,89,48,82,409	1,71,20,04,598	2,86,15,863	10,57,82,71,144	4,26,26,53,640	49,75,44,196	7,07,83,580	56,83,27,776	2,67,34,221	4,80,42,47,195	5,77,40,23,950	4,63,22,28,769
4. VEHICLES	6,64,98,548	38,46,380		7,03,44,928	3,85,08,238	48,67,895	1,68,749	50,36,644		4,35,44,882	2,68,00,046	2,79,90,310
5. FURNITURE, FIXTURES	35,91,69,643	15,50,28,471	24,92,527	51,17,05,587	20,07,24,217	2,24,22,914	93,28,671	3,17,51,585	24,85,141	22,99,90,661	28,17,14,925	15,84,45,425
6. OFFICE EQUIPMENT	8,36,56,579	2,65,45,081	9,50,201	10,92,51,459	3,30,70,432	42,45,547	7,65,899	50,11,446	8,34,938	3,72,46,940	7,20,04,520	5,05,86,147
7. COMPUTER/ PERIPHERALS	83,58,96,023	18,78,20,609	50,20,098	1,01,86,96,534	60,93,11,384	7,15,61,551	1,74,81,658	8,90,43,209	49,71,399	69,33,83,194	32,53,13,340	22,65,84,639
TOTAL (A)	12,16,90,26,402	2,85,03,32,442	3,70,78,689	14,98,22,80,155	5,52,31,82,985	63,19,58,472	10,51,05,367	73,70,63,839	3,50,25,699	6,22,52,21,125	8,75,70,59,031	6,64,58,43,416
CWIP	13,63,88,81,336	2,02,48,23,289	95,98,44,064	14,70,38,60,561							14,70,38,60,561	13,63,88,81,336
LESS: PROVISION FOR DOUBTFUL CAPITAL ADV (LAND)	8,02,370			8,02,370							8,02,370	8,02,370
NET CAPITAL WIP (B)	13,63,80,78,966	2,02,48,23,289	95,98,44,064	14,70,30,58,191							14,70,30,58,191	13,63,80,78,966
TOTAL (A + B)	**25,80,71,05,368**	**4,87,51,55,731**	**99,69,22,753**	**29,68,53,38,346**	**5,52,31,82,985**	**63,19,58,472**	**10,51,05,367**	**73,70,63,839**	**3,50,25,699**	**6,22,52,21,125**	**23,46,01,17,222**	**20,28,39,22,382**
PREVIOUS YEAR (TMC)	22,07,35,03,614	1,23,99,40,915	6,94,05,387	25,80,71,05,368	4,98,15,19,286	55,77,38,896	4,44,95,116	60,22,34,012	6,05,70,313	5,52,31,82,985	20,28,39,22,383	14,96,69,53,841

Note: Capital work in progress includes freehold land amounting to Rs.802370 (previous year Rs.802370) which is disputed and hence provided as doubtful from the financial year 2009-10

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 6 - CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

in Rs

PARTICULARS	As at 31.03.2023		As at 31.03.2022	
A. CURRENT ASSETS				
1. Inventories				
Stock of Drugs, Medical and Surgical Goods	49,78,69,474		50,67,04,161	
Stores & stationery	1,67,41,738	**51,46,11,212**	1,98,64,457	**52,65,68,618**
2. Sundry Debtors				
a) Outstanding more than six months				
Considered Good	24,88,35,951		13,31,51,944	
Considered Doubtful	7,11,99,471		4,06,86,584	
	32,00,35,422		17,38,38,528	
Outstanding less than six months				
Considered Good	97,78,77,160		42,05,01,767	
Considered Doubtful	7,11,99,471		4,06,86,584	
	1,36,91,12,053		63,50,26,879	
b) Less: Provision for Doubtful Debts	7,11,99,471	**1,29,79,12,582**	4,06,86,584	**59,43,40,295**
3. Cash Balances				
Cash in Hand	19,05,131		61,48,971	
Cheques on Hand				
Franking Balance	4,39,060	**23,44,191**	2,48,066	**63,97,037**
4. Bank Balances				
With Scheduled Banks :				
- Current Accounts	37,02,85,746		68,27,32,978	
- Fixed Deposit Accounts	9,76,38,16,663		8,44,86,64,667	
- Margin Money Deposit Accounts	8,56,34,266		7,24,32,983	
- Fixed Deposits Projects	99,15,36,724		81,55,84,643	
- On Savings Accounts	15,28,296	**11,21,28,01,695**	3,86,22,618	**10,05,80,37,889**
TOTAL (A)		**13,02,76,69,680**		**11,18,53,43,839**

contd.....

TATA MEMORIAL CENTRE * PAREL, MUMBAI-400 012 *

BATLIBOI & PUROHIT * MUMBAI * CHARTERED ACCOUNTANTS *

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 6 - CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

in Rs

PARTICULARS	As at 31.03.2023		As at 31.03.2022	
B. LOANS AND ADVANCES				
1. Advances recoverable in cash or in kind or for value to be received (unsecured, considered good)				
Receivable from Inter Units	3,45,41,378			
Considered Good	3,49,38,146		4,38,67,946	
Considered Doubtful	-		-	
	6,94,79,524		4,38,67,946	
Less: Provision for Doubtful Advances	-	**6,94,79,524**	-	**4,38,67,946**
b) Prepaid expenses		**6,01,75,076**		**4,46,68,873**
c) Other Deposits		**7,37,73,253**		**5,29,57,076**
2. Loans & Advances to staff				
Interest Bearing Advances	**1,16,84,529**		98,31,583	
Non Interest Bearing Advances	**94,10,150**	**2,10,94,679**	(5,71,550)	**92,60,033**
3. Interest Accured				
Interest Accured on Fixed Deposits	**9,58,45,527**		**14,66,94,076**	
Interest Accured on Corpus Deposits	**9,28,470**		**50,73,340**	
Interest Accured on Sam Jal Deposits	**2,29,950**	**9,70,03,947**	**5,64,820**	**15,23,32,236**
4. Interest Accured but not due		**77,03,708**		**76,22,510**
5. Tax Deducted at Source		**8,17,24,619**		**4,38,04,461**
6. Inter Unit Adjustment accounts				-
TOTAL (B)		**41,09,54,806**		**35,45,13,135**
TOTAL (A+B)		**13,43,86,24,486**		**11,53,98,56,975**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 7 - RECURRING GRANT

in Rs

PARTICULARS	As at 31.03.2023		As at 31.03.2022	
Balance at the beginning of the Year	-		**41,47,000**	
Add: Grant Received During the year	5,87,97,45,264		4,93,26,99,900	
Total	**5,87,97,45,264**		**4,93,68,46,900**	
Less: Grant Utilised for Captial Expenditure (A)				
Balance	**5,87,97,45,264**		**4,93,68,46,900**	
Less: Grant Utilised for Revenue Expenditure (B)	5,87,97,45,264		4,93,68,46,900	
Unspent Balance c/f		-		-

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 8 - INTEREST INCOME

in Rs

PARTICULARS		Year Ended 31.03.2023		Year Ended 31.03.2022
Interest : (gross)				
(includes tax deducted at source)				
from banks :				
on fixed deposits/ margin money deposits	34,72,93,099		32,79,80,766	
on saving accounts & Others	2,58,65,119		78,48,258	
		37,31,58,218		**33,58,29,024**
from others :				
on Vehicle Advances	-		1,648	
on House Building Advances	5,76,294		4,60,837	
on Computer Advances	1,675		2,825	
		5,77,969		**4,65,310**
Interest accrued but not Due on staff Advances		**12,03,460**		**10,91,299**
Interest on Income Tax Refund		**5,35,599**		**-**
Total		**37,54,75,246**		**33,73,85,633**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 9 - OTHER INCOME

in Rs

PARTICULARS	Year Ended 31.03.2023	Year Ended 31.03.2022
Miscellaneous Receipts	14,01,84,338	7,69,87,638
Animal House Receipts	1,10,94,064	82,47,035
Project Overheads	72,41,424	49,98,889
Effect of exchange fluctuation (net)	(85,900)	42,171
Mobilisation Interest	7,87,039	14,68,008
TOTAL	**15,92,20,965**	**9,17,43,741**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 10 - CONSUMPTION OF DRUGS & SURGICAL GOODS

in Rs

PARTICULARS	Year Ended 31.03.2023	Year Ended 31.03.2022
Opening stock of Drugs / Surgical goods	50,67,04,161	43,69,74,259
Add: Purchases	5,26,61,10,186	4,07,54,82,233
Less: Closing stock of Drugs / Surgical goods	49,78,69,475	50,67,04,161
Less: Return/ Rejected / Expired Drugs / Surgical goods	4,31,85,151	4,63,63,434
TOTAL	**5,23,17,59,721**	**3,95,93,88,896**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 11 - STAFF COST / SALARIES

in Rs

PARTICULARS	Year Ended 31.03.2023	Year Ended 31.03.2022
a) Salaries and Wages	3,19,42,17,503	2,80,76,82,979
b) Allowances and Bonus	3,71,67,90,464	3,08,48,88,526
bi) Outsourse Salary	1,62,70,65,560	1,20,04,34,106
c) Expenses on Employee's Retirement and Terminal Benefits	18,40,86,802	20,57,34,710
d) Pension scheme	76,40,10,855	70,97,20,498
e) Fellowships	72,60,43,780	67,06,38,983
TOTAL	**10,21,22,14,964**	**8,67,90,99,802**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 12 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES

in Rs

PARTICULARS		Year Ended 31.03.2023	Year Ended 31.03.2022
a) Linen and Laundry		8,69,93,218	7,69,56,986
b) Library Expenses		1,89,00,024	7,45,53,450
c) Electricity		57,97,04,634	52,41,18,236
d) Water Charges		88,66,722	3,21,02,382
e) Repairs and Maintenance		73,15,49,473	57,90,47,612
f) Animal House Expenses		1,48,146	8,41,008
g) Rates and Taxes		2,90,89,105	1,73,73,927
h) Insurance		1,34,07,509	1,13,61,773
i) Minor Equipments and Replacement of Capital Equipments		14,58,958	11,27,693
j) Postage, Telephone and Communication Charges		1,41,47,111	1,12,24,923
k) Printing and Stationery		6,21,43,782	4,73,36,250
l) Travelling and Conveyance Expenses		5,04,83,010	2,73,20,457
m) Intra Mural Research Expenses		1,36,88,707	2,10,29,936
n) Cancer Registry Program Expenses		4,22,54,437	6,11,12,961
o) Auditors Remuneration			
Audit fees	1,68,500		2,47,000
GST	45,000	2,13,500	76,140
p) Symposium and Training		85,23,622	33,26,209
q) Professional Charges		4,41,24,985	3,30,50,228
r) Advertisement Expenses		1,14,57,151	2,54,22,919
w Provision for Doubtful Debts		3,05,12,887	1,28,54,896
t) Hostel maintenance expenses		1,47,12,077	33,13,420
u) Miscellaneous Expenses		6,33,70,470	11,31,37,522
v) Covid Expenses		1,36,92,631	8,49,68,250
w Bad debts written off		-	-
x Loss / (Profit) on sale of Assets		1,00,465	4,71,879
TOTAL		**1,83,95,42,624**	**1,76,23,76,056**

टाटा स्मारक अस्पताल

[टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र]

टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) जिसमें टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच) और कैंसर के उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) शामिल है, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक अनुदान सहायता-प्राप्त संस्थान के रूप में कार्य करता है और कैंसर में सेवा, शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक अधिदेश के साथ राष्ट्रीय कैंसर केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसके तहत चार नए अस्पताल हैं जो विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश और पंजाब के मुल्लनपुर में तथा वाराणसी में एचबीसीएच और एमपीएमएमएमसीएच के रूप में दो नए अस्पताल हैं। संगरूर में सैटेलाइट सेंटर काम कर रहा है। एचबीसीएच, विशाखापत्तनम (विजाग), और वाराणसी में एचबीसीएच और एमपीएमएमएमसीएच जैसे दो अस्पताल वर्ष के दौरान कार्यशील हुए हैं। यह सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट (1860) तथा बाम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट (1950) के तहत पंजीकृत है।

अनुसूची 13 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. **वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति के आधार**

   वित्तीय विवरण अन्यथा विशेष कथन न किया गया हो तो वे परंपरागत लागत मान्यताओं पर तथा लेखांकन प्रौद्भवन आधार पर तैयार किये गए हैं। ये विवरण महालेखा नियंत्रक, भारत सरकार द्वारा बनाए गए फ्रेमवर्क एवं फार्मेट का और इस्टिट्यूट ऑफ चार्टड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी इसके लिए लागू यथावश्यक लेखांकन मानकों का अनुसरण करते हैं ।

   प्रोद्भूत राजस्व तथा लागत अर्थात् जिसे संबंधित अवधि के वित्तीय विवरणों में अर्जित व्यय तथा रिकार्ड के रूप में मान्यता दी गयी है। यह केंद्र अनुदान, दान, कम्यूटेड पेंशन (वर्तमान पेंशनरों के मामले में) जिसे नगद आधार पर लेखांकित किया है, को छोड़कर लेखांकन की प्रोद्भूत आधार पद्धति का अनुसरण करता है।

2. **प्राक्कलन का उपयोग**

   सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन तत्वों के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार किए जाने हेतु प्रबंधन को यह आवश्यक है कि वह प्राक्कलनों एवं अनुमानों को ऐसे तैयार करें जो तुलनपत्र में रिपोर्टित परिसंपत्तियों एवं देयताओं, समाप्त वर्ष के लिए रिपोर्टित राजस्वों एवं व्यय की राशियों तथा तुलनपत्र की तिथि को देय आकस्मिक देयताओं के प्रकटीकरण से मेल खाते हों । इन वित्तीय विवरणों में पयोग में लाए गए प्राक्कलन तथा अनुमान प्रबंधन द्वारा वित्तीय विवरणों की तिथि के अनुसार संबद्ध तथ्यों एवं परिस्थितियों के किए गए मूल्यांकन पर आधारित हैं । वास्तविक परिणाम इन प्राक्कलनों से भिन्न हो सकते हैं । लेखांकन प्राक्कलनों में कोई संशोधन हो तो उसे प्रत्याशित रूप से मान्यता दी जाती है ।

3. **राजस्व मान्यताएं**

   i) सेवाओं के लिए बिल तैयार होते ही उससे प्राप्त आय अस्पताल रोगियों को प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त आय के रूप में मानी गई है।

   ii) विनियोजित राशि तथा उसकी ब्याज दर के आधार पर समय के अनुपातिक रूप से ब्याज से आय को मान्यता दी गई है।

   iii) स्टाफ को दिए गए अग्रिम पर ब्याज को मान्यता इसकी पुनः प्राप्ति वसूली के वर्ष में दी गयी है।

iv) अन्य आय को तभी मान्यता दी गई है जब यह समुचित रूप से मान लिया गया कि अंततः इसका संग्रहण किया जाएगा। छात्रों से प्राप्त 3 वर्ष से अधिक की डिपॉजिट राशि तथा आपूर्तिकर्ताओं की 4 वर्ष से अधिक की डिपॉजिट राशि जो रिटन बैंक है, को फुटकर आय के रूप में माना गया है।

v) दान से संबंधित सामान्य फिक्स डिपाजिट पर प्राप्त ब्याज को संबंधित दान के औसत ब्याज दर के रूप में लिया गया है।

4. अचल परिसंपत्ति एवं मूल्यह्रास

i) अचल संपत्ति को अर्जन लागत पर (शुल्क/ टैक्स क्रेडिट का शुद्ध लाभ, यदि कोई हो) पंजीकृत किया गया है जिसमें भाड़ा, बीमा तथा परिसंपत्ति को कार्यरूप में उपयोग करने के लिए किए गए विशिष्ट संस्थापन प्रभार जैसी प्रत्यक्ष लागत शामिल है।

ii) यदि मौजूदा संपत्ति पर उसके निष्पादन/जीवन बढ़ाने के लिए कोई लागत की गई है तो उससे संबंधित व्यय को संपत्ति की लागत में जोड़ा गया है।

iii) अचल संपत्तियों को उसकी लागत में से संचयी ह्रास घटाकर दर्शाया गया है।

iv) सरकारेतर निधित परियोजनाओं हेतु तथा दान से क्रय की गई अचल परिसंपत्तियों को क्रय कीमत पर केंद्र की परिसंपत्तियों के रूप में अंतरित किया गया है।

v) यदि किसी अचल संपत्ति का विक्रय किया गया है तभी उसे वित्तीय विवरण से हटाया गया है।

अचल परिसंपत्तियों पर ह्रास को प्रबंधन द्वारा निर्धारित परिसंपत्ति की उपयोगी आयु के आधार पर सीधी लाइन पद्धति के तहत दर्शाया गया है :

परिसंपत्ति	मूल्य ह्रास की दर
भवन	1.63%
विद्युत एवं गैस संस्थापन	4.75%
संयंत्र एवं मशीनरी	7.07%
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	9.50%
कार्यालय उपस्कर	4.75%
कंप्यूटर एवं संबंधित घटक	16.2%
वाहन : बस कार, जीप	11.31% 9.50%

I) वर्ष के दौरान खरीदी गई अचल परिसंपत्तियों पर मूल्य ह्रास को इसके खरीद/संस्थापन की तारीख पर दर्शाया गया है।

ii) वर्ष के क्रय/डब्ल्यूडीवी में रु. 5000/- से कम की लागत वाली वैयक्तिक परिसंपत्ति के व्यय को शामिल नहीं किया गया है।

iii) जहां किसी परिसंपत्ति का विक्रय किया गया है उस परिसंपत्ति पर ह्रास की गणना परिसंपत्ति की विक्रय की तिथि तक अनुपातिक आधार पर की गयी है।

5. इन्वेंट्रीज

i) इन्वेंटरी में विक्रय के प्रयोजनवाले ड्रग्स और सर्जिकल शामिल हैं, जिनका मूल्य लागत से कम अथवा निवल वसूल-योग्य मूल्य पर किया गया है। लागत का क्रय-क्रम मूल्यंन आधार पर निर्धारित किया गया है।

ii) उपभोज्य वस्तुएं, स्टेशनरी स्टॉक को उसकी मूल्य लागत पर मूल्यांकित किया गया है।

iii) लिनेन, लॉंड्री, कटलरी और क्रॉकरी, उपभोज्य, शल्य चिकित्सा और संबद्ध स्टोअर सामग्री को खपत उद्देश्य के रूप में माना गया है।

6. सरकारी अनुदान

i) वेतन का अनुदान, सामान्य उपयोग के लिए अनुदान और राजस्व से संबंधित परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान को आईसीएआई द्वारा निर्धारित लेखांकन मानकों के अनुसार उक्त अवधि के दौरान आय और व्यय खाते में व्यवस्थित आधार पर दर्शाया गया है, ताकि उनका क्षतिपूर्ति से संबंधित लागतों के साथ आवश्यक मिलान किया जा सके।

ii) परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान का उपयोग पूंजीगत व्यय या योजना परियोजनाओं हेतु आरबीआई खातों के माध्यम से सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) नीति के अनुसार किया गया है। लेखांकन मानक के अनुसार, परिसंपत्तियों के निर्माण का मूल्य पूंजी निधि में अंतरित किया गया है। अप्रयुक्त अनुदान की राशि हर साल 31 मार्च को अपने आप समाप्त हो जाती है और आरबीआई सरकार के ट्रेजरी खाते में वापस जाती है।

7. दान

1 अप्रैल 2003 के पूर्व प्राप्त वस्तु रूप में दान निश्चित किया गया/ धर्मदाय निधि के तहत तुलनात्मक क्रय मूल्य पर शामिल किया गया है। 1 अप्रैल 2003 से वस्तु रूप में दान पुस्तकों में नॉमिनल मूल्य पर दर्शाया जा रहा है। रोगियों की देखभाल एवं कैंसर अनुसंधान के लिए दान प्राप्त होता है। तद्नुसार, दान से खरीदी गयी परिसंपत्तियों को केंद्र की परिसंपत्तियों एवं पूंजीगत परिसंपत्तियों के रूप में माना गया है। दान में नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के रूप में प्राप्त राशि भी शामिल है।

8. विदेशी मुद्रा व्यवहार

क. व्यवहार की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों पर विदेशी मुद्रा का व्यवहार दर्ज किया गया है।

ख. वर्ष के अंत में गैर निपटान शेष विदेशी मुद्रा में नामित मौलिक मद को वर्ष के अंत में विनिमय दर के अनुसार परिवर्तित किया गया है।

ग. आय तथा व्यय लेखा में, निपटान/ परिवर्तन पर सभी प्रकार की प्राप्ति/ हानि को दर्शाया गया है।

9. कर्मचारी लाभ

लघु अवधि कर्मचारी लाभ :

12 माह की सेवा अवधि पूरी किये जाने पर दिये जाने वाले सभी कर्मचारी लाभों को लघु अवधि कर्मचारी लाभ के रूप में माना गया है। संबंधित सेवाओं के दौरान कर्मचारियों ने दी गई सेवाओं के लाभ जैसे वेतन, मजदूरी, बोनस आदि को दर्शाया गया है।

रोजगार पश्चात लाभ:

i) **निश्चित अंशदान योजना:** .

अंशदायी भविष्य निधि के रूप में तथा नई पेंशन योजना (1 जनवरी 2004 से नियुक्त कर्मचारियों हेतु) के रूप में कर्मचारी के लाभ को निश्चित अंशदान योजना के रूप में स्वीकार किया गया है। कर्मचारी ने संबंधित अवधि में दी गई सेवा के लिए इस योजना के तहत दिए गए/ देय अंशदान को दर्शाया गया है।

ii) **निश्चित लाभ योजना:**

पात्र कर्मचारियों को उपदान के रूप में सेवानिवृत्ति लाभ, छुट्टी का नकदीकरण तथा पेंशन योजना (उपर्युक्त (i) में शामिल कर्मचारियों के अलावा) को निश्चित लाभ योजना माना गया है। इस योजना के अंतर्गत दायित्व के अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बाध्यता का वर्तमान मूल्य बीमांकिक मूल्य पर आधारित हैं। इसके अंतर्गत कर्मचारी लाभ की पात्रता की अतिरिक्त यूनिट के बढ़ने पर वृद्धि देकर सेवा की प्रत्येक अवधि को पहचाना जाता है तथा अंतिम बाध्यता की गणना करने के लिए प्रत्येक यूनिट की अलग-अलग रूप में गणना की जाती है।

बाध्यताओं का मूल्यांकन अनुमानित भावी नकद फ्लो के वर्तमान मूल्य का उपयोग करके किया गया है। निश्चित लाभ योजना के तहत बाध्यताओं के वर्तमान मूल्य के निर्धारण हेतु बट्टे दर पद्धति का उपयोग किया गया है जो तुलनपत्र की तिथि को सरकारी सिक्युरिटी पर बाजार लब्धि के आधार पर है जिसकी परिपक्वता अवधि संबंधित बाध्यताओं के लगभग निकट है।

10. प्रावधान, आकस्मिक दायित्व तथा आकस्मिक परिसंपत्तियां

क. दायित्वों के लिए प्रावधानों को मान्यता दी गयी है, जिसका मापन अनुमानों की पर्याप्त डिग्री का उपयोग कर किया जा गया है, यदि

1. गत घटनाओं के परिणाम के रूप में केंद्र की वर्तमान बाध्यता हो।
2. बाध्यताओं का निपटान करने हेतु स्रोत के संभावित आऊटफ्लो अपेक्षित हों।
3. बाध्यताओं की राशि विश्वसनीय रूप में अनुमानित की जाती हो।

ख. निम्नलिखित मामलों में संभाव्य दायित्वों का खुलासा किया गया है :

1. गत घटनाओं से उठी वर्तमान बाध्यताएं, जब यह संभावित नहीं है कि बाध्यताओं के निपटान हेतु अपेक्षित स्रोत के आउटफ्लो की आवश्यकता है।
2. एक संभावित बाध्यता, जब स्रोत के आउट फ्लों की संभावना न हो।

ग. प्रत्येक तुलन वर्ष की तिथि पर प्रावधानों, आकस्मिक दायित्वों की पुनरीक्षा की गयी है।

घ. संदेहपूर्ण लेनदारों से संबंधित व्यवस्था उस लेनदार से संबंधित की गयी है जिनसे बकाया तीन साल से अधिक के लिए है।

11. तुलन-पत्र की तारीख के बाद घटित घटनाएं

जब तुलन पत्र की तिथि के पश्चात किसी सामग्री की घटनाएं होती हैं तो उनका शासी निकायों के सदस्यों द्वारा लेखे के अनुमोदन की तिथि तक विचार किया गया है।

12. शैक्षिक निधि

टाटा स्मारक केंद्र के शाषी परिषद द्वारा अस्पताल आय से निर्धारित प्रतिशत की राशि एक अलग निधि नामतः "शैक्षिक निधि" में अंतरित की गई है। लक्ष्य को पूरा करने संबंधी व्यय को इस निधि में नामे लिखा जाता है।

13. विज्ञान एवं अनुसंधान निधि

वर्ष 2000 में सृजित विज्ञान एवं अनुसंधान निधि/ संग्रह की निधि का ब्याज निम्नलिखित के लिए उपयोग किया जाता है: (i) देश में निरोधात्मक कैंसरशास्त्र संबंधी गतिविधियों के सहयोग हेतु (ii) कैंसर के विषय पर आयोजित संस्थागत सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु सहयोग हेतु (iii) समिति द्वारा अनुमोदित किसी अन्य प्रयोजन हेतु।

14. सैम जल मिस्त्री निधि

इस निधि को वर्ष 1999 में स्वर्गीय सैम जल मिस्त्री एवं स्वर्गीय एलिस सैम मिस्त्री की वसीयत के अनुसार सृजित किया गया है। उनकी वसीयत के अनुसार, निधि से उत्पन्न ब्याज एवं लाभांश को समान रूप से गरीब कैंसर रोगियों के उपचार के लिए और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शिक्षावृत्ति देने के लिए लिए उपयोग किया जाता है।

लेखा के अनुसूची तैयारी संबंधी भाग

अनुसूची 14 : लेखा पर टिप्पणी

1. आकस्मिक दायित्व निम्नलिखित हेतु नहीं प्रदान किये गए हैं :
   ए. 31 मार्च, 2023 को एलआईसी का बकाया रुपये 12,69,09,110/- है।
   बी. रोगियों द्वारा अस्पताल के विरूद्ध किये गये दावे को ऋण के रूप में नहीं माना जाता क्योंकि उनकी मात्रा का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।

2. पूंजीगत खाते पर निष्पादन हेतु शेष संविदा की अनुमानित लागत का अनुमान 31 मार्च, 2023 को नहीं लगाया जा सकता है।

3. विविध देनदार तथा लेनदारों का शेष, और कुछ देयताओं के शेष की पुष्टि, समाधान तथा तत्पश्चात समायोजन यदि कोई हो, की शर्त पर है। अंतर-इकाई समायोजन खाते में शेष राशि रु. शून्य/- (पिछले वर्ष रु. 9,32,58,516/-) है।

4. केंद्र की स्थायी जमा जिसमें रु.12,69,09,110/- (पिछले वर्ष में रु. 7,24,32,983/-) की राशि सम्मलित है, जो अगले वर्ष की तत्काल प्रतिबद्धताओं हेतु निश्चित की गयी निधि के रूप में अलग रखी गयी है।

5. इस केंद्र में परमाणु ऊर्जा विभाग तथा भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग द्वारा संचालित आंतरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली को अपनाया जाता है। वर्ष के दौरान यह लेखा-परीक्षा वर्ष 2022-23 के लिए की गई है।

6. वर्ष 2001-02 में बाम्बे लेबर फंड एक्ट, 1956 को लागू न करने हेतु माननीय हाई कोर्ट बाम्बे में इस केंद्र ने रिट याचिका दायर की है जिसका अंतिम निर्णय आना अभी बाकी है। प्रत्येक वर्ष केंद्र कर्मचारियों से एलडब्ल्यूएफ राशि वसूल करता है तथा इसके लिए केंद्र की देयता के रूप में रु.1,34,83,596/- (ब्याज रु.5,71,099/- सहित) की राशि का अंशदान दिया है, जिसे वित्तीय विवरण में चालू दायित्वों के तहत प्रदर्शित किया गया है। केंद्र ने माननीय बाम्बे हाई कोर्ट में रु.5,50,000/- जमा राशि भी रखी है।

7. 12,87,463/- रुपये का "लावारिस एनपीएस खाता" 3 साल से अधिक समय से बकाया है और इसे "अन्य वर्तमान देनदारियों" के अंतर्गत दिखाया जा रहा है। जब भी कर्मचारियों द्वारा दावा किया जाएगा तब उसका भुगतान इस खाता शीर्ष से किया जाएगा।

8. ट्रस्ट के पास अपनी विभिन्न इकाइयों से रु. 3,45,41,378/- की शुद्ध प्राप्य राशि है, ये शेष वर्ष के अंत में उत्पन्न हुए क्योंकि ट्रस्ट लेखांकन के नकद आधार का पालन करता है और इसलिए एक इकाई द्वारा दूसरी इकाई को भुगतान किया जाता है जो दूसरी इकाई को बैलेंस शीट की तारीख के बाद प्राप्त होता है, उसे अगले वित्तीय वर्ष में दर्ज किया जाता है। 31 मार्च, 2023 तक अंतर-इकाई प्राप्य और देय शेष नीचे दिया गया है।

क्रम संख्या	इकाई	शुद्ध प्राप्य/(देय) शेष राशि
1	टीएमएच,वाराणसी	86,68,082.00
2	टीएमएच,मुजफ्फरपुर	(2,51,76,598.0)
3	टीएमएच, विजाग	(4,06,11,783.0)
4	टीएमएच,बीबीसीआई	(66,77,337.0)
5	टीएमएच,पंजाब	(4,10,598.0)
6	वाराणसी-संगरूर	3,40,003.00
7	वाराणसी-मुजफ्फरपुर	9,81,80,952.00
8	वाराणसी-विजाग	18,656.00
9	वाराणसी-मुल्लनपुर	1,94,304.00
10	वाराणसी-बीबीसीआई	15,697.00
	शुद्ध प्राप्य शेष चालू परिसंपत्ति के अंतर्गत दिखाया गया है	3,45,41,378.00

9. लेखांकन मानक 15 (संशोधित) 'कर्मचारी लाभ के' अनुसार प्रकटीकरण इस प्रकार है :

(रु. में)

निश्चित अंशदान योजना:

निश्चित अंशदान योजना के अंतर्गत अंशदान एक व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त है तथा उसे 'स्टाफ और कल्याण' के तहत आय एवं व्यय खाते की अनुसूची 11 में नियमानुसार शामिल किया किया गया है :

- भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान - रु. 8,03,022/-
- नवीन पेंशन योजना के लिए नियोक्ता का अंशदान - रु. 32,60,81,563/-

			उपदान	
			31-3-2023	31-3-2022
I	वर्ष के दौरान बाध्यताओं में परिवर्तन			
	1	वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	177,47,68,817	166,00,76,408
	2	ब्याज लागत	12,83,03,974	11,03,39,779
	3	वर्तमान सेवा लागत	9,99,60,864	8,07,24,412
	4	विगत सेवा लागत	0	0
	5	भुगतान किया गया लाभ	(120743750)	(14,78,83,782)
	6	बीमांकिक (लाभ)/ हानि	(3,92,08,552)	(7,15,11,999)
	7	वर्ष के अंत में दायित्व	184,30,81,353	177,47,68,817
II	तुलन पत्र में स्वीकृत निवल परिसंपत्ति / (दायित्व)			
	1	वर्ष के अंत में दायित्व	184,30,81,353	177,47,68,817
	2	वर्ष के अंत में योजनागत परिसंपत्तियां	0	0
	3	तुलन पत्र में स्वीकृत दायित्व	184,30,81,353	177,47,68,817
III	आय तथा व्यय लेखा में स्वीकृत व्यय			
	1	ऍालू सेवा लागत	9,99,60,864	8,07,24,412
	2	ब्याज लागत	12,83,03,974	11,03,39,779

	3	कोजनागत परिसंपबिकाओं पर अपेक्षित पखाप्ति		
	4	बीमांकिक (लाभ)/हानि	(3,92,08,552)	7,15,11,999
	5	विगत सेवा लागत	0	0
	6	आय तथा व्यय लेखा में स्वीकृत कुल व्यय	18,90,56,286	26,55,76,190
IV	**तुलन पत्र की तिथि पर मुख्य बीमांकिक मान्यताएं :**			
	1	छूट की दर	7.50%	7.25%
	2	कोजनागत परिसंपबिकाओं पर अपेक्षित वापसी	0.00%	0.00%
	3	वेतन में वृद्धि की दर		
निश्चित लाभ योजना से संबंधित सामान्य विवरण :				
1	केंद्र द्वारा एक उपदान योजना का परिचालन किया जाता है, जो पात्र कर्मचारियों हेतु एक अनिधिक योजना है। इस योजना के तहत कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान अथवा सेवा समाप्ति पर मृत्यु होने पर कर्मचारियों को उनके रोजगार के दौरान सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष अथवा छह माह से अधिक के भाग के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर की राशि प्रदान की जाती है बशर्ते कि कर्मचारी ने पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो।वित्त मंत्रालय ने अपने दिनांक 26 अगस्त 2016 के आदेश सं. 7/5/2012-पीएंडपी डब्ल्यू (एफ)/बी के जरिये नयी परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली के अंतर्गत केंद्र सरकारी कर्मचारियों के "सेवानिवृत्ति उपदान तथा मृत्यु उपदान" के लाभों को विस्तारित करते हुए केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अंतर्गत कर्मचारियों को लागू लाभों के समान कर दिया है।			
2	केंद्र एक छुट्टी नकदीकरण योजना का परिचालन करता है, यह एक अनिधिक योजना है। इस योजना के अंतर्गत दायित्व के अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बाध्यता का वर्तमान मूल्य बीमांकिक मूल्य पर आधारित हैं। इसके अंतर्गत कर्मचारी लाभ की पात्रता की अतिरिक्त यूनिट के बढ़ने पर वृद्धि देकर सेवा की प्रत्येक अवधि को पहचाना जाता है तथा अंतिम बाध्यता की गणना करने के लिए प्रत्येक यूनिट की अलग-अलग रूप में गणना की जाती है। बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर 31 मार्च 2023 को देयता रु.226,58,86,548/- बनती है।			
3	केंद्र दिनांक 1 जनवरी 2004 से पहली बार सेवा में शामिल हुए कर्मचारियों के लिए एक पेंशन योजना का परिचालन करता है जो एक अनिधिक योजना है। इसके अंतर्गत हितलाभ न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्ति अथवा स्वैच्छा से सेवानिवृत्ति पर दिये जाते हैं। बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर 31 मार्च 2023 को देयता रू. 1726,32,08,632/- बनती है।			

10. 31 मार्च 2023 तक बकाया अज्ञात आवक प्रेषण रु. शून्य है। (पिछले वर्ष यह रु.20,55,70,270/- था, जो पहचान/समाधान के अधीन हैं)। वर्ष के दौरान 3 वर्ष से अधिक का अज्ञात आवक प्रेषण रोगी के कल्याण कोष में स्थानांतरित किया गया।

11. केंद्र की वाराणसी और विजाग में परियोजनाएं हैं, जो वर्ष के दौरान पूरी हो गई हैं। उनकी ओर से किए गए खर्चों को चालू परिसंपत्तियों के तहत सामान्य लेखांकन अभ्यास के अनुसार इकाइयों के साथ देय तथा प्राप्य के रूप में दिखाया गया है।

12. पिछले वर्ष के आंकड़ों को तुलनात्मक बनाने के लिए जहां पर आवश्यक हो, पुनर्गठित/ पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

बाटलीबॉय तथा पुरोहित,
चार्टेड अकाउंटेन्ट की ओर से
(आईसीएआई पंजीकरण सं.: 101048 डब्ल्यू)

टाटा स्मारक केंद्र की ओर से

सीए गौरव राजेंद्र ढेबर साझेदार सदस्यता सं. 153493 दिनांक : स्थान : मुंबई	श्री एस. मोहपात्रा संयुक्त नियंत्रक (वित्त एवं लेखा)	सुश्री मीरा आईएफए	श्री अनिल साठे निदेशक (प्रशासन), टीएमसी	डॉ. आर.ए. बडवे निदेशक, टीएमसी

FTS:-19391

ACTION TAKEN REPORT ON AUDITOR'S OBSERVATIONS FOR THE YEAR 2022-23

Paragraph No of Auditor's Report	Auditor's comments (to be reproduced in full)	Action Taken	Expected month and year for completion of Action
(1)	(2)	(3)	(4)
1	We have audited the accompanying Financials Statements of **Tata Memorial Centre ("the Centre")** which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2023 and the statement of Income and Expenditure Account and the Notes to the Financial Statements for the year then ended on that date including a summary of Significant Accounting Policies and other explanatory information, as required by the Societies Registration Act, 1860 and the Bombay Public Trust Act, 1950 ("the Act").	This is a statement of fact and information. No action required	
2	In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid Financial Statements give the information required by the act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India of the financial position of the Centre: (a) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Centre as at 31st March, 2023. (b) In the case of Income and Expenditure Account, of the Excess of Expense over Income of the Centre for the year ended on that date.	This is a statement of fact and information. No action required.	
3	We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing ("SAs") issued by Institute of chartered Accountants of India. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditors' Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the entity in accordance with the ethical requirements that are relevant to audit of financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.	This is a statement of fact and information. No action required	

4	We invite attention to Note No. 8 of Schedule 14 Notes to Accounts wherein it has been mentioned that there are net receivable balances of INR 3,45,41,378/- between the Units and Head Office. According to the Management this won't have any significant impact on the Income and Expenditure and Balance Sheet of the Trust.	HBCH & MPMMMHS ,Varanasi Project and HBCH & RC Vizag Project are functional during this year. We will hand over all books and account to DCA of respective unit in 2023-24. Net receivable will resolve accordingly.	Books and accounts will hand over by Dec, 2023 in the presence of auditor.
5	The Trustees are responsible for the preparation and presentation of these financial statements that give a true & fair view of the financial position and financial performance of the trust in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the accounting standards issued by ICAI. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records for safeguarding the assets of the Trust and for preventing and detecting fraud and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true & fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.	This is a statement of fact and information. No action required	
6	In preparing the financial statements, trustees are responsible for assessing the Trust's ability to continue as a going concern, unless trustees either intends to surrender the trust or to cease operations or has no realistic alternative but to do so. Those trustees are also responsible for overseeing the Trust's financial reporting process.	This is a statement of fact and information. No action required	

7	Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material statements, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of the users taken on the basis of these financial statements. As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgement and maintain professional scepticism throughout the audit..	This is a statement of fact and information. No action required	
8	Identify and assess the risks of material misstatements of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.	This is a statement of fact and information. No action required	
9	Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of Trust's internal control.	This is a statement of fact and information. No action required	
10	Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by trustees. Conclude on the appropriateness of trustees' use of going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material certainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on Trust's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material certainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the trust to cease to continue as a going concern.	This is a statement of fact and information. No action required	

11	**Report on Other Regulatory Requirements** We report that: • We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit; • In our opinion proper books of accounts as required by law have been kept by the Trust so far as it appears from our examination of books of the trust; • The Balance Sheet and Income & Expenditure Account dealt with by this Report are in agreement with the books of account.	This is a statement of fact and information. No action required	

JCFA, TMC

IFA, TMC

Batliboi & Purohit
CHARTERED ACCOUNTANTS

Head Office (Mumbai) : National Insurance Building,
204, Dadabhoy Naoroji Road, Fort, Mumbai - 400 001.
Tel. : 2207 7941 / 2207 4260
E-mail : info@batliboipurohit.com
Website : www.batliboipurohit.com

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To,
The Chairman,
Governing Council of Tata Memorial Centre,

Report on the Audit of the Financial Statements

Opinion:

We have audited the accompanying Financials Statements of **Tata Memorial Centre ("the Centre")** which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2023 and the statement of Income and Expenditure Account and the Notes to the Financial Statements for the year then ended on that date including a summary of Significant Accounting Policies and other explanatory information, as required by the Societies Registration Act, 1860 and the Bombay Public Trust Act, 1950 ("the Act").

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid Financial Statements give the information required by the act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India of the financial position of the Centre:

A) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Centre as at 31st March, 2023.
B) In the case of Income and Expenditure Account, of the Excess of Expense over Income of the Centre for the year ended on that date.

Basis for Opinion:

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing ("SAs") issued by Institute of chartered Accountants of India. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditors' Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the entity in accordance with the ethical requirements that are relevant to audit of financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Emphasis of Matter:

1. We invite attention to Note No. 8 of Schedule 14 Notes to Accounts wherein it has been mentioned that there are net receivable balances of INR 3,45,41,378/- between the Units and Head Office. According to the Management this won't have any significant impact on the Income and Expenditure and Balance Sheet of the Trust.

Our opinion is not modified in respect of the above matter.

Management's (Trustee's) Responsibility for the Financial Statements:

The Trustees are responsible for the preparation and presentation of these financial statements that give a true & fair view of the financial position and financial performance of the trust in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the accounting standards issued by ICAI.

This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records for safeguarding the assets of the Trust and for preventing and detecting fraud and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true & fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, trustees are responsible for assessing the Trust's ability to continue as a going concern, unless trustees either intends to surrender the trust or to cease operations or has no realistic alternative but to do so. Those trustees are also responsible for overseeing the Trust's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of Financial Statements:

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material statements, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of the users taken on the basis of these financial statements. As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgement and maintain professional scepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatements of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of Trust's internal control.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by trustees. Conclude on the appropriateness of trustees' use of going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material certainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on Trust's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material certainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the trust to cease to continue as a going concern.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

Report on Other Regulatory Requirements

We report that:

- We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- In our opinion proper books of accounts as required by law have been kept by the Trust so far as it appears from our examination of books of the trust;
- The Balance Sheet and Income & Expenditure Account dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

For Batliboi & Purohit
Chartered Accountants
Firm Reg. No.: 101048W

Gaurav Dhebar
Partner
Membership No. 153493
UDIN: 23153493BGQHYC9063
Date: 24th August, 2023

वित्त, सरलीकृत

भारत में स्थित टाटा स्मारक केंद्र के 10 केन्द्रों में लगभग 3700 पूर्णकालिक स्टाफ कार्यरत हैं।

यह अनुमान लगाया गया कि उपरोक्त टीएमसी के 3 सेवा घटकों का प्रतिशत लगभगः सेवा 65%, शिक्षण 15% और अनुसन्धान 20%रहेगा।

टीएमसी नेअस्पताल रसीद(मरीजों से आय), पऊवि से प्राप्त अनुदान, दवाइयों और उपभोज्य वस्तुओं की बिक्री से होने वाले लाभ,और अन्य स्रोत जैसे फिक्स्ड डिपोजिट आदि से फंड्स जमा किये।

टीएमसी के खर्चों में स्टाफ का वेतन, भौतिक परिसंपत्तियों का रखरखाव, अनुसन्धान और शिक्षण में निवेश, दवाइयों और उपभोज्य वस्तुओं की कीमत, तथा अन्य प्रशासनिक व्यय शामिल हैं।

टाटा स्मारक केंद्र की आय (करोड़ में) ≅ भारतीय ऊपये 1870.44				
पऊवि से अनुदान	मरीजों से आय	दवाइयों और सर्जिकल आइटम की बिक्री	आय पर ब्याज	अन्य स्रोत
634.62	611.35	571	37.55	15.92

टाटा स्मारक केंद्र का व्यय (करोड़ में) ≅ भारतीय ऊपये 1963.77					
शैक्षणिक	उपभोज्य वस्तुएं	स्टाफ का वेतन	प्रशासनिक	दवाइयां और सर्जिकल आइटम	कोविड व्यय
13.19	220.87	1021.22	183.95	523.17	1.37

गुवाहाटी स्थित डॉ भुवनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान को इसमें शामिल नहीं किया गया है क्योंकि यह संस्थान अपनी आयकर विवरणी स्वतंत्र रूप से फाइल करता है।

कैंसर एपिड़ेमियोलोजी केंद्र (सीसीई) आय कमाने वाला केंद्र नहीं है।

मुजफ्फ़रपुर का कैंसर केंद्र पूर्ण रूप से प्रचलित नहीं हुआ था।

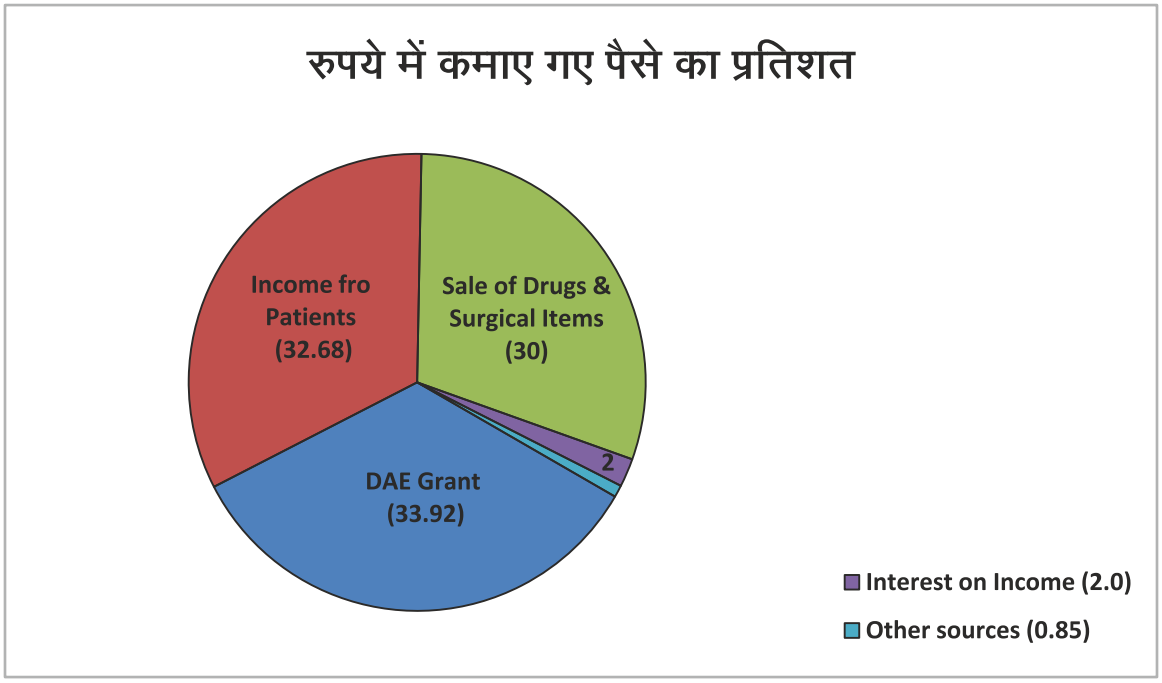
रुपये में कमाए गए पैसे का प्रतिशत
Income fro Patients (32.68)
Sale of Drugs & Surgical Items (30)
2
DAE Grant (33.92)
Interest on Income (2.0)
Other sources (0.85)

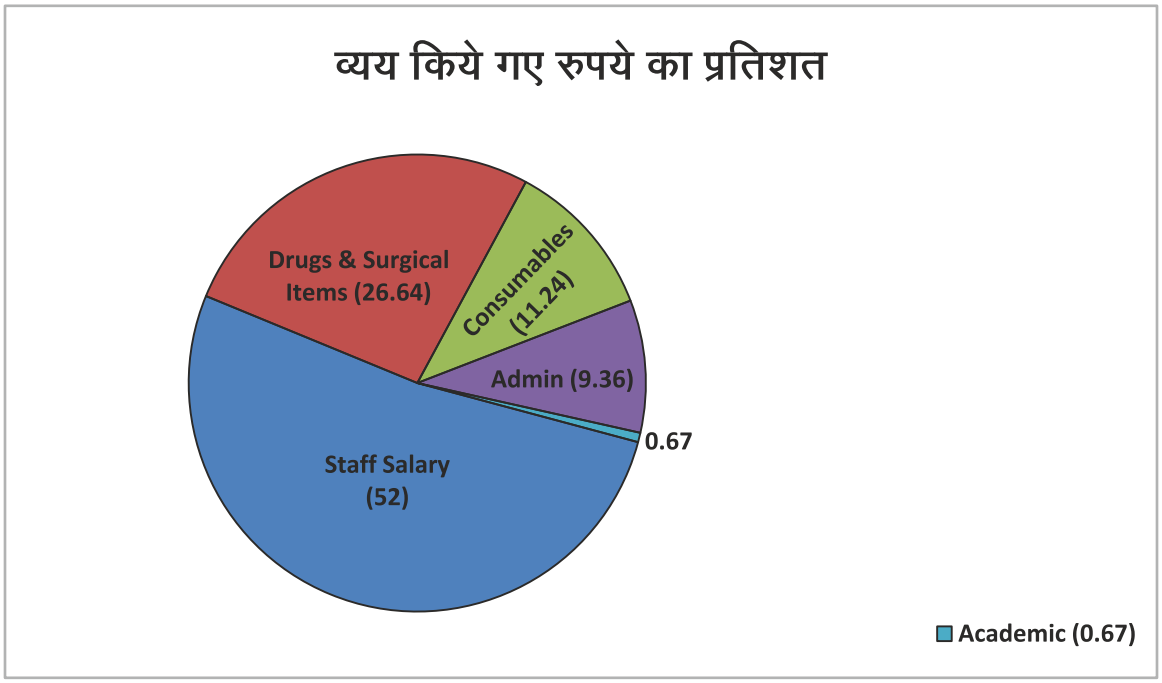
व्यय किये गए रुपये का प्रतिशत
Drugs & Surgical Items (26.64)
Consumables (11.24)
Admin (9.36)
0.67
Staff Salary (52)
Academic (0.67)

मोटे तौर पर आय-व्यय 2022-23

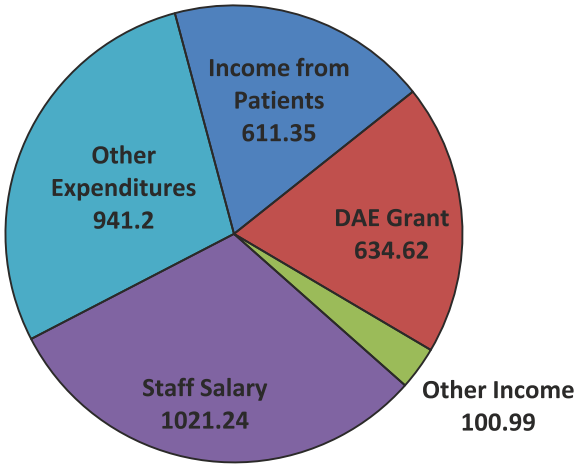

स्टाफ श्रेणी, % वेतन

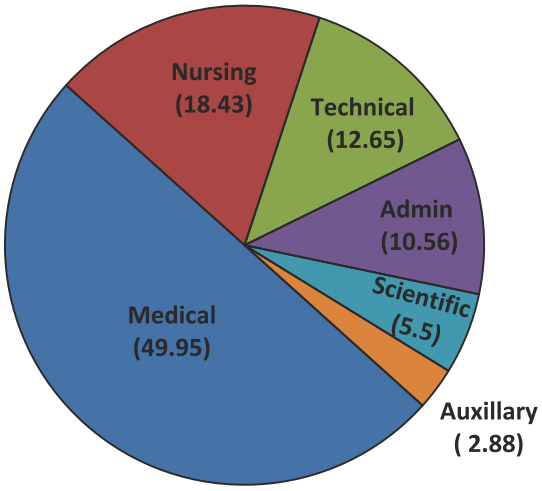

Dr. Amal C. Kataki, Director BBCI authored the book “Principles and Practice of ONCOLOGY” that was released at the Guwahati Raj Bhavan by Honorable Governor of Assam, Prof. Jagdish Mukhi.
Dr. RA Badwe, Director, TMC was the Distinguished Guest.

Dr. RA Badwe, Director TMC with Dr Satyajit Pradhan, Director HBCH & MPMMCC at the 4th Annual Day Conference at MPMMCC in Varanasi.

Tata Memorial Hospital (TMH)
Dr. E. Borges Marg, Parel East,
Mumbai - 400012, Maharashtra.
Tel: +91 22 2417 7000
+ 91 22 6953 7300
Fax: +91 22 2414 6937
Email: msoffice@tmc.gov.in
Website: https://tmc.gov.in

Advanced Centre for Treatment, Research & Education in Cancer (ACTREC)
Sector-22, Kharghar, Navi Mumbai - 410210,
Maharashtra.
Tel: +91 22 2740 5000
Fax: +91 2202740 5085
Email: mail@actrec.gov.in
Website: http://actrec.gov.in

Centre for Cancer Epidemiology (CCE)
Sector-22, Kharghar, Navi Mumbai - 410210,
Maharashtra.
Tel: +91 22 2740 5000
Fax: +91 2202740 5085
Email: cce.dept@actrec.gov.in
Website: tmcepi.gov.in

Homi Bhabha Cancer Hospital & Research Centre (HBCHRC)
APIIC Industrial Park, Aganampudi Village,
Plot No. 212, NH 5,
Gajuwaka Mandal, Visakhapatnam - 530053,
Andhra Pradesh.
Tel: +91 891 287 1561/1569
Email: hbchrcvizag.admin@tmc.gov.in;
aovizaghbchrc@gmail.com
Website:
https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbchrc-vizag

Homi Bhabha Cancer Hospital & Research Centre (HBCHRC)
Plot No. 1, 'Medicity'
Mullanpur, New Chandigarh,
District Mohali - 140901, Punjab.
Tel: +91 160 281 0000/0023
Email: directorpunjab@tmc.gov.in
info@hbchrcm.tmc.gov.in

Homi Bhabha Cancer Hospital (HBCH)
Civil District Hospital Campus,
Sangrur - 148001, Punjab.
Tel: +91 167 222 3931
Email: sangrur@gmail.com
Website:
https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbch-sangrur

Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya Cancer Centre (MPMMCC)
Sundar Bagiya, Near Nariya Gate,
Banaras Hindu University Campus,
Varanasi - 221005, Uttar Pradesh.
Tel: +91 542 251 7699
Email: admin@mpmmcc.tmc.gov.in;
cao@mpmmcc.tmc.gov.in
Website:
https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/MPMMCC

Homi Bhabha Cancer Hospital (HBCH)
Ghanti Mill Road, Old Loco Colony,
Lahartara, Varanasi - 221001, Uttar Pradesh.
Tel: +91 542 222 5022
Email: cao@mpmmcc.tmc.gov.in
Website:
https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbch-varanasi

Dr. Bhubaneswar Borooah Cancer Institute (BBCI)
A K Azad Road, Gopinath Nagar,
Guwahati - 781016, Assam.
Tel: +91 361 280 0504
Email: bbci_info@yahoo.co.in
Website: www.bbcionline.org

Homi Bhabha Cancer Hospital & Research Centre (HBCHRC)
Uma Nagar, Rasalpur, SKMCH campus,
Muzaffarpur - 842004, Bihar.
Tel: +91 912 848 6891